



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 41] नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 11, 1975 (आश्विन 19, 1897)

No. 41] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 11, 1975 (ASVINA 19, 1897)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 4 सितम्बर 1975

सं० ए० 12019/6/74-प्रशासनII—संघ लोक सेवा आयोग की समसंबद्धक अधिसूचना दिनांक 12 मार्च, 1975 के अनुक्रम में अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा संघ लोक सेवा आयोग में के० स० से० से० संवर्ग के स्थायी चयन ग्रेड अधिकारी तथा आयोग के कार्यालय के के० स० स्ट० से० सेवा संवर्ग में प्रतिनियुक्ति पर अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्न आधार पर कार्य कर रहे श्री बी० एस० जैन को 1 सितम्बर 1975 से छह महीने की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, अध्यक्ष के विशेष सहायक के पद पर तदर्थ रूप से स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

श्री बी० एस० जैन, संघ लोक सेवा आयोग में अध्यक्ष के विशेष सहायक के संवर्ग बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति आधार पर रहेंगे तथा उनका वेतन समय समय पर यथा संशोधित वित्त मंत्रालय के का० ज्ञा० सं० एफ० 10 (24)-ई III/60 दिनांक 4 मई, 1961 में उल्लिखित उपबन्धों के अनुसार विनियमित किया जाएगा।

पी० एन० मुखर्जी

अवर सचिव

हृते अध्यक्ष,
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 5 सितम्बर 1975

सं० ए० 12019/5/74-प्रशासन II—संघ लोक सेवा आयोग की समसंबद्धक अधिसूचना दिनांक 13 जून 1975 के अनुक्रम में सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा संघ लोक सेवा आयोग में के० स० से० के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री एम० एस० छाबड़ा को 1 सितम्बर 1975 से 29 नवम्बर 1975 तक (30 तारीख को रविवार होने के कारण) की अतिरिक्त अवधि के लिए या आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, आयोग के कार्यालय में कनिष्ठ विशेषक के पद पर, तवर्यां आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने के लिए नियुक्त करते हैं।

2. श्री छाबड़ा कनिष्ठ विशेषक के संवर्ग बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति पर बने रहेंगे और उनका वेतन समय समय पर संशोधित वित्त मंत्रालय के का० ज्ञा० सं० फा० 10 (24)-ई-III/60 दिनांक 4 मई, 1971 में निहित उपबन्धों के अनुसार विनियमित होगा।

दिनांक 6 सितम्बर 1975

सं० ए०-11013/2/74-प्रशासन-II—संघ लोक सेवा आयोग की समसंबद्धक अधिसूचना दिनांक 26 मार्च 1975 और 17 मई 75 के अनुक्रम में सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के निम्न-

लिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों/सहायकों को आयोग के कार्यालय में 1 सितम्बर 1975 से अधिकारी आगामी आदेशों तक प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अतिरिक्त अवधि के लिए तदर्थ आधिकार में अनुभाग अधिकारियों (विशेष) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं.	नाम	अवधि	के ० सं० से० संबंध में पद
1.	श्री वी० एस० रियात	छह मास	अनुभाग अधिकारी
2.	श्री वी० एस० जगपोता	—वही—	—वही—
3.	श्री जे० पी० गोयल	—वही—	—वही—
4.	श्री आर० एन० खुराना	—वही—	—वही—
5.	श्री एस० श्रीनिवासन	—वही—	—वही—
6.	श्री बी० एस० कपूर	एक मास	—वही—
7.	श्री बी० एन० श्रोड़ा	—वही—	—वही—
8.	श्री एस० के० अरोड़ा	छह मास	सहायक
9.	श्री एच० आर० अहिराज	—वही—	—वही—
10.	श्री के० एल० कत्याल	एक मास	—वही—

2. उपर्युक्त अधिकारियों की नियुक्ति अनुभाग अधिकारी (विशेष) के पद पर प्रतिनियुक्ति पर होगी और उनका वेतन समय समय पर परिशोधित वित्त मंत्रालय के का० ज्ञा० सं० एफ० 10 (24)-ई० III/60 दिनांक 4 मई 1961 में निहित शर्तों के अनुसार विनियमित होगा।

प्र० ना० मुखर्जी,
अवर सचिव,
कृते सचिव संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली 110011, दिनांक 9 सितम्बर 1975

सं० ए० 12025 (ii)/2/24-प्रशा०-III—मंत्रिमंडल सचिवालय (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) के का० ज्ञा० सं० 5/40/75-सी० एस० (i) दिनांक 29 मई 1975 द्वारा संघ लोक सेवा आयोग को उनका पुनः आवाटन हो जाने के कारण संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संबंध के स्थायी सहायक श्री ओ० पी० गुम्बर को राष्ट्रपति द्वारा 11 अगस्त, 1975 से आगामी आदेशों तक उक्त संबंध के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्ति दिया जाता है।

प्र० ना० मुखर्जी,
अवर सचिव,
प्रशासन प्रभारी
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 2 सितम्बर 1975

सं० ए० 32013/1/75-प्रशा०-I:—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संबंध के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री टी० एन० चन्ना ने, जिन्हें इस कार्यालय की अधिकारी सं० ए० 32013/1/75 प्रशा०-I दिनांक 11 अगस्त, 1975 द्वारा उक्त सेवा के ग्रेड-I तथा में अवर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्ति दिया था।

किया गया था 21 अगस्त, 1975 के अपराह्न से अवर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2. श्री टी० एन० चन्ना ने, अपने प्रत्यावर्तन पर, 21 अगस्त, 1975 के अपराह्न से अनुभाग अधिकारी, संघ लोक सेवा आयोग के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 11 सितम्बर, 1975

सं० ए० 32013/1/75-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संबंध के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री आर० आर० अहीर ने, जिन्हें इस कार्यालय की अधिकारी सं० ए० 32013/1/75 प्रशा०-I दिनांक 30 जून, 1975 द्वारा उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, 29 अगस्त, 1975 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अवर सचिव के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2. अपने प्रत्यावर्तन के बाद श्री आर० आर० अहीर ने 29 अगस्त, 1975 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

प्र० ना० मुखर्जी,
अवर सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

मंत्रिमंडल सचिवालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 11 सितम्बर, 1975

सं० ए० 19/65-प्रशा०-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा श्री एच० सी० पत्रो, अपराध सहायक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को दिनांक 11 जून 1975 (अपराह्न) से दिनांक 28 जुलाई 1975 (पूर्वाह्न) तक की अवधि के लिए स्थानापन्न कार्यालय अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

गुलजारी लाल अग्रवाल,
प्रशासनिक अधिकारी (स्था),
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1975

सं० 2/21/75-प्रशा०-5—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद्वारा श्री ब्रह्म दत्त, केन्द्रीय सतर्कता आयोग के स्थाई सहायक को 8 सितम्बर 1975 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक आयोग में स्थानापन्न रूप से अनुभाग अधिकारी नियुक्त करते हैं।

बी० वही० दिघे
अवर सचिव

कृते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

गृह मंत्रालय

भारत के पंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 11 सितम्बर 1975

सं० पी०/एस०(74)-एडी-I—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश असंनिक सेवा (कार्यकारी शाखा) के निम्नलिखित अधिकारियों को, उनके

समक्ष अंकित दिनांक से, अगले आदेश होने तक जनगणना कार्य उप-निदेशक के पद पर अस्थायी रूप से सहर्ष नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	नियुक्ति की तिथि	मुख्य कार्यालय
1.	श्री निनेश प्रकाश सक्सेना	28-8-1975	लखनऊ (पूर्वाह्न)
2.	श्री सर्वजीत सिंह	2-9-1975	लखनऊ (पूर्वाह्न)

सं० पी०/एस०(69)-ए० डी० १—राष्ट्रपति, श्री हृदय कुमार सिन्हा, बिहार असैनिक सेवा के अधिकारी, को दिनांक 19 अगस्त 1975 पूर्वाह्न से जनगणना कार्य उप-निदेशक, बिहार के पद पर, अगले आदेश होने तक, अस्थायी रूप से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री सिन्हा का मुख्य कार्यालय पटना में होगा।

ब्रह्म नाथ
भारत के उप-महापंजीकार और
पर्वत उप सचिव

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग
कार्यालय महालेखाकार, आनंद प्रदेश—।

हैदराबाद-500004, दिनांक 2 सितम्बर 1975

सं० ई०बी० १/८-३१२/७४-७६/२०८—महालेखाकार, आनंद प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री एस० रामन-II को महालेखाकार आनंद प्रदेश, हैदराबाद द्वारा वेतनमान रु० 840-40-1000-८०८०-४०-१२०० पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 30 दिसम्बर 1974 के पूर्वाह्न से जब तक आगे आदेश न दिए जाएं, नियुक्त (प्रोफार्मा) किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

सं० ई०बी० १/८-३१२/७४-७६/२१०—महालेखाकार, आनंद प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री ज० चन्द्रशेखरन को महालेखाकार, आनंद प्रदेश, हैदराबाद द्वारा वेतनमान रु० 840-40-1000-८०८०-४०-१२०० पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 15 दिसम्बर 1973 के पूर्वाह्न से जब आगे आदेश न दिए जाएं, नियुक्त (प्रोफार्मा) किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

आर० चन्द्रशेखरन
प्रवर उप-महालेखाकार (प्रशासन)
कार्यालय निदेशक, लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं
नई दिल्ली-110001, दिनांक 11 सितम्बर 1975

सं० ३२१७/ए०-प्रशासन/१३०/७५—निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री के० बी० रामचन्द्रन वर्तमान समय अन्डेमान निकोबार प्रशासन में प्रतिनियुक्ति को आगे आदेश जारी होने तक लेखा परीक्षा विभाग रक्षा सेवाएं में स्थानापन्न

लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में 24 मार्च 1975 से प्रपत्र पदोन्नत करते हैं।

गिरिजा ईश्वरन
प्रवर उप निदेशक, सूखा परीक्षा,
रक्षा सेवाएं

कार्यालय मुख्य लेखा परीक्षक, दक्षिण रेलवे
मद्रास-600003, दिनांक 11 सितम्बर 1975

सं० ए०-६४/सी०/XII/12109—दक्षिण रेलवे, मद्रास के लेखा परीक्षा अधिकारी श्री एस० रामनाथन का नाम 28 अगस्त 1975 को उनकी मृत्यु होने पर 29 अगस्त 1975 से पंजी से हटाया गया है।

के० पी० जोसफ
मुख्य लेखा परीक्षक

श्रम मंत्रालय

श्रम ब्यूरो

शिमला 171004-4, दिनांक : 11-10-75.

नम्बर 23/3/75—सी० पी० आई० :— अगस्त, 1975 में आद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य-सुचकांक (आधार वर्ष 1960=100) जुलाई, 1975 के स्तर से तीन अंक घट कर 321 (तीन सौ इक्कीस) रहा। अगस्त, 1975 माह का सुचकांक 1949 आधार वर्ष पर परिवर्तित किये जाने पर (तीन सौ नब्बे) आता है।

आनन्द स्वरूप भारद्वाज
कृत संयुक्त निदेशक

कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था

धनबाद, दिनांक 10 सितम्बर 1975

पत्रांक-प्र० 12(13) सामान्य/75—कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था के अन्तर्गत व्यायाम प्रशिक्षण अनुदेशक के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्ति के फलस्वरूप श्री बी० एम० तपस्वी ने दिनांक 6 अगस्त 1975 (पूर्वाह्न) से अपने पद का कार्यभार सम्भाल लिया है।

राजेश्वर प्रसाद सिन्हा
कोयला खान कल्याण आयुक्त,
धनबाद।

वाणिज्य मंत्रालय

वस्त्र आयुक्त कार्यालय

बम्बई-400020, दिनांक 4 सितम्बर 1975

सं० सी०ई०आर०/३/७५—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश 1948 के छंड 22 में प्रदत्त ग्रक्षियों का प्रयोग करते हुए मैं एकद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी०ई०आर०/३/६९, दिनांक 19 सितम्बर 1969 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूँ, अथवा :—
उक्त अधिसूचना में,—

(1) पैराग्राफ एक के खण्ड (2) की मध्य (ए) में “आर्ट सिल्क 60 प्रतिशत से कम न हो” इन शब्दों के बाद “लेकिन नीचे के पराग्राफ 4 के खण्ड (5) के अनुपालन में चिन्हांकन को छोड़कर” ये मान्य जोड़ दिए जाएंगे।

(2) पराग्राफ तीन का खण्ड (2) मिकाल दिया जाएगा।

(3) पैराग्राफ चार में खण्ड (4) के बाद निम्न और जोड़ दिया जाएगा, अर्थात् :—

“(5) “संमिश्र वस्त्र” ये शब्द उस वस्त्र पर जो अंशतः रुई से और अंशतः कृत्रिम रेशम से (आर्ट सिल्क) या अंशतः रुई से और अंशतः ऊन से निर्भित हो।

और विनिर्माता “संमिश्र वस्त्र” इन शब्दों के बाद वस्त्र में इस्तेमाल किए गए विभिन्न प्रकार के तंतुओं की वास्तविक प्रतिशत मात्रा की मोहर लगाएंगा, उदाहरणार्थ :—

“संमिश्र वस्त्र—60 प्रतिशत रुई 40 प्रतिशत पोलिएस्टर”

और यदि किसी तंतु की प्रतिशत मात्रा वस्त्र में लगे सभी तंतुओं की संपूर्ण मात्रा के 2 प्रतिशत से कम हो तो ऐसे तंतु की प्रतिशत मात्रा की मोहर लगाने की आवश्यकता नहीं।

टिप्पणी—उपर्युक्त उदाहरण केवल निर्देशन के लिए है। विनिर्माता रुई के अंश या आर्ट सिल्क ऊन के अंश की वास्तविक प्रतिशत मात्रा की मोहर लगाएंगा जो संमिश्र वस्त्र के ताने और बाने दोनों में इस्तेमाल किए गए तंतुओं की सम्पूर्ण मात्रा के भार के आधार पर, प्रतिशत के रूप में होगी। यदि आर्ट सिल्क का उपयोग संमिश्र वस्त्र के एक संघटक के रूप में किया गया हो तो उसके प्रजातिनाम, जैसे नाइलोन, पोलिएस्टर, एक्रिलिक, विस्कोज आदि जो भी हों, की मोहर उपर्युक्त उदाहरण के अनुसार लगाई जाएगी।”

राजन पाल कपूर
वस्त्र आयुक्त

[सं. सी एस. बी. 1/4/12 बी. 75 जिल्द चार]

इस्पात और खान मंत्रालय

(इस्पात विभाग)

लोहा और इस्पात नियंत्रण

कलकत्ता-700020, दिनांक 4 सितम्बर 1975

सं. ई. I-बी (75)/71—लोहा और इस्पात नियंत्रक, कलकत्ता के कार्यालय में लेखा अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ती की अवधि समाप्त होने पर श्री एस. सी. भट्टाचार्य को 1 अगस्त 1975 से 120 दिनों का अर्जित अवधिकाश स्वीकृत किया गया है।

2. अवधिकाश समाप्ति पर श्री एस. सी. भट्टाचार्य की सेवा अपने मूल कार्यालय अर्थात् आडिट व एकाउण्ट्स निदेशक 11 (Director of Audit & Accounts) डाक व तार, भण्डार, कर्मशाला और तार-पड़ताल को सुरुद कर दी गई होगी।

श्र. कु. बटजी
उप निदेशक (प्रशासन)

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700031, दिनांक 8 सितम्बर 1975

सं. 5948/बी०/2031(एसए)/19ए(खण्ड)II—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के आर्टिस्ट श्री शाजहां अली सरकारी सेवा से वार्द्धक्य निवर्तन पर 31 मई, 1975 (अपराह्न) से निवृत्त हो गए।

सं. 5953/बी०/2222 (आरसी)/19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूवैज्ञान) श्री राम चन्द्र को उसी विभाग में सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु के वेतनमान में, अस्थायी क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 19 मई 1975 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है।

बी० के० एस० वरदन,
महा निदेशक

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

नई दिल्ली, दिनांक सितम्बर, 1975

शुद्धि-पत्र

सं. 1/5/73-पुरा०—“मध्य” शब्द पूर्वी मंडल, पटना, बिहार, से पहले दिनांक 2 अगस्त 1975 की क्रम सं. 1, अधिसूचना सं. 1/5/75-पुरा० में और जोड़ा जाय।

एन० आर० बनर्जी,
निदेशक (पुरावशेष),
हृते महानिदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर, 1975

सं. 4(28)/75-एस० एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री कामाल्या राममूर्ति को 7 अगस्त, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, नई दिल्ली में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं. 6(109)/63-एस० एक—श्री बी० बाई० लोहकारै तदर्थे कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, नाशपुर की उसी केन्द्र पर प्रसारण निष्पादक के अराजपत्रित पद पर पदावनति होने के फलस्वरूप उन्होंने 1 जुलाई, 1975 के पूर्वाह्न में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

महाति लाल,
प्रशासन उपनिदेशक,
हृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 5 सितम्बर, 1975

सं० 16-39/74-स्टोर-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने उत्तरी सीमान्त रेलवे के प्रभागीय लखा परीक्षण अधिकारी श्री ए० एस० भट्टाचार्जी को 11 अगस्त, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक चिकित्सा सामग्री भंडार डिपो, गोहाटी, में लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 10 सितम्बर 1975

सं० 12-12/74-एस० 1—राष्ट्रपति ने सहायक डिपो मैनेजर श्री मंगत राम शर्मा को 21 अगस्त 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक चिकित्सा सामग्री भंडार डिपो, करनाल में डिपो मैनेजर के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

संगत सिंह,
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर, 1975

सं० 11-3/74-एडमिन-1—राष्ट्रपति ने केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रद के एक स्थायी अधिकारी श्री जी० पंचपकेशन को 2 अगस्त, 1975 के प्रभाग से 12 सितम्बर, 1975 तक, 41 दिनों की अवधि के लिए, श्री के० वेणुगोपाल के स्थान पर जो छुट्टी पर हैं, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड-1 में स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

2. राष्ट्रपति ने श्री जी० पंचपकेशन को उपर्युक्त अवधि के लिए इस निदेशालय में उप निदेशक (प्रशासन) के रूप में भी नियुक्त किया है।

दिनांक 11 सितम्बर, 1975

सं० 10-5/74-एडमिन-1—राष्ट्रपति ने श्री ए० के० धर को 6 नवम्बर 1972 से केन्द्रीय खाद्य प्रयोगशाला, कलकत्ता में वरिष्ठ विश्लेषक के स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

सूरज प्रकाश जिन्दल,
उप निदेशक प्रशासन

कृषि तथा सिचाई मंत्रालय

(कृषि विभाग)

विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर, 1975

सं० 2(7)/70-स्था० (1)—श्री भरत सिंह, अधीक्षक (कोटि द्वितीय) की विस्तार निदेशालय, कृषि तथा सिचाई मंत्रालय (कृषि विभाग) में 700-30-760-35-900 रुपये के वेतनमान में अधीक्षक (कोटि प्रथम) व्रेणी द्वितीय (राजपत्रित) (लिपिक वर्गीय) के पद पर तत्काल से 29 फरवरी, 1976 तक

या पद के नियमित रूप से भरे जाने में से जो भी पहले हो तक तदर्थ रूप से स्थानापन्न पदोन्नति कर दी गयी है।

निर्मल कुमार दत्त,
प्रशासन निदेशक

(ग्रामीण विकास विभाग)

विषयन एवं निरीक्षण निदेशालय
(प्रधान कार्यालय)

फरीदाबाद, दिनांक 12 सितम्बर, 2975

सं० फ० 4-6 (40)/75-प्र० -I—सभ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री सी० राधाकृष्णन को विषयन एवं निरीक्षण निदेशालय के अधीन मद्रास में दिनांक 23 जून 1975 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न आधार पर विषयन अधिकारी (वर्ग II) नियुक्त किया गया है।

एन० के० मुरलीधरराव,
कृषि विषयन सलाहकार

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर, 1975

सं० ए०-32013/2/74-ई० ए०—राष्ट्रपति ने मुख्यालय के श्री एस० वैकटस्वामी, निदेशक उपस्कर को 20 जून, 1973 से नागर विमानन विभाग के उपनिदेशक उपस्कर के पद पर स्थायी रूप में नियुक्त किया है।

सं० ए०-12034/4/75-ई० ए०—निवर्तन आयु प्राप्त करने पर मद्रास एपरपोर्ट मद्रास के वरिष्ठ विमानक्षेत्र अधिकारी, श्री एम० एस० आर० राव 31 अगस्त, 1975 की पूर्वाह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

महेन्द्र लाल हांडा,
सहायक निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा सीमा शुल्क समाहर्तालय

नागपुर 440 001, दिनांक 6 सितम्बर, 1975

सं० 16/75—इस समाहर्ता क्षेत्र के निम्नलिखित कार्यालय अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने प्रशासनिक अधिकारी/लेखा परीक्षक के पद पर नियुक्त होने पर, उनके नाम के आग दर्शायी गयी तिथि को प्रशासनिक अधिकारी/लेखा परीक्षक का वदभार संभाल लिया :—

क० अधिकारी का नाम	नियुक्ति का स्थान	पदभार संभालने की तिथि	
(1)	(2)	(3)	(4)
सर्वथ्री			
1. के० व्ही० मोतियानी	लेखा परीक्षक, ग्रन्तर्गत लेखा परीक्षक,	31-5-75	(अपराह्न)
	लेखा परीक्षक,		
	मुख्यालय, नागपुर		

2. जेठागीर गणेशगीर	प्रशासनिक अधिकारी के० उ० श० प्रभागीय कार्यालय, ग्वालियर	9-6-75 (पूर्वाह्नि)
3. डब्ल्यू०II ल० मनुरक्त लेखा परीक्षक, अंतर्गत लेखा परीक्षक, मुख्यालय, नागपुर	7-7-75 पूर्वाह्नि	
4. आर० के० संत	प्रशासनिक अधिकारी के० उ० श० प्रभागीय कार्यालय, भोपाल	5-7-75 पूर्वाह्नि
5. डी० ए० बापट	प्रशासनिक अधिकारी, के० उ० श० प्रभागीय कार्यालय, रतलाम	10-7-75 पूर्वाह्नि

**कार्यालय समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद शुल्क का कार्यालय
मध्य प्रदेश एवं विदर्भ नागपुर**

सं० 17/75:—इस समाहर्ताक्षेत्र के निम्नलिखित निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (प्र० श०) ने अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी-II के पद पर नियुक्त होने पर, उनके नाम के आगे दर्शायी गयी स्थिति को अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी-II का पदभार संभाल लिया।

क्र० अधिकारी का नाम नियुक्ति का स्थान पदभार संभालने सं०

सर्वथी		
1. एम० बी० पार्गे	अधीक्षक (निवारक) के०उ०श० प्रभागीय कार्यालय, अमरावती	26-5-75 पूर्वाह्नि
2. आर० बी० पंचे	वहृपदीय अधिकारी रेज III, गोदावरी	1-7-75 पूर्वाह्नि
3. डी० के० वेदी	अधीक्षक (निवारक) के०उ०श० प्रभागीय कार्यालय रतलाम,	28-6-75 पूर्वाह्नि
4. एस० आर० ओनमल- वार	अधीक्षक (तांत्रिकी) के०उ०श० प्रभागीय कार्यालय, रतलाम	2-7-75 पूर्वाह्नि
5. बी० आर० काणे	वहृपदीय अधिकारी रेज-II, सागर	5-7-75 पूर्वाह्नि
6. बी० सी० राय	अधीक्षक (आय०जी०) के०उ०श०, रायपुर	1-7-75 पूर्वाह्नि
7. जे० एन० अवस्थी	अधीक्षक (आय०जी०) के०उ०श०, अमरावती	1-7-75 पूर्वाह्नि
8. एस० के० तिवारी	अधीक्षक (तांत्रिकी) के०उ०श० प्रभागीय कार्यालय-II नागपुर	1-7-75 पूर्वाह्नि

र० ना० शुल्का,

समाहर्ता,

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क,
मध्य प्रदेश एवं विदर्भ नागपुर

इलाहाबाद, दिनांक 23 अगस्त, 1975

सं० 98/1975:—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय, मुख्यालय, इलाहाबाद में तैनात और इस कार्यालय के पृष्ठांकन संख्या दो (3) 30-स्था०/75, दिनांक 19 अप्रैल 75, के इस कार्यालय के पृष्ठांकन संख्या दो (3) 117-स्था०/75/27374-92, दिन 26 जुलाई 75 द्वारा जारी किये गये स्थापना श्रादेश संख्या 102/1975, दिनांक 19 अप्रैल 75, के इस कार्यालय के पृष्ठांकन संख्या दो (3) 117-स्था०/75/27374-92, दिन 26 जुलाई 75 द्वारा जारी किये गये स्थापना श्रादेश संख्या 201/1975 दिनांक 25 जुलाई 1975 द्वारा श्रादेश रूप में संगोष्ठन के अनुसार श्रादेश होने तक र० 650-30-740-35-810-द० र० 35-880-40-1000-द० ग००-40-1200 के वेतनमान में स्थानापन कार्यालय प्रशासन अधिकारी केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के रूप में नियुक्त श्री वृंश वहृपदीय श्रमी, स्थानान्तर कार्यालय अधीक्षक ने दिनांक 1 अगस्त 1975 को (दोपहर से पहले) श्री एच० सी० एस० प्रहलूदालिया, अधीक्षक थेरी दो को उनके उनके प्रतिरिक्त कार्यभार से मुक्त करने हुए, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय, वाराणसी में प्रशासन अधिकारी, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, वाराणसी के कार्यालय का कार्यभार प्रहण कर लिया।

सं० 99/1975:—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय, मुख्यालय, इलाहाबाद में स्थानापन निरीक्षक (चयनप्रेष्ठ) के पद पर होनात तथा इस कार्यालय के पृष्ठांकन संख्या दो (3) 2-स्था०/75/28088, दिनांक 31 जुलाई 1975 के द्वारा जारी किये गये स्थापना श्रादेश संख्या 212/1975 दिनांक 30 जुलाई 1975 के अनुसार श्रादेश होने तक के लिए र० 650-30-740-35-810-द० र० 35-880-40-1000-द० र० 35-880-40-1200 के वेतनमान में स्थानापन अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क थेरी दो के पद पर नियुक्त श्री आर० डब्ल्यू० शीलन, स्थानान्तर निरीक्षक (चयनप्रेष्ठ) से केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय, मुख्यालय, इलाहाबाद में दिनांक 1 अगस्त 75 को (दोपहर से पहले) अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क थेरी दो के कार्यालय का कार्यभार प्रहण कर लिया।

सं० 100/1975:—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय वाराणसी में तैनात तथा इस कार्यालय के पृष्ठांकन संख्या दो (3) 2-स्था०/75/28088, दिनांक 31 जुलाई 75 द्वारा जारी किये गये स्थापना श्रादेश संख्या 212/1975 दिनांक 30 जुलाई 1975 के अनुसार श्रादेश होने तक के लिए र० 650-30-740-35-810-द० र० 35-880-40-1000-द० र० 35-880-40-1200 के वेतनमान में स्थानान्तर अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क थेरी दो के पद पर नियुक्त श्री राम सुचित शुल्क, स्थायी निरीक्षक (चयनप्रेष्ठ), केन्द्रीय उत्पादन शुल्क ने केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय, मुख्यालय, इलाहाबाद में दिनांक 16 अगस्त 75 को (दोपहर के बाद) अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क थेरी दो के कार्यालय का कार्यभार प्रहण कर लिया।

दिनांक 29 अगस्त 1975

सं० 102/1975:—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय शहरारनपुर के अन्तर्गत देहरादून में तैनात और पृष्ठांकन संख्या दो (3) 2-स्था०/75 28088 दिनांक 31 जुलाई 1975

के अन्तर्गत जारी किये गये हम कार्यालय के स्थापना आदेश सं० 212/1975 दिनांक 30 जुलाई 1975 के अनुसार अगला आदेश होने तक के लिए रु० 650-30-740-35-810-ई० रो०-35-880-40-1000-ई० रो०-40-1200 के बेतन क्रम में अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी दो के पद पर स्थानापन रूप में नियुक्त श्री चन्द्र प्रकाश शर्मा, स्थायी निरीक्षक (चयन ग्रेड) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क ने दिनांक 19 अगस्त 75 को (दोपहर से पहले) श्री साहब-जादे खां अधीक्षक, श्रेणी दो को अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त करते हुए केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय, मुरादाबाद के अन्तर्गत संभल में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी दो के कार्यालय का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

एच० बी० दास.

समाहर्ता,

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, इलाहाबाद

कार्यालय, चन्डीगढ़

चन्डीगढ़, दिनांक 4 अगस्त 1975

(सिवंदी)

सं० 58. श्री के० एल० बजाज निरीक्षक (सलैक्शन ग्रेड) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय चन्डीगढ़ की नियुक्ति अधीक्षक श्रेणी-II, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के पद पर बेतन क्रम : रु० 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 पर अगले आदेश तक की गई है। उन्होंने अधीक्षक श्रेणी-II केन्द्रीय उत्पादन शुल्क पटियाला के पद का कार्यभार, दिनांक 16 जून 75 के पूर्वाह्न में ग्रहण कर लिया।

सं० 59.—श्री जे० एल० बतरा, निरीक्षक (सलैक्शन ग्रेड) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय चन्डीगढ़ की नियुक्ति अधीक्षक श्रेणी- , केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के पद पर बेतन क्रम; रु० 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 पर अगले आदेश तक की गई है और उन्होंने अधीक्षक श्रेणी-II केन्द्रीय उत्पादन शुल्क पानीपत के पद का कार्यभार, दिनांक 28 मई 75 के अपराह्न में ग्रहण कर लिया।

सं० 60.—श्री शार० एन० क्यानिया, निरीक्षक (सलैक्शन ग्रेड) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय चन्डीगढ़ को नियुक्ति अधीक्षक श्रेणी-II, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के पद पर बेतन क्रम; रु० 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 पर अगले आदेश तक को गई है, और उन्होंने अधीक्षक श्रेणी-II केन्द्रीय उत्पादन शुल्क वाटिंडा के पद का कार्यभार दिनांक 12 जून 75 के पूर्वाह्न में ग्रहण कर लिया है।

सं० 61.—श्री एस० एन० खना, निरीक्षक (सलैक्शन ग्रेड) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय चन्डीगढ़ की नियुक्ति अधीक्षक श्रेणी-II, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के पद पर बेतन क्रम रु० 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 पर अगले आदेश तक को गई है और उन्होंने अधीक्षक श्रेणी-II केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अम्बाला के पद का कार्यभार, दिनांक 2 अप्रैल 75 के पूर्वाह्न में ग्रहण कर लिया।

सं० 62.—श्री एस० भानुद्वाज, कार्यालय अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय नई दिल्ली की नियुक्ति उत्पादन शुल्क के प्रशासन अधिकारी के रूप में बेतन क्रम रु० 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 पर आदेश तक की गई है और उन्होंने केन्द्रीय उत्पादन शुल्क कार्यालय पटियाला में प्रशासन अधिकारी के पद का कार्यभार, दिनांक 24 जून 75 पूर्वाह्न में ग्रहण किया।

सं० 63.—श्री किरणल मिह, निरीक्षक (सलैक्शन ग्रेड) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय चंडीगढ़ की नियुक्ति अधीक्षक श्रेणी-II, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के पद के रूप में बेतन क्रम: रु० 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 पर अगले आदेश तक की गई है। और उन्होंने अधीक्षक श्रेणी-II केन्द्रीय उत्पादन शुल्क जालन्धर के पद का कार्यभार दिनांक 16 जून 75 के पूर्वाह्न में ग्रहण कर लिया।

सं० 64.—श्री प्रताप सिह, निरीक्षक (सलैक्शन ग्रेड) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय चंडीगढ़ की नियुक्ति अधीक्षक श्रेणी-II, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के पद पर, बेतन क्रम: रु० 650-30-740-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 पर अगले आदेश तक की गई है। और उन्होंने अधीक्षक श्रेणी-II केन्द्रीय उत्पादन शुल्क मोगा के पद का कार्यभार, दिनांक 21 मई 75 के पूर्वाह्न में ग्रहण कर लिया।

बी० के० सेठ,

समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, चन्डीगढ़

प्रमुख इंजीनियर कार्यालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1975

सं० 27-ई०/एस० (66)/75-ई० सी०-II:—श्री पी० एस० मेहतो, कार्यपालक इंजीनियर राजधानी परियोजना मण्डल-II, ईटानगर, अस्सान्न उपराजनपाल प्रदेश 24 अगस्त, 1975 को देहान्त हो गया।

पी० एस० पारवानी, प्रशासन उपनिदेशक

हृते प्रमुख इंजीनियर

मध्य रेल

बम्बई बी०टी, दिनांक 6 अगस्त, 1975

सं० एच० पी० बी०/220/जी०/आई० /ए०/सी०:—कु० एस० ढी० प्रसाद, अवर लेखा अधिकारी, जिनकी नियुक्ति, रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) की अधिसूचना सं० 70-ई० (जी० शार०)/1/10/3 दि० 18 मई 1971 के अनुसार भारतीय रेल लेखा सेवा में परिवेक्षक के रूप में हुई थी, को दि० 6 जुलाई 1972 से अवर लेखा अधिकारी के पद पर स्थायी किया गया है।

बी० ढी० मेहरा, महाप्रबन्धक

दक्षिण पूर्व रेलवे

कलकत्ता-700043, दिनांक 25 जुलाई 1975

सं० पी०/जी०/14/300/सी०:—श्री डॉ एल० एन० चेन्नूलु का पुष्टीकरण सहायक भण्डार-नियंत्रकों के रूप में (श्रेणी-II में) भण्डार-विभाग में 16 सितम्बर, 1972 से किया जा रहा है।

वी० रामनाथन्,
महाप्रबन्धक

कम्पनी कार्य विभाग

(कम्पनी ला बोर्ड)

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय
मद्रास-600006, दिनांक 8 सितम्बर, 1975

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कामधेनु ड्रिक्स एण्ड डिस्ट्रीब्युशन लिमिटेड के विषय में

सं० 6781/560(3)/754:—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर कामधेनु ड्रिक्स एण्ड डिस्ट्रीब्युशन लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और आर्स्टार्न रोलिंग मिल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास-600006, दिनांक 8 सितम्बर 1975

सं० 5917/560(3)/75:—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर आर्स्टार्न रोलिंग मिल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पश्चा वरघन एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास-600006, दिनांक 8 सितम्बर, 1975

सं० 5670/560(3)/75:—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर पश्चा वरघन एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री वैकटेश्वरा पत्प एण्ड बोर्ड मिल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास-600006, दिनांक 8 सितम्बर 1975

सं० 6173/560(3)/75:—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर श्री

वैकटेश्वरा पत्प एण्ड बोर्ड मिल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० श्रीनिवासन,
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार,
तमिलनाडु

कम्पनी अधिनियम, 1956 और वेताई एग्रिकल्चरल

फारम प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 11 सितम्बर 1975

सं० 22141/560(5):—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि वेताई एग्रिकल्चरल फारम प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और गिक्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 11 सितम्बर 1975

सं० 25084/560 (5):—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि गिक्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और छोटानागपुर एग्रिकल्चरल एण्ड फार्मिंग कं० प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 11 सितम्बर 1975

सं० 25276/560(5):—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि छोटानागपुर एग्रिकल्चरल एण्ड फार्मिंग कं० प्राइवेट लिमिटेड के नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और युकोबुड्स क्राफ्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 11 सितम्बर 1975

सं० 28541/560(5):—कम्पनी अधिनियम, 1956 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि युकोबुड्स क्राफ्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और डि० मन्डल कलियरीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 11 सितम्बर 1975

सं० 26643/560(5):—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी

जाती है कि डिं० मन्डल कलियरीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एस० सि० नाथ,
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार,
पश्चिम बंगाल

**कम्पनी अधिनियम 1956 और पेरिनाड इन्डस्ट्रीयल बैंक
लिमिटेड के विषय में**

कोचीन, दिनांक 11 सितम्बर 1975

सं० 1231/560 (4) लिकः—पेरिनाड इन्डस्ट्रीयल बैंक लिमिटेड (लिक्विडेशन में), जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय पेरिनाड इन्डस्ट्रीयल बैंक लिमिटेड में, का समापन किया जा रहा है।

और, यह अधोहस्ताक्षरित यह विस्वास करने का युक्तियुक्त हेतुक रखना है कि कोई समापक कार्य नहीं हो रहा है और यह कि स्टेटमेंट्स आफ अकाउन्टेन्ट्स समापक द्वारा दिये जाने के लिए अपेक्षित है, छह क्रमवर्ती भास के लिए नहीं दी गयी है।

अतः जब कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा (4) के उपधारा के अनुसरण में एतद्वारा सूचित किया जाता है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर पेरिनाड इन्डस्ट्रीयल बैंक लिमिटेड (लिक्विडेशन में) का नाम, यदि इसके प्रतिकूल हेतुक दर्शित नहीं किया जाता है तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी निधान कर दी जाएगी।

पि० एस० अनश्वर,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
केरल राज्य

आयकर आयुक्त का कार्यालय

हैदराबाद, दिनांक 26 अगस्त 1975

अधिसूचना/आयकर

सं० 404 [सा० प्र० सं० 2/75(न)]:—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 117 की उपधारा 2 में दी गयी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, आन्ध्र प्रदेश I, हैदराबाद ने निचे लिखे आयकर अधिकारीकों को स्थानापन्न आयकर अधिकारी, वर्ग-II के पद पर समय-मान ₹० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 में उनके नाम के सामने लिखी तारीखों से अगले आदेश तक नियुक्त किया है :—

में उनके नाम के सामने लिखी तारीख से अगले आदेश तक नियुक्त किया है :—

क्रमांक	उपर्युक्त का नाम	पदस्थापना	कार्यग्रहण तारीख
1.	श्री के० लक्ष्मीनारायण आयकर अधिकारी (मुख्य) (वि०आ०प०)	प्रायकर आयुक्त का कार्यालय, हैदराबाद।	25-6-75

2. वे नोट करें :

- (i) कि उनकी पदोन्नति विशुद्ध अस्थाई है;
- (ii) कि खाली जगहों की समीक्षा में यदि पाया गया कि यह पदोन्नति/नियुक्ति मौजूदा जगहों से ज्यादा है तो उनकी पदावनति होगी;
- (iii) कि भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग), नई दिल्ली की अधिसूचना सं० 63/एफ०-सं० 22/27/59/प्र०-VI, ता० 20-11-1963 के नियमानुसार वे दो साल परिवीक्षा में रहेंगे। यदि जरूरी समझा गया तो परिवीक्षा समय इससे अधिक बढ़ेगा। उपर्युक्त समय में सेवा निष्पादन असन्तोषप्रद होने पर उनकी पदावनति भी हो सकती है।

वे आयकर अधिकारी के पद पर उनके नाम के सामने लिखी तारीख और कार्यालय में पदस्थापित है।

सं० 405, [सा० प्र० सं० 2/75(न)]:—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 117 की उपधारा 2 में दी गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, आन्ध्र प्रदेश II, हैदराबाद ने निचे लिखे आयकर निरीक्षकों को स्थानापन्न आयकर अधिकारी, वर्ग-II के पद पर समय-मान ₹० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 में उनके नाम के सामने लिखी तारीखों से अगले आदेश तक नियुक्त किया है :—

क्रमांक	उपर्युक्त का नाम	पदस्थापना	कार्यग्रहण तारीख
1.	श्री राधाकृष्ण मूर्ति	आयकर अधिकारी एन० वार्ड, सर्किल-I, हैदराबाद।	26-2-75
2.	श्री पी० सिंगा राव	आयकर अधिकारी, बी०-वार्ड, मछली-पतनम।	28-4-75
3.	श्री पी० एस० एस० रामचन्द्रन	आयकर अधिकारी, जे०-वार्ड, सर्किल-I, हैदराबाद।	10-7-75
4.	श्री एन० जयकर	आयकर अधिकारी सी०-वार्ड, सर्किल-I, काकीनाडा।	19-8-75

2. वे नोट करें :—

- (i) कि उनकी पदोन्नति विशुद्ध अस्थाई है;
- (ii) कि खाली जगहों की समीक्षा में यदि पाया गया कि यह पदोन्नति/नियुक्ति मौजूदा जगहों से ज्यादा है तो उनकी पदावनति होगी;
- (iii) कि भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग), नई दिल्ली की अधिसूचना सं० 63/एफ०-सं० 22/27/ 59/प्र० VI, ता० 20-11-1963 के नियमानुसार वे दो साल परिवीक्षा में रहेंगे। यदि जरूरी समझा गया तो परिवीक्षा समय इससे अधिक बढ़ेगा। उपर्युक्त समय में सेवा निष्पादन असंतोषप्रद होने पर उनकी पदावनति भी हो सकती है।

वे आयकर अधिकारी के पदों पर प्रत्येक नाम के सामने लिखी तारीख और कार्यालय में पदस्थापित हैं।

के० रामा राव,
आयकर आयुक्त,
आन्ध्र प्रदेश-II,
हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 26 अगस्त, 1975

अधिसूचना/आयकर

सं० 406, [सा० प्र० सं० 2/75(न)]:—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 117 की उपधारा 2 में दी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, आन्ध्र प्रदेश-III, हैदराबाद ने निचे लिखे आयकर निरीक्षकों को स्थानापन्न आयकर अधिकारी, वर्ग-II के पद पर समय-मान ₹० 650-30-740-35-810-द० ₹०-35-880-40-1000-द० ₹०-40-

1200 में उनके नाम के सामने लिखी तारीखों से अगले आदेश तक नियुक्त किया है :—

क्रमांक	उन्नति का नाम	पदस्थापना	कार्यग्रहण तारीख
1.	श्री वेंकट शास्त्री	आयकर अधिकारी, श्री०-वा०ड, महबूबनगर।	19-6-1975
2.	श्री के० कृष्णराव	आयकर अधिकारी, श्री०-आ०ड, चित्तूर।	25-6-1975
3.	श्री वी० वी० रामन	आयकर अधिकारी, श्रो०-ए०स०ठी०, निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त का कार्यालय, नेल्लोर।	15-7-1975

2. वे नोट करें :—

- (i) कि उनकी पदोन्नति विशुद्ध अस्थाई है;
- (ii) कि खाली जगहों की समीक्षा में यदि पाया गया कि यह पदोन्नति/नियुक्ति मौजूदा जगहों से ज्यादा है तो उनकी पदावनति होगी;
- (iii) कि भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग), नई दिल्ली की अधिसूचना सं० 63/एफ०-सं० 22/27/ 59/प्र० VI, तारीख 20-11-1963 के नियमानुसार वे दो साल परिवीक्षा में रहेंगे। यदि जरूरी समझा गया तो परिवीक्षा समय इससे अधिक बढ़ेगा। उपर्युक्त समय में सेवा निष्पादन असंतोषप्रद होने पर उनकी पदावनति भी हो सकती है।

वे आयकर अधिकारी के पदों पर प्रत्येक नाम के सामने लिखी तारीख और कार्यालय में पदस्थापित हैं।

के० रामा राव,
आयकर आयुक्त,
आन्ध्र प्रदेश-III, हैदराबाद

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 16 सितम्बर 1975

Acq. File. No. 234/J.No. EG.549/75.

अतः, मुझे, B. V. Subbarao,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) को धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० 1-14/1-13, Vallabhai Street, Kakinada.

है जो काकीनाडा में स्थित है (और इसे उपावद्ध अनुसूची में भी पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Kakinada, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-1-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बनने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन मिम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. Shri C. Seshagirirao S/o C. B. Jagannadharao, Kakinada.
2. Shri, C. B. Jagannadharao S/o C. Seshagirirao.
3. Shri, C. N. Ramakrishnaraao S/o Seshagirirao, Kakinada.

(अन्तरक)

1. Shri, Nallam Subbarao S/o Narayana Rao, Kakinada.
2. Shri, Nallam Venkanna S/o Narayan, Kakinada.
3. Shri, Nallam Venkatareddy Kakinada.
4. Shri, Nallam Sreeramakrishnamurthy, Gollaprolu.
5. Shri, Nallam Govindarao, Gollaprolu.
6. Shri Bala Ramarao S/o Chinnavenkanna Gollaprolu.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त व्यक्ति, स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The Schedule property as per document No. 831 registered before the S.R.O., Kakinada.

B. V. Subbarao,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, KAKINADA

तारीख : 16-9-1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 16 सितम्बर, 1965

Acq. File. No. 233/J.No. EG.554/RCP/74-75.—

यहां: मुझे B. V. Subbarao.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, मह
विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं०
16-6-2 & 3 है जो

Addalavari Street, Ramachandrapuram

में स्थित है, (और इससे उपायद्वय अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय Ramachandrapuram
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 31-1-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्वा किसी भाय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और /या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायां
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृत :—

1. (1) Konala Atchutarami Reddy,
(2) Konala Panduranga Reddy, Visakhapatnam.

(अन्तरक)

2. (1) Vegulla Krishnarao S/o Ramarao.
(2) Vegulla Sreeramachandramurthy, Mamachandrapuram
E.G.Dt.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 35
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule properly as per document No. 208 of the
Sub-Registrar, Ramachandrapuram.

B. V. Subbarao,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 16-9-1975

भोहर :

प्रस्तुत ग्राही ० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 16 सितम्बर, 1975

Acq. File No. 235/J.No. Ong/2/75-76.

यतः, मुझे, B. V. Subbarao,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०

Agl. Lands of 6-67 cen हैं जो
situated in Mallavarapada village Panchayat.
में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध
अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी
के कार्यालय Ongole में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-4-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के विवर में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

ग्रन्त: ग्रन्त उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रन्ति:—

1. Chavali Yenadi S/o Yelamanda,
1. Mallavarapadu village, Ongole Taluk

(अन्तरक)

2. Chavali Ramulu S/o Ayyavarulu.
Bus Owner, Near Bustand, Ongole.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताभारी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The Schedule property as per document No. 437 of S.R.O.,
Ongole.

B. V. Subbarao,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 16-9-1975
मोहर :

प्र० रूप आई०टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 16 सितम्बर 1975

Acq. File. No. 237/J.No. VSP.217 to 220/75-76.—
यतः, मुझे, B. V. Subbarao,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी मूल्य

Block No. 39

Waltari ward, Near Ramakrishna Beach, Visakhapatnam-3,
में स्थित है (और इससे उपावन्न

अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विश्वासापटनम में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28-2-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात् :—

- (1) Pentakota Radhakrishna.
- (2) Pentakota Badri Visalashudu.
- (3) Pentakota Satyavathi.

(अन्तरक)

- 2. M/s Continental Construction (P) Ltd., Visakhapatnam.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as per document Nos. 568, 569, 648 and 649 of the Sub-Registrar, Visakhapatnam.

B. V. Subbarao,
सकाम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 16-9-1975

मोहर :

प्ररूप आई० डी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 16 सितम्बर, 1975

Acq. File. No. 238/J.No. 605/75-76

अतः, मुझे, B. V. Subbarao,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं०

33-1-3, 17th Ward, Main Road, Kakinada

है तथा जो Kakinada में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा
प्राधिकारी के कार्यालय, Kakinada में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-2-1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों प्रथान :—

1. (1) Chitturi Veera Venkata Bapi Raju, Kakinada.
(2) Chitturi Veerabhadra Swamy, Kakinada.
(3) Chitturi Laxmi Kantaro, Kakinada.

(अन्तरक)

2. Chitture Gukkuteswararao, Kakinada.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रमुख

The schedule property as per document Nos. 1443, 1444
and 1445 of the Sub-Registrar, Kakinada.

B. V. Subbarao,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, काकीनाडा

तारीख : 16-9-1975

मोहर :

प्रूप आईटीएनएस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 16 सितम्बर 1975

Acq. File. No. 236/J:No. VSP/221.—

यतः मुझे, B. V. Subbarao,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. 31-31-12 है जो

Saibada Street Dabagardens, Visakhapatnam
में स्थित है (और इससे उपावस्था अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Visakhapatnam में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-2-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतरण लिखित में वास्तविक से रूप कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती डारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

ग्रन्तः, अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. Pilla Ramarao, Principal, B. V. K., Junior College, Visakhapatnam-4.

(अन्तरक)

2. B. V. Ramanamurthy Head of the Department of Physics, Mrs. A.V.N. College, Visakhapatnam.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अशोहस्त्राक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The Schedule property as per document No. 591 of the S. R. O. Visakhapatnam.

B. V. Subbarao,
सकाम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, काकीनाडा

दिनांक : 16-9-1975

मोहर :

प्रख्य आई० टी० ए०० एस०

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-३ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2, दिल्ली-1

4/14ए०, आसफ अली रोड, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 20 सितम्बर 1975

निदेश सं० आई००सी०/एक्य०/11/871/75-76/3719
यत्, मुझे, चं० वि० गुप्ते,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
दृसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-३ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट न० एच०-12, ब्लाक न० 2, नार्थन सीटों
एक्सटेन्शन, रूप नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़
अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन 8-5-1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से व्यक्त नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने
के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने
में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-३ के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-३ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मेघ राज, सुपुत्र श्री मधुरा दास, निवासी गुजरावाला
टाउन, जी० टी० रोड, माडल टाउन के पिछे, दिल्ली (अन्तरक)
 2. श्री अरहन्त कुमार जैन, सुपुत्र श्री अमलोक चन्द्र जैन,
निवासी 4216, सदर बाजार, छिट्ठी गन्ज, दिल्ली-6 (अन्तरिती)
 3. अदोश्वर कुमार जैन (2) राम देवर सिंह, (3) एम०
के० जैन, निवासी 2/12, रूप नगर, दिल्ली (वह व्यक्ति जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्त्वम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ढाई मंजिला ब्लिंडिंग जोकि प्लाट की भूमि पर जिसका
क्षेत्रफल करीब 288. 11 वर्ग गज है और जोकि प्लाट न० एच०-
12, ब्लाक न० 2, नार्थन सीटों एक्सटेन्शन, रूप नगर, दिल्ली में
निम्न प्रकार से स्थित है:

पूर्व : सड़क 80'
पश्चिम : सड़क 15'
उत्तर : जायदाद न० 2/11
दक्षिण : सड़क 30'

चं० वि० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक 20 सितम्बर 1975

मोहर :

प्र० रूप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेज-2, दिल्ली-1
4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 20 सितम्बर 1975

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्य० 11/874/75-76/3719—
यतः, मुझे, च० वि० गुप्ते,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० ई०-25 का प्राधार भाग है, जो कमला नगर, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
30-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर आयुक्त (1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. अरविन्द कुमार, सुपुत्र श्री रवी प्रकाश, निवासी ई०-
25, कमला नगर, दिल्ली
(प्रन्तरक)

2. श्री श्रीम प्रकाश, सुपुत्र श्री सन्त लाल, निवासी ई०-25,
कमला नगर, दिल्ली
(अन्तरिती)

3. सर्वधी (1) भीखुराम (2) जिन्दू राम माजिया (3)
देवेन्द्र नाथ कुमार जैन (4) वि० कुमार जैन (5) श्याम सुन्दर
गोयल (6) सरदारी लाल (7) मखन लाल किशन चन्द (8)
किशन चन्द (9) डा० गोपालजी श्रीवास्तवा, सारे निवासी
25-ई कमला नगर, दिल्ली (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जेन के
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जेन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि छाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवृहस्ताश्री के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

3 ½ मंजिला बिलिंग का 1/2 भाग जिसका थेकफल 189
वर्ग गज है तथा जोकि ई०-25, कमला नगर, विल्ली में स्थित है।

च० वि० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन रेज-2, दिल्ली-1

दिनांक : 20 सितम्बर 1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आर्थिक, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1
4/14 ए, आसफ अली रोड़,

नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 20 सितम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एम्य० 11/872/75-76/
3719—यतः मुझे, चं० वि० गुप्ते

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० ई-52 (पहली मंजिल) है, जो कमला नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपांचल अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), (रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के आर्थिक, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-3-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कि गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं क्या गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्पति:—

1. श्री रजित सिंह, सुपुत्र श्री रतन सिंह, निवासी 3, क्रीसेन्ट रोड़, सीगापुर, इनके जनरल अटारनी सरदार दयाल सिंह, सुपुत्र श्री रतन सिंह, निवासी मकान नं० 6751, प्लाट नं० ई-52, कमला नगर, दिल्ली के द्वारा। (अन्तरक)

2. श्री नन्द लाल, सुपुत्र श्री पहलाज मल, मंगवानी, निवासी 129, मुख्य बजार, सब्जी मण्डी, दिल्ली। (अन्तरिती)

3. श्री भामन दास तौता राम, ई-52, कमला नगर, दिल्ली (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है),

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० ई-52 की पहली मंजिल जोकि प्लाट की भूमि पर जिसका क्षेत्रफल 254.6 वर्ग गज है तथा जोकि कमला नगर, दिल्ली में स्थित है तथा जिसमें दो कमरे दो न्यानी, एक रसोई, एक बाथ, एक डब्लू० सी० सभी फिटिंग तथा पिक्सचर के साथ है।

चं० वि० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली,
नई दिल्ली-१

दिनांक : 20 सितम्बर 1975
मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रेणी रेज 1/2, दिल्ली-1

4/14 ए० आयकर अली रोड, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 20 सितम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एस्य०/11/873/75-76/
3719—यतः, मुझे, चं० वि० गुप्ते,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार, मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० ई०-52 (निम्न मंजिल) है, जो कमला नगर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-4-75।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त रामात्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथातः—

1. श्री रजित सिंह, सुपुत्र श्री रतन सिंह, निवासी 3, किरौन्ट रोड, सीगापुर, इनके जनरल पावर आफ अटारनी सरदार दयाल सिंह, सुपुत्र श्री रतन सिंह, निवासी मकान नं० 6751, प्लाट नं० ई०-52, कमला नगर दिल्ली, के द्वारा (अन्तरक)

2. श्री परासराम सुपुत्र श्री पहलाज मल मंगवानी, निवासी 139, मैन बाजार, सब्जी मार्डी, दिल्ली (अन्तरिती)

3. श्री भामन दास तौता राम, ई०-52, कमला नगर, दिल्ली (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)। को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रेणी के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के श्रेणी के संबंध में कोई भी आश्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित व्यक्ति के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० ई०-52 को निम्न मंजिल जो कि प्लाट को भूमि पर जिसका क्षेत्रफल 2546 वर्ग गज है तथा जोकि कमला नगर, दिल्ली में स्थित है तथा जिसमें एक ड्राइंगकम-जाईरिंग कमरा, दो सोने के कमरे, एक बैसमेन्ट, एक रसोई, एक बाथ, एक लैट्री, एक गैरज तथा खुला कोट्याडि सभी पीक्चरस तथा फिटिंग्स के साथ है।

चं० वि० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रेणी रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 20 सितम्बर, 1975

मोहर :

प्रूप आई० ई० १० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1/2, दिल्ली-1

4/14-ए० आसक अली रोड़,
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 सितम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/ १/एस० आर० III/
जनवरी-11/601(32)/74-75—यतः, मुझे, चं० वि० गुप्ते,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० ई-328 है, जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
27-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती नन्द रानी, पत्नी श्री दिन दयाल (2) रजनी,
सुपुत्री श्री दिन दयाल (3) श्री अशोक, सुपुत्र श्री दिन दयाल कैकर,
निवासी सी०-155, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्रीमती शान्ति देवी, पत्नी श्री लष्मन दास (2)
श्री राजिन्द्र कुमार तथा (3) श्री रवि कुमार, सुपुत्र श्री लष्मन
दास, निवासी सी०-124, दयानन्द कालीनी, लाजपत नगर, नई
दिल्ली । (अन्तरिती)

3. श्री ई० डब्ल्य० लैपरसन, निवाले भाग का किराएदार
जायदाद नं० ई-328, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली (वह व्यक्ति
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित व्यक्ति के पास
निवित में किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त-
अधिनियम' के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लाट की भूमि जिसका औतफल 208 वर्ग गज है जिसका नं०
ई-328 है तथा जोकि ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में ढाई मंजिला
मकान के साथ बना हुआ है और जिसमें बिजली, पानी, फ्लश
फिटिंग तथा अन्य लकड़ी की फिटिंग तथा फिक्सचर है तथा
यह मकान निम्न प्रकार से घिरा हुआ है :—

पूर्व : सड़क

पश्चिम : सर्विस सड़क

उत्तर : मकान नं० ई-330

दक्षिण : मकान नं० ई-326

चं० वि० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 19 सितम्बर 1975

मोहर :

प्र० र० आई० टी० एन० एस०—--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आई० ए० सी० (अकुजिम) रेंज II कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० ए० मि० 27/आर०-II/कलकत्ता/75-76—
यतः मुझे, आर० वि० लालमोया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 77 है तथा जो डायमन्ड हारवर रोड में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार आफ
एश्यूरेन्स, कलकत्ता, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 20-1-1975।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री विजय कुमार गेशेया रथौर, 123, चितरंजन,
एवन्झू, कलकत्ता ।
(अन्तरक)

2. श्री रमेन्द्रा नाथ दास फ्लाट० सं० 3; 156 सि० आई०
टी० रोड, कलकत्ता-10
श्री श्री विश्वानाथ नन्दी-23, श्यामा प्रसाद मुखर्जी रोड, कलकत्ता
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितशब्द किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क
में यथा परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1 विधा, 3 कठा खेत्रफल का जर्मान के साथ, 'पुष्पाश्री' नाम
का सिनेमा घर (एक अंश तीन मंजीला और बाकी अंश चार मंजीला
जो सम्पत्ति सं० 77 डायमन्ड हारवर रोड, मौजा पूर्ववरिसा, थाना
बेहाला, कलकत्ता-8 में स्थित है।

आर० वि० लालमोया

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज -II

54, रफी अहमद किदवाई रोड,

कलकत्ता-16

तारीख : 16-9-1975

मोहर :

प्रलेप श्राई० टी० एन० एस०----

(1) श्री वि० ई० सिद्धवर्म चेट्टियार (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एस० पि० रामनाथन (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II 123 माउंट रोड मद्रास

मद्रास 600006, दिनांक 18 सितम्बर 1975

निर्देश सं० 3293/75-76—यतः मुझे, जी० वी० झावक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने वा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० टी० एस० सं० 5483 और 5484, पहला
स्ट्रीट मार्टिण्डपुरम पुदुकोट्टै (भूमि और मकान) में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा
अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० I, पुदुकोट्टै (डाकुमेण्ट
7/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 2-1-1975 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
रजिस्ट्रीकूत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे,
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अस्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में
सुविधा के लिए;

मतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

पुदुकोट्टै, मार्टिण्डपुरम, पहला स्ट्रीट में 8880 स्क्युयर फीट
की भूमि (मकान के साथ) जिसका टी० एस० सं० 5483
और 5484।

जी० वी० झावक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II
मद्रास

तारीख : 18-9-1975

मोहर :

प्रृष्ठा आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, 123 माउंट रोड, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 18 सितम्बर 1975

निर्देश सं० 2381/74-75—यतः मुझे, जी० वी० झाबक, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी ओर सं० 15/24ए०, रापति ले आउट, कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीपुरम (आकुमेण्ट सं० 169/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-1-1975, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारंग में 'उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री के० वी० रामकृष्णन (अन्तरक)

(2) श्रीमती एस० जोतिलक्ष्मि (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आन्द्रप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संरक्षण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बटूर, रापति ले आउट डोर सं० 15/24ए० में 12-60 सेन्ट की भूमि (मकान के साथ) जिसका टी० एस० सं० : 12/162/7 ।

जी० वी० झाबक,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II मद्रास

तारीख : 18-9-1975

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 सितम्बर 1975

निर्देश सं० 182/प्रकृष्टपूजीशन (गजियाबाद) 74-75/1337-

अतः मुझे, एफ० जे० बहादुर,

आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपर्युक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, गजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-1-1975,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
4—276GI/75

1. श्री अब्दुल सलाम पुत्र श्री नसरुद्दीन किसासी कल्लूगढ़ी डाकघासाना आर० एस० डासना भजरा व परगना डासना तह० गजियाबाद, जिला मेरठ, (अन्तरक)

2. श्री अशोक ग्रह निर्माण समिति लिमिटेड गजियाबाद द्वारा सेनेटरी श्री धर्मपाल पुत्र सेठ रामेश्वर दास निवासी 30, फैज बाजार, दस्तियागंज, दिल्ली, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्रचल सम्पत्ति जिसका क्षेत्रफल 6 बीघा, 5 बीसवा और 16 बीसबंसी और आधा भाग कच्चे घर का जो ग्राम डासना परगना डासना तह० गजियाबाद, जिला मेरठ में स्थित है, 49,000 रु० मूल्य में बेचा गया है।

एफ० जे० बहादुर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 5-9-1975

मोहर :

प्रेरूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 सितम्बर 1975

निदेश सं० 260 (अक्षयूजीशन/कानपुर/74-75/1338-
अतः, मुझे, एफ० जे० बहादुर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुमार है तथा जो अनुसूची के अनुसार
में स्थित है (प्रीत इससे उत्तरदाता अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
20-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यांत्रिक, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कर्तित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अस्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उप-
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. श्री गुरचरन लाल पुत्र श्री भूरे लाल सा० 128/284
ब्लाक 'के', किदवाई नगर कानपुर
(अन्तरक)

2. श्रीमती शान्ती देवी गुप्ता पत्नी श्री कालिका प्रसाद गुप्ता
सा० 23/12, पठकापर, कानपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णता
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृष्टाक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथम प्राविदों और पत्रों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रवल सम्पत्ति मकान नं० 133/एम/107, ब्लाक 'एम'
स्कीम नं० 2 किदवाई नगर कानपुर जो 70,000 रु० मूल्य
में बेचा गया है।

एफ० जे० बहादुर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 5-9-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 सितम्बर 1975

निदेश सं० 258/अक्षयजीशन/कानपुर/70-75/1339--
अतः, मुझे, एफ० जे० बहादुर,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनु-
सार स्थित है (और इनसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 4-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तर्स्कौ) और अन्तरिती(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और /या

(म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, भियान में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब
के अनुसार में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षियों अर्थातः—

1. (1) श्री देवी प्रसाद पुत्र श्री बलदेव सहाय, सा० 30/9
महेश्वरी मोहाल कानपुर (2) श्री कृष्ण गोपाल पुत्र देवी प्रसाद
निवासी 28/241 जनरलगंज, कानपुर बहैसियत खुर व बली
अपने नाबालिगान पुत्र व मुख्तार आम अपने भाई राम गोपाल
व शिव गोपाल
(अन्तरक)

2. (1) श्री श्याम सुन्दर, (2) श्री कृष्ण गोपाल और
(3) श्री जगदीश नारायण गुप्ता, पुत्र श्री बदल प्रसाद निवासी
धाटमपुर, जिला कानपुर।
(अन्तरिती)

3. लेबर वेलफेयर सेन्टर, जूही, कानपुर।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

अधल सम्पत्ति मकान न० 127/178, जूही कानपुर जो
700,000 ₹० मूल्य में बेचा गया है।

एफ० जे० बहादुर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 5-9-1975

मोहर :

प्रकृष्ट आई० ई० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 सितम्बर 1975

निर्देश सं० 268/प्रकृष्टीशन/कानपुर/74-75/1340—
प्रतः, मुझे, एफ० जे० बहादुर,
आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-1-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के क्षयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बनारसी लाल ओबराय पुत्र श्री रघुनाथ राय ओबराय नि० 51/4 ब्लाक न० 6, गोविन्द नगर, शहर कानपुर (अन्तरक)

2. श्रीमती (1) सतीश कुमारी धवन पत्नी श्री कुलदीप चन्द्र धवन व (2) श्रीमती राम सरनी धवन वा श्री राम सरन धवन सा० 126/47 ब्लाक य० गोविन्द नगर, कानपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्रन्ति सम्पत्ति न० 126/46, ब्लाक 'य०' गोविन्द नगर कानपुर जो 41,000 रु० मूल्य में देखी गई है।

एफ० जे० बहादुर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 5-9-1975
मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 सितम्बर 1975

निवेश सं० 185/प्रक्षेप्तीशन/देहरादून/74-75/1341—
अतः, मुझे, एफ० जे० बहादुर, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्
'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के
अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून,
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 25-1-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या घन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना
चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व के अनुसरण में
मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री उजागर सिंह बरार पुत्र स्व० श्री झण्डा सिंह
बरार सां० हरिद्वार रोड सिविल, देहरादून (अन्तरक)
- (2) श्रीमती प्रेम श्रीवास्तवा पत्नी डॉक्टर आर० पी०
श्रीवास्तवा निवासी 45 लोहार बाग, सीतापुर,
वर्तमान पता 57 रेस कोर्स, देहरादून, (अन्तरिती)
- (3) श्री राजेन्द्र कुमार ए० डी० एम० ई० देहरादून (वह
व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रेष्ट:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौर पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के प्रधायाय 20-क में यथापरि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति साथ में पक्का मकान नं० 7 हरिद्वार रोड,
सिविल, देहरादून, जो 40,000/- रु० मूल्य में बेचा गया है।

एफ० जे० बहादुर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 4-9-75.

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 सितम्बर 75

निदेश सं० 187/ अध्यक्षोदयन/देहरादून / 74-75/1342—

अतः, मुझे, एफ० जे० बहादुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती रुक्मिनी देवी पत्नी स्व० श्री मनोहर लाल जैन सा० 1 अर्जीत प्रसाद मार्ग, देहरादून (अन्तरक)

(2) श्रीमती रेशमा रानी जैन पत्नी श्री विनोद जैन उर्फ वी० जे० बिने और (2) श्री विनोद जैन उर्फ वी० जे० बिने पुत्र श्री धनपत राय जैन सा० 22-ए पुराना सर्वे रोड, देहरादून (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रदृश्य शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति रहाशी मकान मय दुकानात आदि जो नरदेव यास्ती मार्ग वेहरादून में स्थित है, 42,000/- रु० मूल्य में बेखा गया है।

एफ० जे० बहादुर
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 4-9-75

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 सितम्बर 1975

निदेश सं० 179/प्रक्षमजीषन/आगरा/74-75/1343—प्रतः
मुझे, एफ० जे० बहादुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है कथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय, आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

24-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह से प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री निहाल सिंह व दलीप सिंह पुत्रगण श्री रोशन लाल नि० दर्जी पाड़ा, नाई की मंडी, आगरा (अन्तरक)
2. (1) श्री प्रेम सिंह बालिंग व (2) महाराज सिंह व (3) ओम प्रकाश (4) प्रीतम सिंह और (5) राजेश नावालगा पुत्रगण श्री राम दयाल जी बविलायत श्रीमती भूरी देवी मदर खुद, निवासी टीला गज सिंह, हींग की मण्डी, आगरा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति नं० 31/282 रोशन भवन जो कलेकट्रेट रोड, आगरा में स्थित है, 40,000/- रु० मूल्य में बेचा गया है।

एफ० जे० बहादुर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 4-9-75

मोहर :-

प्रूल्प आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 18 सितम्बर 75

निवेश नं० 157/अर्थूजीसन/मेरठ/74-75/1344:— अतः,
मूझे, एफ० जै० बहादुर,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है श्रीर
जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार
में स्थित है (और इससे उपगवद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
31-1-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम',
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए
या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री सरदार आत्मा सिंह पुन्र वत्तन सिंह राम राज
तह० जन सठ जिला मुजफरनगर वर्तमान पता गाजिया-
बाद तह० खास जिला मेरठ (अन्तरक)
- (2) श्री सेठ किशन दास पुन्र श्री उत्तम चन्द निवासी 44/3
मानसरोवर, सिविल लाईन, मेरठ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के प्रध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति मय तीन मंजिला मकान नं० 213 वर्तमान
पता 44/3, मानसरोवर सिविल लाईन, मेरठ में स्थित है,
100,000/- रु० मूल्य में हस्ताक्षरित किया गया है।

एफ० जै० बहादुर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 18-9-75
मोहर :

प्र० श्राई० टी० एन० एस०————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 4 सितम्बर 1975

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-654(221)/1-1/75-76.—

यतः मुझे, जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वेन० 116 तथा 157, ए प्रा० पी० नं० 286/1-बी, सब प्लाट नं० 4, टी० पी० एस० नं०-20 है, जो कोचरब, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-1-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

5—276 GI/75

(1) श्री चन्द्रबदन रमण लाल पटेल, कोचरब एल्सिंजी' अहमदाबाद.
(अन्तरक)

(2) मन्त्रणा को-ओपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड एल० डी० इन्जीनियरिंग कोलेज के पीछे गुलबार्ड टेकरा, अहमदाबाद के हेतु तथा उसकी ओर से

(1) चेयरमेन:—श्री आनंद प्रकाश कृष्ण चन्द भारगव सी-45, बीना फ्लैट्स, सरदार-पटेल नगर रोड, एल्सिंजी अहमदाबाद।

(2) सेक्रेटरी:—श्री राजेन्द्र नाथ सेहगल, 37, अर्पण सोसायटी, जेनियर्स स्कूल रोड, नवरंगपुरा, अहमदाबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयीय शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुसी जमीन वाला प्लाट जिसका क्षेत्रफल 400 वर्ग गज है और जिसका सर्वेन० 116 तथा 157, एफ० पी० नं० 286/1-बी, सब प्लाट, नं० 4, टी० पी० एस० नं० 20, है और जो कोचरब, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया,
सभेम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 4-9-75
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 सितम्बर 1975

निकेश सं० ए० सी० क्य० -23-1-655 (222)/1-1/75-
76:— यतः मुझे, जे० कथृत्या
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है और

जिसकी सं० सर्वे नं० 116 तथा 157 एफ० पी० नं० 286/1-
बी, सब फ्लाट नं० 5 तथा 6 का आधा भाग, और टी० पी० स्कीम
नं० 20 है, जो कोचरब, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 10-1-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के
लिए; और/या
- (ख) ऐसो किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारी। आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, तिनके में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियमकी उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित
व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री रमेशचन्द्र दावल भाई पटेल, कोचरब, एलिसब्रिज,
अहमदाबाद (अन्तरक)

(2) मन्त्रणा को-ओपरिटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड
एल० डी० इन्जीनियरिंग कालेज के पीछे, गुलवाई
टेक्नो, अहमदाबाद (अन्तरिती)

(1) चेयरमैन:—श्री आनन्द प्रकाश कृष्ण चन्द भारगव,
सी०-1 बीना फ्लट्स सरदार पटेल नगर रोड,
एलिसब्रिज, अहमदाबाद,

(2) सेक्रेटरी:—श्री राजेन्द्रनाथ गोरीनाथ सेहगल, 37,
प्रवेण सोसायटी, जेवियरस स्कूल रोड, नवरंग
पुरा, अहमदाबाद

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया पूर्ण करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-
नियम', के अध्याय 20-क में प्रयोगरिप्राप्ति हैं,
वही अर्थ होगा, जो उम्य अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला फ्लाट जिसका क्षेत्रफल 400 वर्ग
गज है और जिसका सर्वे नं० 116 तथा 157 एफ० पी० नं०
286/1-बी०, सब फ्लाट नं० 5-तथा 6, का आधा भाग, टी० पी०
स्कीम नं० 20, है और जो कोचरब अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथृत्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 4-9-75.

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 4 सितम्बर 1975

निदेश सं० ए० सी० क्यू 23-I-656 (223)/1-1/75-76/-
यतः मुझे, जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-ह० से अधिक है और
जिसकी सं० सर्वे नं० 116 तथा 157, एफ० पी० नं० 286/1-
बी० सब प्लाट नं० 2, टी० पी० एस० नं० 20, है, जो कोचरब,
अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, 8-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

ग्रन्तः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा-269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

- (1) श्रीमती सविताबेन रमणलाल, पटेल, कोचरब,
एलिसब्रिज, अहमदाबाद (अन्तरक)
- (2) मन्नणा को-श्रीपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड
एल० डी० इन्जीनियरिंग कालेज के पीछे, गुलबाई
टेकरा, अहमदाबाद (अन्तरिती)
- (1) चेयरमैन:—श्री आनन्द प्रकाश कृष्ण चन्द्र भारगव,
सी०-15 बीना फ्लैट्स सरदार पटेल नगर रोड,
एलिसब्रिज अहमदाबाद।
- (2) सेक्टरी:—श्री राजेन्द्र नाथ गौरीनाथ सहगल 37,
प्रण॑ सोसायटी, जेवियरस स्कूल रोड; नवरंग पुरा
अहमदाबाद।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षिता अधीक्षिता के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 के यथा परिभासित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

एक खुली जमीन बाला प्लाट जिसका क्षेत्रफल 400 वर्गगज
है और जिसका सर्वे नं० 116 तथा 157, एफ० पी० नं० 286/1-
बी०, सब प्लाट नं० 2, टी० पी० एस० नं० 20 है और जो कोचरब
अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 4-9-75
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, कलकत्ता
कलकत्ता, दिनांक 15 सितम्बर 1975

निदेश सं० 280/एक रे-III/75-76/कलकत्ता:— यह:
मुझे, एल० के० बालसुब्रमनियन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है और

जिसकी सं० फ्लैट 1 ए एक तल्लापर है तथा जो 1 डि मन्डेभिला
गार्डेन्स, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय,
सियालदह, 24 परगणा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-1-1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्पष्ट
से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वादत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अम या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या छन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
(उपधारा 1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मैसर्स जेयर एण्ड को० 12 बि, नेताजी सुभाष रोड,
कलकत्ता
(अन्तरक)

(2) श्रीमती कल्याणी सेन 1 डि, मन्डेभिला गार्डेन्स,
कलकत्ता
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 1 ए एक तल्लापर अन्याय ज्येन्ट अधिकार और
सुविधादि साथ 13/207 हिस्सा जमिन का जो पौर सं० 1 डि,
मन्डेभिला गार्डेन्स, कलकत्ता पर अब स्थित और जो सब-रजिस्ट्रार,
सियालदह, 24 परगणा द्वारा रजिस्ट्रीकृत दस्तावेज सं० 19/1975
का अनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमनियन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, 54, रफीअहमद
किदवाई रोड,
कलकत्ता-16.

तारीख : 15-9-1975
मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 सितम्बर 1975

निवेद सं० 281 /एकु रे-III/75-76/कलकत्ता:—अतः
मुझे, एल० के० बालसुब्रमनियम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट 2 ए, दो तल्लापर है तथा जो 1 डि, मन्डेभिला गार्डन्स, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सियालदह, 24 परगणा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) मैसर्स जेयर एण्ड को० 12 बि० नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता । (अन्तरक)

(2) श्रीमती श्रीलता खास्तगीर 1 डि, मन्डेभिला गार्डन्स, कलकत्ता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 2 ए, दो तल्लापर अन्यान्य जेन्ट अधिकार और सुविधादि साथ 13/207 हिस्सा जमीन का जो पौर सं० 1 डि, मन्डेभिला गार्डन्स, कलकत्ता पर अबस्थित और जो सब-रजिस्ट्रार सियालदह, 24 परगणा द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल सं० 20/1975 का अनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमनियन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III 54, रफीअहमद
किदवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 15-9-75

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेजIII, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 सितम्बर 1975

निकेश सं० 282/ए कु रे III /75-76 /कल० :— असः
मुझे, एल० के० बालसुद्धमनियन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट 3ए, तिन तलापर है तथा जो 1 डि, मन्डेभिला गार्डन्स कलकत्ता, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है

और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से [अधिक] है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के विवित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मैसर्स जेयर एण्ड को० 12 बि० रेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता (अन्तरक)
- (2) श्रीमती मानसी बोस 1 डि, मन्डेभिला गार्डन्स, कलकत्ता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रब्लेमरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 3 ए, तीन तलापर अन्यान्य जयेन्ट अधिकार और सुविधादि साथ 13/207 हिस्सा जमिन का जो पौर सं० 1 डि० मन्डेभिला गार्डन्स कलकत्ता पर अबस्थित है और जो सब-रजिस्ट्रार, सियालदह, 24 परगणा द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल सं० 21/1975 का अनुसार है।

एल० के० बालसुद्धमनियन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-III
54, रफीग्रहमद किंवार्ड रोड, कलकत्ता-16.

तारीख : 15-9-1975
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 सितम्बर 1975

निदेश सं० 283/एकु रे III/75-76 /कलकत्ता:— अतः
मुझे, एल० के० बालसुब्रमनियन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
जिसकी सं० प्लैट 4 ए, चर तल्लापर है तथा जो 1 डि, मन्डेभिला
गार्डन्स, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कांथा-
लय, सियालदह, 24 परगणा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-1-1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत ‘उक्त अधिनियम’, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या ‘उक्त अधिनियम’ या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब ‘उक्त अधिनियम’ की धारा 269-ग के
अनुसरण में, ‘उक्त अधिनियम’, की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मैसर्स जेयर एण्ड को० 12 बि, नेताजी सुभाष ने
कलकत्ता
(अन्तरक)

(2) अतिन्द्र नाथ सी 1 डि, मन्डेभिला गार्डन्स कलकत्ता
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ‘उक्त
अधिनियम’ के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लैट सं० 4 ए, चार तल्लापर अन्यान्य जयेन्ट अधिकार
और सुविधादि साथ 13/207 हिस्सा जमीन जो पौर सं० 1 डि०
मन्डेभिला गार्डन्स, कलकत्ता पर अवस्थित है और जो सब रजिस्ट्रार,
सियालदह, 24 परगणा द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल सं० 22/1975
का अनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमनियन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III,
54, रफीशहमद किंदवाई रोड, कलकत्ता-16.

तारीख : 15-९-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 15 सितम्बर 1975

निर्देश सं० 284/एक्य० रें०-III/75-76/कल०—यतः मुझे, एल० के० बालसुब्रमनियन्,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट 5ए, पांच तलापर है तथा जो 1 डि, मन्डेभिला गार्डन्स, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सियालदह, 24 परगणा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-1-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत व 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) मैसर्स जेयर एण्ड को०, 12 बी०, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता
(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रमिला पात्र 1 डी०, मन्डेभिला गार्डन्स, कलकत्ता
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में फोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त 'अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 5ए, पांच तलापर अन्यान्य जयेन्ट प्राधिकार और सुविधादि साथ 13/207 द्विस्सा जमीन का जो पौर सं० 1 डी, मन्डेभिला गार्डन्स, कलकत्ता पर अब स्थित और जो सब-रजिस्ट्रार, सियालदह, 24 परगणा द्वारा रजिस्ट्रीकृत वलिल सं० 23/1975 के अनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमनियन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III

54, रफी अहमद किदवाई रोड,

कलकत्ता-16.

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 15-9-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III कलकत्ता

कलकत्ता-16 विनांक 15 सितम्बर 1975

निर्देश सं० 285 /फृग० रे०-III 75-76 /कल० :—यतः
मुझे, एस० के० बालसुब्रमनियम्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है जिसकी सं० फ्लेट 5ए, छठ तल्लापर है तथा जो 1 डि, मन्डेविला गार्डन्स, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, सियालदह, 24 परगणा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-1-1975 को

को पूर्तोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्तोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के वर्द्धक प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिसी (अन्तरितियों) के भीष ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ज) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा

(1) अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—
6-276GL/75

- (1) मैसर्स जेयर एण्ड को० 12 बी०, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता (अन्तरक)
- (2) श्रीमती मोहिनी राय, 1 डी, मन्डेविला गार्डन्स, कलकत्ता (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अविक्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित यद्युक्ति किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, [जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रामित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट सं० 6 ए, छठ तल्लापर अन्यान्य जेयेन्ट अधिकार और सुविधादि साथ 13/207 हिस्सा जमीन का पौर सं० 1 बी, मन्डेविला गार्डन्स, कलकत्ता पर अब स्थित और जो सब-रेजिस्ट्रार सियालदह, 24 परगणा द्वारा रेजिस्ट्रीकृत दलिल सं० 24/1975 के अनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमनियम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III
54, रफी अहमद किदवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 15-9-75
मोहर:

प्रकृष्ट आई० ई० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता,-16 दिनांक 15 सितम्बर 1975

निर्देश सं० 286/एस्य० रे०-III/75-76 /कल०—यतः,
मुझे, एल० के० बालसुब्रमनियन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है),
की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
जिसकी सं० प्लेट सं० 7ए, सात तल्लापर है तथा जो 1 डी,
मन्डेविला गार्डेन्स कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावर
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, सियालदह, 24 परगणा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-1-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्त-
रण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवक्षियों द्वारा,—

- (1) मैसर्से जेयर एण्ड को०, 12 बी०, नेताजी सुभाष
रोड, कलकत्ता
(अन्तरक)
(2) श्रीमती एस० एन० सेन, 1 डी, मन्डेविला गार्डेन्स,
कलकत्ता
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
या है।

बन्धुसूची

प्लेट सं० 7 ए, सात तल्लापर अन्यान्य ज्येन्ट अधिकार
और सुविधादि साथ 13/207 हिस्सा जमीन का जो पौर सं०
1 डी० मन्डेविला गार्डेन्स, कलकत्ता पर अब स्थित और जो
सब-रेजिस्ट्रार, सियालदह, 24 परगणा द्वारा रेजिस्ट्रीकूट दलिल
सं० 25/ द९७५ के अनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमनियन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III

54, रफी महमद किदवाई रोड,

कलकत्ता-16

तारीख: 15-9-1975

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 15-9-1975

निदेश सं० ८२८७/एकुरे-III/७५-७६/कलकत्ता:— अतः
मुझे, एल० के० बालसुब्रमनियन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/-००
से अधिक है

और जिसकी प्लाट सं० रबि दो तल्लापर है तथा जो १, डि
म्डेला गाडिनस, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रशिस्ट्रीवर्ता अधिकारी के
कार्यालय, सिमालदह, २४ परगणा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
१९०८ (१९०८ का १६) के अधीन, तारीख ६-१-१९७५
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,
उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स जेयर एण्ड को० १२ बी, नेताजी सुभाष रोड,
कलकत्ता
(अन्तरक)

(2) श्रीमती (1) सचीन्द्र चन्द्र चक्रवर्ती (2) गीतारामी
चक्रवर्ती, १ डि, मन्डेमिला गाडिनस, कलकत्ता
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तत्संबंधी अक्षियों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अक्षियों में से किसी अक्षि द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबढ़ किसी अन्य अक्षि द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय २०-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट सं० २ बी, दो तल्लापर अन्यान्य जोयेन्ट अधिकार
और सुविधादि साथ १०/२०७ हिस्सा जमीन जो पौर सं० १ डी,
मन्डेविला गाडिनस, कलकत्ता पर अब स्थित और जो साथ ई-
रेजिस्ट्रार सियालदह २४ परगणा द्वारा रजिस्ट्रीकूट दिनांक
सं० २६/१९७५ के अनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमनियन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III
५४, रफी अहमद किदवाई रोड,
कलकत्ता-१६

तारीख: १५-९-१९७५
मोहर :

प्राप्तप० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 15 सितम्बर 1975

निवेश सं० 288/एकुरे-III/75-76/कल—

अतः मुझे एल० के० बालसुब्रमनियन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट सं० पूर्वि पांच तल्लापर है तथा जो
1 डी० मन्डेमिला गोडिनस कलकत्ता में स्थित है और इसके
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, सियालदह, 24 परगणा में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
6-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत के अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करदेने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प की उपस्थाता
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. मेसर्स जेयर० एण्ड को० 12 बी० नेताजी सुभाष
रोड, कलकत्ता।

(अन्तरक)

2. श्रीमती नमिता भट्टाचार्य 1 डी०, मन्डेमिला गार्डेन्स,
कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट सं० पूनि, पांच तल्लापर अन्यान्य जयेन्ट अधिकारी
और सुविधादि साथ 10/207 हिस्सा जमिनका जो पौर सं०
1 डी०, मन्डेमिला गार्डेन्स, कलकत्ता पर अवस्थित और जो
सब-रेजिस्ट्रार, सियालदह, 24 परगणा द्वारा रेजिस्ट्रीकृत
दलिल सं० 27/1975 का अनुसार है।

एल० के० बालसुब्रामनियन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कलकत्ता-16

तारीख: 15-9-1975

मोहर:

प्रलूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 15 सितम्बर 1975

निर्देश सं० 289/एकुरे-III/74-75/कलकत्ता

अतः मुझे एल० के० बालसुब्रमनियन,

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट सं० 6 बी० छय तल्लापर है तथा जो 1 डी० मन्डेमिला गार्डेन्स, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सियालदह, 24 परगणा में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स जेथुर एण्ड को० 12 बि०, नेताजी सुघारा रोड, कलकत्ता।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सान्तना भट्टाचार्य 1 डी० मन्डेमिला गार्डेन्स, कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समांधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट सं० 6 बी०, छय तल्लापर, अन्यान्य जयेन्ट अधिकार और सुविधादी साथ 10/207 हिस्सा जमिन का जो पौर सं० 1 डी०, मन्डेमिला गार्डेन्स, कलकत्ता पर अब स्थित और जो जो सब-रेजिस्ट्रार, सियालदह, 24 परगणा द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल सं० 28/1975 का अनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमनियन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III

54, रफी अहमद किंदवाई रोड,

कलकत्ता-16

तारीख : 15-9-75

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, 54, रफी अहमद किल्डवाई रोड, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 15 सितम्बर 1975

निर्देश सं० 290/एक्यु० रे० /75-76/कल०-III—
यतः, मुझे, एल० के० बालसुब्रमनियन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है।

और जिसकी सं० फ्लेट सं० 3 बी, तिन तल्लापर है तथा जो 1 डिं० मन्डेभिला गार्डन्स, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय सियालदह, 24 परगणा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-1-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मेसर्सं जेयर एण्ड को०, 12 बी, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता। (प्रत्तरक)

(2) श्रीमती सुभ सरकार, 1 डी, मन्डेभिला गार्डन्स, कलकत्ता। (प्रत्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट सं० 3 बी, तीन तल्लापर अन्यान्य जयेन्ट अधिकार और सुविधादि साथ 10/207 हिस्सा जमीन का जो पौर सं० 1 डी, मन्डेभिला गार्डन्स, कलकत्ता पर अव स्थित और जो सब-रेजिस्ट्रार, सियालदह, 24 परगणा द्वारा रजिस्ट्री-कृत दलिल सं० 29/1975 के अनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमनियन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III
54, रफी अहमद किल्डवाई रोड
कलकत्ता-16

तारीख: 15-9-75

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 सितम्बर 1975

निर्देश सं० 291/एक्यु०र० III /75-76/कल—

यतः मुझे, एल० के० बालसुद्धमनियम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्रधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
जो जिसकी सं० 7 बि० सात तल्लापर है तथा जो
1 डि० मन्डेभिला गार्डेन्स, कलकत्ता में स्थित है (और इससे
उपावश्यक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा
प्रधिकारी के कार्यालय, सियालदह, 24 परगणा में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
6-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्सैं जेयर एण्ड को०, 12 बी० नेताजी सुभाष
रोड, कलकत्ता।
(अन्तरक)

2. श्री प्रंशु प्रकाश भट्टाचार्य, 1 डी० मन्डेभिला गार्डेन्स,
कलकत्ता।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिनी रकता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 के
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट सं० 7 बी०, सात तल्लापर अन्यान्य जेन्ट अधि-
कार और सुविधादि साथ 10/207 हिस्सा जमीन का जो पौर
सं० 1 डी०, मन्डेभिला गार्डेन्स, कलकत्ता पर अब स्थित और
जो सब-रेजिस्ट्रार, सियालदह, 24 परगणा द्वारा रेजिस्ट्रीकृत
दालिल सं० 30/1975 के अनुसार है।

एल० के० बालसुद्धमनियम
सक्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III

54, रफी अहमद किदवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख: 15-9-1975

ओहर:

प्रारूप ० अई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 15 सितम्बर 1975

निर्देश सं० 292/एक्युरे०-II /75-76/कल०—

यतः, मझे, एल० के० बालसुब्रमनियम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट 4 बी, चार तलापर है तथा जो 1
डी मन्डेभिला गार्डेन्स, कलकत्ता में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा
अधिकारी के कार्यालय, सियालदह, 24 परगणा में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
6-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) मैसर्स जेयर एण्ड को० 12बी, नेताजी सुभाष
रोड, कलकत्ता
(अन्तरक)

(2) श्री सुनील चन्द्र चटार्जी और अचला चटार्जी 1 डी,
मन्डेभिला गार्डेन्स, कलकत्ता । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट सं० 4 बी, चार तलापर अन्यान्य जेन्ट अधिकार
और सुविधादि साथ 10/207 हिस्सा जमीन का जो पौर सं० 1
डी, मन्डेभिला गार्डेन्स, कलकत्ता पर अब स्थित और जो सब-
रेजिस्ट्रार, सियालदह, 24 परगणा द्वारा रेजिस्ट्रीकृत दलिल
सं० 31/1975 के अनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमनियम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख: 15-9-1975

मोहर:

54, रफी अहमद किंदवाई रोड,

कलकत्ता-16

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

प्रृष्ठा प्राई ०८०१०९०५०५०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 सितम्बर 1975

सं० आर० ए० सी० 119/75-76

यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा, 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है जिसकी सं० ए/२ एफ३ पूनम अपार्टमेन्ट 5.8.512 to 517 चिरागली हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-1-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथातः:—

7-276 GI/75

1. मैंसर्स एसोसिएटीड रियल एस्टेट एजेंटस जिसका भांगस्त पुष्पालता गुप्ता (रत्न साल की पत्नी) द्वारा जी० पी० ए०, C/o ताताराम सागर लाल एण्ड सन्स आबीद रोड हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. डा० वी० पी० चन्द्राशेकर, वी० पी० परमासिम 2-1-74/ए०, बल्ला कुट्टा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'आयकर अधिनियम', 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पूरी 1.8904% शेर जो फ्लेट नं० ए० 2 एफ० 3 दूसरी मंजिल, पूनम अपार्टमेन्ट्स, ए० नं० 5-8-512 से 517 चिरागली लेन हैदराबाद में स्थित है जिसका क्षेत्र 120 वर्ग गज है।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III हैदराबाद

तारीख: 17-9-1975

मोहर :

प्रूप आई० टी० ०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 22 सितम्बर 1975

सं० आर० ए० सी० 124/75-76—यतः, मुझे, के० एस०
वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या 23/6-17 शालीबंडा है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1808 का 16) के अधीन 19-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) राजा प्रेम गोपाल सौन्दर, फलायटनं० 23, मध्यरक्कुंज, सरदार पटेल रोड, सिकन्द्राबाद। (अन्तरक)

(2) राजा रतन गोपाल सौन्दर खास बाग, शाली बांडा, हैदराबाद।

(1) श्री सूरज भान, श्रीमती भागवती बाई, नरसिंग और म्यादरनिटी होम ट्रस्ट, (2) मदन सोहन पुन्न दीन दयाल (3) गनेश प्रसाद तथा अन्य लोग 21-7-134, गुलजार हाऊस, हैदराबाद। (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

निचला मंजले पर धर तथा जमीन जो शास्त्रानुशासन, नाम से जिसका नं० 23-6-17, शाली बंडा, हैदराबाद में स्थित है निजिसका क्षेत्रफल 1628 वर्ग गज है।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 22-9-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 22 सितम्बर 1975

सं० आर० ए० सी०-122/75-76—यतः, मुझे, को० एस० वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्पष्ट से अधिक है और जिसकी सं० 258/1 और 260 गड़ी अन्नाराम मोजा है जो सरू नगर पंचायत में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री पी० बाल नरमिहा राव, अशोकनगर, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० राजमा, पत्तो पी० वेंकटम्या, गोली गड़ी, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

पृष्ठीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जिरायती जमीन के सर्वे नं० 258/1 और 260 जिसका क्षेत्रफल 6785 वर्ग गज है। जो गड़ी अन्नाराम मोजा, सरू नगर पंचायत, हैदराबाद पूरब तालुक, हैदराबाद जिला में स्थित है :—

पूरब :—पी० एण्ड टी० कालोनी।

दक्षिण :—पी० वेंकटम्या के जमीन तथा मकान।

उत्तर :—पी० बलाम का जमीन

पश्चिम :—अन्तक का जमीन।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 22-9-1975

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 22 सितम्बर 1975

सं० आर० ए० सी०/121/75-76—यतः मुझे के० एस०
वेंकट रामन

आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा

269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 6-25/सूल नगर ग्राम पंचायत है, जो गड्ढी अन्नाराम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री पी० बाल नरसिंहाराव, 1-10/6, अशोक नगर, हैदराबाद । (अन्तरक)
- (2) श्री पी० वेंकटय्या, 15-3-97, गोलीगूडा, हैदराबाद (अन्तरिती)
- (3) मै० अर्जन्ता फीड सिंडिकेट, हैदराबाद । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जिरायती जमीन संबंधी नं० 258/1 और 260 सिसक क्षेत्रफल 5121 वर्ग गज तथा छोटी सी मकान सूल नगर में प्रत्ये जमीन गड्ढी अन्नाराम मोजे, सूलनगर पंचायत में स्थित है।

पंचायत में 6-25।

पूरव :— पड़ोस के मकान तथा पी० एण्ड टी० कालनी।

दक्षिण :— सड़क ।

पश्चिम :—पड़ोस के सम्पत्ति ।

उत्तर :— अन्तरक का जमीन ।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 22-9-1975

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 22 सितम्बर 1975

सं० आर० ए० सी०-120/75-76—पतः मुझे के० एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० नं० 258/1 तथा 260 गडीग्रन्तारम गठ है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित भाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री फौ० बाला नरसिंह राव H. No. 1-10-6, अशोक नगर हैदराबाद। (अन्तरक)

(2) श्री फौ० बालराम, नं० 15-3-97, गोली गुड़ा, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वाक्षरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृतचंद्री

सम्पत्ति :—

घडी अनाराम गाड़, सरनगर पनचायत—हैदराबाद।

पूरब—हैदराबाद-तालूक

जिरापती जमीन सर्वे नं० 258/1 और 260

विस्तीर्ण—7292 वर्ग गज।

पूरब : पी० और टी० कालोनी।

दक्षिण—अन्तरक जमीन

पश्चिम : पड़ोस का घर।

उत्तर : हकीम सत्या जमीन।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 22-9-1975

मोहर :

प्रृष्ठा आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 22 सितम्बर 1975

सं० आर० ए० सी०-123/75-76—यतः मुझे के० एस०
वैकट रामन

आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त
अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 258/1 और 260 गड़ी अन्नाराम है, जो
सल्लनगर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 27-1-1975 को पूर्णकृत

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत 'उक्त अधि-
नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,'
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

प्रतः अब 'उक्त अधिनियम' को धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

(1) श्री पी० बी० नरसिंहा राव, अशोक नगर, हैदराबाद।
(अन्तरक)

(2) श्री पी० आनन्द 15-3-97 गोलीगूडा, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथा
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :—गड़ी अन्नाराम मोजे में जो सल्लनगर पंचायत, हैदराबाद
पूरब तालूका, हैदराबाद जिला में है। जिरायती जमीन
सर्वे नं० 258/1 और 260, जिसका क्षेत्रफल 5475
बर्ग गज है तथा जिसका चौहाई निम्न है :

पूरब :—अन्तरक का जमीन जो श्रीमती पी० राजमा को
बेचा है।

दक्षिण— मकान तथा जमीन श्री पी० वैकटर्या का।

पश्चिम— पड़ोस का सम्पत्ति।

उत्तर :—श्री पी० बलराम का जमीन।

के० एस० वैकट रामन
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 22-9-1975

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 9 सितम्बर 1975

निर्देश सं० राज०/सहा०आय०अर्जन/274—यतः मुझे
सी० एस० जैन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० दुकान नं० 9/10 है तथा जो नई मंडी दीलीबंगा में स्थित है, (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरतगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तालिका 6 फरवरी 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्रिक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, प्रब उक्त अधिनियम की धारा, 269-व के अनुसारण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथातः—

1. सर्वश्री हरचन्द

2. गनपटत

3. हरलाल

3. लालचन्द पुत्रान श्री लूना राम जाट मौजा डलमानी जाटार्न तहसील सूरतगढ़

(अन्तरक)

2. श्री हरिकृष्ण पुत्र बसन्त लाल

(2) श्रीमती देवकी देवी पत्नी श्री श्रीमप्रकाश

(3) श्रीमती भद्रावंती पत्नी मधीराम।

(4) सर्वश्री जयदेव एवं हेमराज साकिन मंडी पीली बंगा तहसील सूरतगढ़

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आंकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

ल्पस्ट्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-व में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 9/10, सैक्टर नं० नई मंडी, पीलीबंगा तहसील सूरतगढ़

सी० एस० जैन
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 9-9-1975

मोहर :

प्रस्तुप आदृ० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 9 सितम्बर 1975

निर्देश सं० राज०/सहा० आय० अर्जन/275—

अतः मुझे सी० एस० जैन आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट न० 15 है तथा जो मनुमार्ग अलबर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अलबर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7 मार्च 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' पा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण, में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. कैलाश नाथ भार्गव कर्ता अविभाजित हिन्दू परिवार (स्वयं, उसकी पत्नी एवं उसके पुत्र सहित) 4, विवेकानन्द मार्ग, जयपुर

(अन्तरक)

2. श्री अशोक कुमार पुत्र श्री रामनारायण मालाखेड़ा दरवाजा बाहुर, अलबर

(अन्तरिती)

3. जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग, राजस्थान

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

15, मनुमार्ग, अलबर पर स्थित सम्पत्ति का हिस्सा।

सी० एस० जैन,
सहायक प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख: 9-9-1975

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री हरिशंकर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री जगदीश स्वारूप और अन्य

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

लखनऊ, दिनांक 2 सितम्बर 1975

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

निर्देश सं० 26-जे०/अर्जन— अतः मुझे विश्वास नाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और
जिसकी सं० दुकान है तथा जो मुहल्ला भवार गंज में स्थित
है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आदायुं में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-2-75 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 26) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उधपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

8—276 GI/75

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता दुकान दो मंजिला जो कि मुहल्ला भवार जि०
बदायुं में स्थित है।

विश्वास नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 2-9-1975

मोहर :

प्रॅलप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री युसुफ अली खां

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री सदीक अहमद व अन्य

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 19 अगस्त 1975

निवेश सं० एस०-76/अर्जन— अतः मुझे विशम्भर नाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
और जिसकी सं० खसरा नं० 65 है तथा जो ग्राम अलीनगर जागीर
रामपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तह० स्वार
रामपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 3-2-75 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथ यापा गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्षा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित अधीक्षिती के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषिक भूमि जो कि 4 एकड़ 33 हि० है। और यह ग्राम
प्रालीनगर जागीर जिला रामपुर में स्थित है।

विशम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज,
लखनऊ

तारीख : 19-8-75

मोहर :

प्रलूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 19 अगस्त 1975

निर्देश सं० 60-एम०/ए० सी० क्य०—

अतः मुझे विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० खसरा नं० 65 है तथा जो अलीनगर जागीर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रामपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-2-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करते या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण, में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थत:-

1. श्री युसुफ अली खां

(अन्तरक)

2. श्री मुहम्मद अहमद और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताक्षरी के पास लिखत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषिक भूमि जो कि 4.33 एकड़ है और ग्राम अलीनगर जागीर जिला रामपुर में स्थित है।

विशम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 19-8-75

मोहर:

प्ररूप आई०टी०एन०एस०

1. श्रीमती प्रतिलता सेन और अन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती उमादेवी घुनझुनावाला

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 23 अगस्त 1975

निर्देश सं० 15-य०/ए०सी०ब्य०— अतः मुझे विशम्भर
नाथ

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ढी०-48/193 है तथा जो मीसरि पोखरा में स्थित
है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
7-2-75 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० ढी०-48/193 जो कि मीसरि पोखरा
वाराणसी में स्थित है।

विशम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 23-8-1975

मोहर :

प्रस्तुप प्राईंट टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 19 अगस्त 1975

निर्देश नं० के० 39/अर्जन—अतः मुझे विशम्भर नाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी संख्या — है तथा जो सिविल लाइन रामपुर
बाग बरेली में स्थित है (और इससे उपाहृद अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय बरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 3-2-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
जय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन
कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयो-
जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अन्तर्गत, निम्नलिखित अक्षित्रों प्रर्जन्तः—

(1) श्री पूर्ण चन्द्र जोशी

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्ण चन्द्र

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी,
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लग्जटीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता दो मंजिला मकान मध्य 2 टूकाने का 1/3
भाग जो कि सिविल लाइन रामपुर बाग बरेली में स्थित
है।

विशम्भर नाथ
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 19-8-1975

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री पूर्ण चन्द्र जोशी

(अन्तरक)

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालिय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 19 अगस्त 1975

निर्देश नं० 10-एन०/अर्जन—ग्रतः मुझे विश्वासभर नाथ ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या — है तथा जो सिविल लाइन रामपुर बाग बरेली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायालिय बरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-2-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य सास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता दो मंजिला मकान मय दो दूकान का 1/3 भाग जो कि सिविल लाइन रामपुर बाग बरेली में स्थित है।

विश्वासभर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज लखनऊ।

तारीख : 19-8-1975

मोहर :

प्रस्तुप प्राईंट टी० एन० एस०

(1) श्री पूर्ण चन्द्र जोशी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्रीमती गीता देवी मोदी

(अन्तरिती)

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजनन रेज, लखनऊ:

लखनऊ, दिनांक 19 अगस्त 1975

निर्देश नं० जी०-२१/प्रजनन—प्रतः मुझे बिश्वास भवन नाथ
आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से प्रधिक है और जिसकी संख्या — है तथा जो सिविल लाइन रामपुर बाग बरेली में स्थित है (और इससे उपायदृश अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-2-1975

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रष्टात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोरूप्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता दो मंजिला मकान मध्य दो दूकान का 1/3 भाग जो कि सिविल लाइन रामपुर बाग जिं बरेली में स्थित है।

बिश्वास भवन नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख: 19-8-1975

मोहर:

प्र० र० आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 अगस्त, 1975

निर्देश सं० ए सी क्य० 23-I-576(214)/16-6/
75-76—यतः, मुझे, ज० कथूरिया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ले नं० 181, है जो 5/6 मिल परा,
राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 13-2-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व
में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स मेहता दोशी एष्ट कम्पनी की ओर से :—

1. श्री शांतीलाल भूदरलाल मेहता,
2. श्री प्रबीणचंद्र हरीलाल मेहता,
3. श्री कांतीलाल भाईचंद्र मेहता,
4. श्री हंसमुखलाल फूलचंद दोशी,
5. श्री रसीक लाल शांतीलाल मेहता,
6. श्री डाह्या लाल पुरबोत्तम मेहता,
7. श्री फूलचंद हन्सराज दोशी,
8. श्री जयतीलाल केशवलाल मेहता,
9. श्री चंद्रलाल शांतीलाल मेहता,
10. श्री नवीनचंद्र केशवलाल मेहता,
11. श्री महेंद्र केशवलाल ,
12. श्री किरीटकुमार मणीलाल,
13. श्री सतीषचंद्र मणीलाल,
14. श्रीमती राजुलबेन दोशी,

5/6 मिल-परा, राजकोट (अन्तरक)

(2) देवीदयाल मेटल इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड,
20/1, आसफ आली रोड, न्यू दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयाद्वारा करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 3042-7 वर्ग गज भूमि पर
स्थित है और जिसका प्लोट नं० ए० और बी० है और
लेख नं० 181 है और जो 5/6 मिल परा राजकोट में
स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण बिश्री दस्तावेज में दिया
गया है।

ज० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अहमदाबाद।

तारीख : 26-8-1975

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 अगस्त, 1975

निर्वेश सं० ए सी क्य० 23-I-543(215)/1-1/
75-76—यतः मुझे जै० कथूरिया

आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है

और जिसकी सं० फ० प० न० 33 तथा 34, सब प्लॉट न० 12-बी०, टी० पी० एस०-15, है, जो एल्सिभिज, उसमानपुरा, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-2-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —
9—276GI/75

(1) श्री एर्पदभाई चंद्रकान्त रावल, दरियापुर, पटेल को-आपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड, उसमान पुरा, अहमदाबाद
(अन्तरक)

(2) 1. श्री रमणलाल पुरषोत्तमदास पटेल,
2. श्री जवेरभाई पुरषोत्तमदास पटेल,
3. श्री नगीनदास पुरषोत्तमदास पटेल,
4. श्री रमेशचंद्र सोमाभाई पटेल,
सब के रहने का पता:—

बंगला न० 23, महादेवनगर सोसायटी,
स्टेडियम रोड, अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक तीन मंजस थाली अचल सम्पत्ति जो 231 वर्ग गज भूमि पर स्थित है और जो फ० प० न० 33 तथा 34 पर और सब प्लॉट न 12-बी पर और टी० पी० एस० न० 15 में सोमनाथ रोड, उसमानपुरा, अहमदाबाद पर स्थित है।

जै० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद।

तारीख: 29-8-197

मोहर:

प्रलूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 अगस्त, 1975

निर्देश सं० ए सी क्य० 23-1-534(216)/1-1/
75-76—यतः मुझे, जे० कथूरिया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी
सं० फ० प० न० 860/डी, सब प्लोट न० 5,
टी० पी० एस० न० 3, है, जो कोचरब, अहमदाबाद में
स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदा-
बाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 13-2-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपशारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नगीनदास फतेहचंद शाह, गांधी रोड, पाडा
पोल, अहमदाबाद
(अन्तरक)

(2) श्री जीतेंद्र लालभाई शाह, पाडा पोल, गांधी रोड,
अहमदाबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 444 वर्ग गज भूमि पर स्थित
है और जिसका फ० प० न० 860/डी है और सब प्लोट
न० 5, और टी० पी० एस० न० 3 है और जो कोचरब
अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद।

तारीख : 29-8-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-१ अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 सितम्बर, 1975

निर्देश सं० ए सी क्य० 23-I-530-(217)/1-1/
75-76—यतः, मुझे, जे० कथूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे न० 417, एफ० पी० न० 320, सब प्लाट न० 15, टी० पी० एस० 22, है, जो वासणा, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-2-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

(1) मैं सर्व अजय कोरपोरेशन, के हेतु तथा उसकी ओर से, उसके भागीदारः—

श्री हर्षकुमार फकीरभाई पटेल, 10, कृष्ण कुंज, सरकारी करमचारी सोसायटी, भीठाखली, अहमदाबाद (अन्तरक)

(2) दीप छाया को-आपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड, पटेल सीमेंट प्राइक्ट्स, शाहपुर, अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा, अघोरसाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका क्षेत्रफल 428 वर्ग गज है और जिसका सर्वे न० 417, एफ० पी० न० 320, सब प्लाट न० 15, और टी० पी० एस० सं० 22, और जो वासणा अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-१ अहमदाबाद।

तारीख : 2-9-1975

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 2 सितम्बर, 1975

निर्देश सं० एसी क्य० 23-I-531(218)/1-1/
75-76—यतः, मुझे, जे० कथूरिया,
आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 417, एफ० पी० नं० 320, सब प्लाट नं० 12, टी० पी० स्कीम नं० 22, है, जो वास्तवा, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ट अधिकार के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-2-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तावन लिखित में वास्तविक रूप से कागित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अद्वीन करने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अंतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ना के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैंसर्स एम० एच० कोरपोरेशन, के हेतु तथा उसकी ओर से उसके भागीदार :—

श्री अविद्यार्थ ईश्वरलाल शाह, नवदीप-एपार्टमेंट, नई टेलीफोन एक्सचेंज के सामने, नवगुप्ता, अहमदाबाद (अन्तरक)

(2) बीप छाया को-प्रापरेटिव हॉर्सिंग सोसायटी लिमिटेड, पटेल सीमेंट प्राइवेट लिमिटेड शाहपुर, अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका क्षेत्रफल 526 बर्ग गज है और जिसका सर्वे नं० 417, एफ० पी० नं० 320 सब प्लाट नं० 12, टी० पी० स्कीम नं० 22, है और जो वास्तवा, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 2-9-1975

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 अगस्त, 1975

निर्देश सं० 235/ए सी क्य० 23-446/17-3/
74-75—अतः, मुझे, पी० एन० मित्तल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सबै न० 455 हिस्सा 1 और 2 पैकी एन० ए० लेन्ड 10016 वर्ग मीटर है तथा जो मोडासा मालपुर रोड, मोडासा जिला साबरकांठा में स्थित है (और इससे उपार्द्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मोडासा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-2 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री गांधी नरठबरलाल मोहनलाल, गांधी वृजबिहारी मोहनलाल सी०ओ० गांधी एन्ड क० 72, नैरो स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई-1 (अन्तरक)

(2) श्री वैस्नार को० आप० सोसायटी लि० मोडासा की ओर से उसके: प्रमुख/वेयरमैन मुकुन्द कुमार थी० दोषी सेक्रेटरी बिहारीलाल रमणलाल गांधी मोडासा (अन्तरिती)

(3) श्री परमानंद पुनमचन्द दोषी 40, कल्याण नगर सोसायटी, मोडासा (कंफरमिंग पार्टी)।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन सबै न० 455 हिस्सा 1 और 2 पैकी कुल भाग 10016 वर्ग मीटर जो मोडासा मालपुर रोड, मोडासा जि० साबरकांठा में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मोडासा के 20-2-1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 215 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद।

तारीख : 20-8-1975

मोहर :

प्रख्युप अमर्ई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार:

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 सितम्बर 1975

निर्देश सं० 248/ए सी क्य० 23-409/19-8/74-75—अतः, मुझे, पी० एन० मित्तल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 213 पैकी 20691 वर्ग गज खुली जमीन है तथा जो गाम-उधना, ता० चोरासी जि० सूरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-2-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्रीमती विजयादेन, शान्तीलाल मनीभाई देसाई की विधवा
- 2. जयमती गोपालजी देसाई } दोनों काल्तीलाल
- 3. हसुमती गुणवंतभाई देसाई } मनीभाई देसाई की सूरत } पुत्रियाँ, (अन्तरक)

(2) श्री रामकृष्ण इन्डस्ट्रीयल को-ऑपरेटिव सर्विस सोसायटी की ओर से उसके

प्रेसीडेंट : गुणवंत राय भजनलाल देसाई

सेकेटरी : प्रश्नीन वाडी लाला ठोकर

कमीटी मेंबर : अनील कुमार जे० श्रोफ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की समील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, असौहस्त्राक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन सर्वे नं० 213 पैकी 20691 वर्ग गज जो गांव उधना, ता० चोरासी, जि० सूरत में स्थान है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के फरवरी 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 453 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II

अहमदाबाद

तारीख : 4-9-1975

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 4 सितम्बर 1975

निर्देश सं० 249/ए सी क्य० 23-461/19-7/75-76
—यतः, मुझे, पी० एन० मित्तल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० वार्ड नं० 2 नोंबर नं० 1934/3/4 पैकी 200
वर्ग गज जमीन है, तथा जो क्षेत्रपाल रोड, मजूरा गेट, सूरत में
स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
27-2-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त
अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती
बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, भौत अधिनियम, की धारा 269-ग की
वर्तमान (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

नान्जीवन दास छोटुभाई स्वयं तथा उत्तर व अरुन
(सगीरों) के बाली की हैसियत में।

(2) वीरबेन प्रान्जीवन दास क्षेत्रपाल रोड मजूरा गेट,
सूरत (अन्तरक)

2. मे० भारतीय आर्गेनाईज़ेस' अपने भागीदारों द्वारा

(1) सुधाबेन रमेश चन्द्र देसाई,
(2) गीताबेन ठाकोर भाई नायक, सूरत (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका नोंबर नं० 1934/3/4 वार्ड नं० 2
कुल माप 200 वर्ग गज है तथा जो क्षेत्रपाल रोड, मजूरा गेट, सूरत
में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के फरवरी
1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 911 में प्रदर्शित है।

जी० एन० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख : 4-9-1975

मोहर :

प्र० श्रीमती यमुना देवी पाठक निवासी निजफगढ़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

(1) श्रीमती निर्मला देवी जैन पत्नी श्री राजकुमार जैन
निवासी 5 नई अनाज मंडी, कोटा (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० राज०/सहा० आय० अर्जन/276—यतः, मुझे,
सी० एस० जैन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० म० न० 30 ए का भाग है जो गुमानपुरा
कोटा में स्थित है (और इससे उपावद्ध ग्रन्तुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोटा में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 12 फरवरी 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवृत्त उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अस्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए
की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

सी० एस० जैन

[सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 10-9-75
मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अहमद बाद

अहमदाबाद दिनांक, 4 सितम्बर 1975

निर्देश सं० ए सी क्य० 23-I-527(224)/1-1/75-76—यतः मुझे, जे० कथूरिया,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्व० नं० 116 तथा 157, एफ० पी० नं० 286/1-बी, सब प्लाट नं० 1, टी० पी० एस० 20, है, जो कोचरब, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अनीन तारीख 15-2-1975

को वौक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिया अर्थात् :—
10—276GI/75

1. श्री रमनलाल दावलभाई पटेल, कोचरब, एलिसब्रिज, अहमदाबाद,
(अन्तरक)

(2) (1) मन्त्रणा को-अपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड,
एल० डी० इंजीनियरिंग कालेज के पीछे, गुलबाई
टेकरा अहमदाबाद, के हेतु तथा उसकी ओर से :—

(1) चेरमेन :—श्री आनन्द प्रकाश कृष्ण घंड भारगव,
सी-15 बीना फ्लैट्स सरदार पटेल नगर रोड, एलिसब्रिज,
अहमदाबाद,

(2) सेकेटरी —श्री राजेन्द्रनाथ गौरी नाथ सहगल 37,
पर्यण सोसायटी जेवियर्स स्कूल रोड, नवरंगपुरा अहमदाबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका क्षेत्रफल 400 वर्गज है जिसका सर्व० नं० 116 तथा 157, एफ० पी० नं० 286/1-बी, सब प्लाट नं० 1 टी० पी० स्कीम नं० 20 है और जो कोचरब अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

दिनांक : 4-9-1975

मोहर :

प्रलूप श्राई० डी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 सितम्बर, 1975

निर्देश सं० ए सी क्य० 23-I-528(225)/1-1/75-
76—यतः, मुझे, जो० कथूरिया,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन प्रधान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्व० नं० 116 तथा 157, एफ० पी० नं० 286/1-नी, सब प्लाट नं० 3, टी० पी० एस०-20 है, जो कोचरब, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-2-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रधानपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरष कुमार रमणलाल पटेल कोचरब, एल्सिजिज, अहमदाबाद ।
(अन्तरक)

मन्त्रणा को-प्रोपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड,

(2) एल० डी० इंजीनीरिंग कालेज के पीछे गुलबाई टेकरा, अहमदाबाद के हेतु तथा उसकी ओर से :—

(1) चेयरमैन :—श्री आर्नदप्रकाश कृष्णचंद्र भार्गव सी-15, बीता फ्लैट्स, सरदार पटेल नगर रोड, एल्सिजिज, अहमदाबाद ।

(2) सेक्रेटरी :— श्री राजेन्द्र नाथ गोरीनाथ सहगल, 37, प्रांगण सोसायटी, जेवियर्स स्कूल रोड, नवरंगपुरा, अहमदाबाद ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना भी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

प्राप्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका क्षेत्रफल 400 वर्गगज है और जिसका सर्व० नं० 116 तथा 157, एफ० पी० नं० 286/1-नी, सब प्लाट नं० 3 टी० पी० एस०-20, है और जो कोचरब, अहमदाबाद में स्थित है ।

जे० एस० कथूरिया
सभम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 4-9-1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1 अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक, 4 सितम्बर, 1975

निर्देश सं० ए० सी० क्य० 23-I-529(226)/1-1/75-
76—यह, मुझे, जै० कथूरिया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सर्व० नं० 116 तथा 157, एफ० पी० नं०
286/1-बी०, सब प्लाट नं० 5 तथा 6 आधा भाग, टी० पी० स्कीम
नं० 20 है, जो कोचरब, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-2-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित
महीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. जयवेन आईलालभाई पटेल, कोचरब, अहमदाबाद
(अन्तरक)
- (2) मन्त्रणा को-ओपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड,
एल० डी० इंजीनियरिंग कालेज के पीछे, गुलबाईटेकरा,
अहमदाबाद
(अन्तरिती)
- (1) चेरमैन :—श्री आनंदप्रकाश कृष्णचंद्र, भारत सी-
15, बीना फ्लैट्स, सरदार पटेल नगर
रोड, एल्सग्रिंज, अहमदाबाद।
- (2) सेक्रेटरी :—श्री राजेन्द्र नाथ गोरीनाथ सहगल 37,
अर्पणा सोसायटी, जेवियर्स स्कूल रोड
नवरंगपुरां, अहमदाबाद

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्वी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका क्षेत्रफल 400 वर्गगज
जिसका सर्व० नं० 116 तथा 157, एफ० पी० नं० 286/1-बी०,
सब प्लाट नं० 5 तथा 6 का आधा भाग, टी० पी० स्कीम नं० 20,
है और जो कोचरब, अहमदाबाद में स्थित है।

ज० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1 अहमदाबाद

दिनांक : 4-9-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 सितम्बर 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 118/75-76—यतः, मुझे,
के० एस० वेंकट रामन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 82, 463, 464 चितापल्ली, वेंकटाद्री-
पल्ली है, जो मिर्यालगूडा में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
मिर्यालगूडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 19 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें मार्सीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग
के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सर्वेश्वी

- (1) दनवत् जन्या पुत्र लच्छव्या
- (2) दनवत् लक्ष्या पुत्र लच्छव्या
- (3) दनवत् यश्या पुत्र लच्छव्या
- (4) दनवत् रट्या पुत्र सीताराम
- (5) दनवत् मंगत् पुत्र रूपला
- (6) दनवत् सकू पुत्र रेण्या

वेंकटाद्री वेलम्, तुंगपाडु पोस्ट, मिर्यालगूडा तालूक, नल-
गोडा, जिला।

(अन्तरक)

2. सर्वेश्वी

- (1) परीमी वीरभद्रा राव पुत्र वेंकट राजू
- (2) तडकमला राधाकृष्णाराव पुत्र शेणगिरीराव,
- (3) कोंडुल दुर्ग्या पुत्र वेंकटाद्री
- (4) मलगीरेडी नरसिंहरेडी पुत्र मल्ला रेडी,
मिर्यालगूडा पोस्ट, नलगोडा जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोषित अस्तरिती के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

पृष्ठीकरण:—इसमें अनुकूल शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

सम्पत्ति—सर्वे नं० 82, वेंकटाद्रीवेलम् में एकर 0.17 सेंट्स,
सर्वे नं० 463, चितापल्ली में एकर 2.19 सेंट्स, सर्वे नं० 464,
चितापल्ली में एकर 2.30 सेंट्स।

के० एस० वेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 17-9-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० ८८० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, चिनांक 6 सितम्बर 1975

निर्देश सं० सी० आर०-62/3730/74-75—यतः, मुझे,
आर० कृष्णमूर्ति,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है) की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 198 है, जो बनिसनटप एक्सटेंशन, मनडि
मोहल्ला, सत्यनारायण आहल मिल्स के सामने, मैसूर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैसूर दस्तावेज नं० 3897/
74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 12-2-75 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अन्तियों, धर्षतः :—

1. श्री बी० एन० बद्रीनाथेन् पुत्र लेट नारायणमूर्ति, राव
विद्यारन्धपुरम, मैसूर।
(अन्तरक)

2. राजा सोप फैक्टरी, के० अकबर बाशा भागीदार द्वारा
बनिसनटप एक्सटेंशन, मैसूर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्समांदी अविक्षयों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षयों में से किसी
अविक्षा द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमुद्ध किसी
अन्य अविक्षा द्वारा, अधीक्षताकारी के पास लिखित
म किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मौसूलधी

नं० 198 इमारत और खाली जगह, बनिसनटप एक्सटेंशन,
मनडि मोहल्ला (सत्यनारायण आहल मिल्स के सामने) मैसूर-7।
धेनफल—90'×120'—10,800 वर्ग फीट।

सीमा :—

पूर्व : सैट नं० 199।

पश्चिम : सैट नं० 197।

उत्तर : सैट नं० 190।

दक्षिण : रोड।

दस्तावेज नं० 3897/74-75, तारीख 12-2-1975।

आर० कृष्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 6-9-1975

मोहर :

प्रस्तुप आईटी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर का कार्यालय

बंगलूर, दिनांक 6 सितम्बर 1975

निर्देश सं० सी० आर० 62/3765/74-75—यतः, मुझे,
आर० कृष्णमूर्ति,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० सैट नं० 3/4 (पश्चिमी भाग) बर्ली स्ट्रीट कास,
है, जो क्यानांगफोर्ड टौन बैंगलूर-25 में स्थित है (और इससे उपावद
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, जयनगर, बैंगलूर दस्तावेज नं० 3835/74-75
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 10-2-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, 'उक्त अधि-
नियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित में
कमों करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(छ) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः, अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

1. श्री (1) के० आर० कृष्णमूर्ति पुत्र के० रामच्छा
(2) कुमारन सत्यदीप के० रामच्छा पुत्र के० आर० कृष्ण-
मूर्ति, अवयस्क द्वारा समरक्षक के० आर० कृष्णमूर्ति, 3/1, बर्ली
स्ट्रीट कास, क्यानांगफोर्ड टौन, बैंगलूर-25। (अन्तरक)

2. श्रीमती शाहनाज बेगम पत्नी उमर ख़याम, 27, आलफ्रेड
स्ट्रीट, बैंगलूर-25। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी अवित्यों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में
से किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अवित्य द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृसूची

सैट नं० 3/4 पश्चिमी भाग, बर्ली स्ट्रीट कास, क्यानांगफोर्ड
टौन, बैंगलूर-25

क्षेत्रफल $40' \times 114'.3'' + 115'$ 4585 वर्ग फीट
सीमा :

उत्तर : खाली जगह और पुलिस क्वार्टर्स

दक्षिण : बर्ली स्ट्रीट कास

पूर्व : नं० 3/4 का एक भाग जो के० रहमान को बेचा गया

पश्चिमी : नं० 3/3 बर्ली स्ट्रीट कास

दस्तावेज नं० 3835/74-75 ता० 10-2-1975

आर० कृष्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 6-9-75

मोहर :

प्ररूप अर्ड० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज का कार्यालय, बैंगलूर
बैंगलूर, दिनांक 4 सितम्बर 1975

निदेश सं० सि० आर० 62/3766/74-75 यतः मुझे आर० कृष्णामूर्ति,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सैट नं० 3/4 पूर्वी भाग, बर्ली स्ट्रीट क्रास, ल्यान्स-
फोर्ड है जो टौन, बैंगलूर-25 में स्थित है (और इससे उपावन्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, जयनगर, बैंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन 10-2-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कागित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनान्य
अन्तस्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम को धारा 269-घ के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री के० आर० कृष्णामूर्ति एस/ओ के० रामय
- (2) कुमार सत्यादीप के० रामय्या अवधस्क ठारा संरक्षक
के० आर० कृष्णामूर्ति 3/1, बर्ली स्ट्रीट क्रास ल्यान्सफोर्ड टौन (अन्तरक)
2. श्री के० रहमान (मुसताख) एस/ ओ लेट प्रबुल गफूर
टिम्बर व्यापारी नं० 26, न्यू बम्बू बाजार बैंगलूर-2 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्त्वांधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सैट नं० 3/4 पूर्वी भाग, बर्ली स्ट्रीट क्रास, ल्यान्सफोर्ड, टौन,
बैंगलूर-25

क्षेत्रफल $40' + \frac{113' 6'' + 114' 3''}{2} = 4555$ वर्ग फीट
सीमा :—

पूर्व : क्रास रोड

पश्चिमी : 3/4 का एक भाग जो शाहनाज बगम को बेचा गया

उत्तर : पोलिस क्वार्टर्स की खाली जगह और चन्द्र गौड़ा की सैट

दक्षिण : बर्ली स्ट्रीट क्रास

दस्तावेज नं० 3836/74-75 ता० 10-3-75

आर० कृष्णामूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 4-9-75

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर
बैंगलूर, दिनांक 5-9-75

निदेश सं० सि० आर० 62/3784/74-75 यतः मुझे, आर० कृष्णामूर्ति, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी

सं० सर्वोत्तम० 431 (पुराना नं० 197/4) एक एकर 35 गुनटे हैं, जो केमपुरा अग्रहारा, कसबा होब्ली बैंगलूर नार्थ तालुक में स्थित है (और इसे उपावड्हा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रीरामपुरम, बैंगलूर (दस्तावेज नं० 3870/74-75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-2-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के दायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मुनियप्पा उर्फ मुनिरनगप्पा (2) रनगव्या (3) चिककरनगव्या (4) हनुमरनगव्या तिम्मनहल्ली गांव, मार्गार्ड रोड, बैंगलूर-10 (अन्तरक)

2. अमर ज्योति हौज विलिंग कोआपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड 1762, II स्टेज, राजाजीनगर बैंगलूर-10 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यतः सर्वोत्तम० 431 पुराना नं० 197/4, 1 एकर 35 गुनटे, केमपुरा अग्रहारा गांव, कसबा होब्ली, बैंगलूर नार्थ तालुक । सीमा:—

पू : ट्रस्ट बोर्ड की जमीन और 40' रोड

प : ट्रस्ट बोर्ड का नाला

उ : ट्रस्ट बोर्ड सीटस

द : बैंकटेश्वर प्रिंह निर्माता सहकारा सनम्या

दस्तावेज नं० 3870/74-75 ता० 7-2-75

आर० कृष्णामूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 5-9-75

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूर
बैंगलूर, दिनांक 5-9-75

निदेश सं० सि० आर० 62/3799/74-75—यतः, मुझे
आर० क्रिणामूर्ति,
ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है और

जिसकी सं० 2 है, जो I क्रास केमपगोडा, एक्सटेनशन, बैंगलूर,
सिटी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गान्धीनगर
बैंगलूर में दस्तावेज नं० (4872/74-75) भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-2-75 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम,' के अधीन कर देने के अस्तरक
के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसमें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

ग्रातः ग्राब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के
अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
11-276GI/75

1. श्री एन० महेश कुमार एस०/ओ० बी० नटवरलाल नं०
8, लेडी करजन लोड, सिविल स्टेशन बैंगलूर (अन्तरक)

2. (1) श्री के० एस० विश्वनाथस्य सेठी]
(2) के० एस० लक्ष्मीपति सेठी (3) के० के० रनगच्छ
(4) के० अनननर क्रिणा गुप्ता (अन्तरिती)

3. (1) श्री प्रसाद प्रिन्टर्स
(2) ई० एस० ए० लोकल आफीस
(3) चान्द पाशा
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधो हस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथा
परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 2, I क्रास, केमपगोडा एक्सटेनशन, बैंगलूर सिटी मेनका
टाकीस के बाजू।

ध्रुवफल 26'5" × 77'11" = 2056.56 वर्ग फीट
इमारत ग्रोन्ड और I फ्लोर्स- 16 वर्ग प्रत्येक

सीमा:—

पूः नं० 3&5, I क्रास, केमपगोडा एक्सटेनशन

प: I क्रास, केमपगोडा एक्सटेनशन

उ: मेनका टाकीस

द: 5'2"क० रास्ता

दस्तावेज नं० 4872/74-75 ता० 7-2-75

आर० क्रिणामूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूर

तारीख: 5-9-75

मोहर:

प्रस्तुप आहू०टी०एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 3 सितम्बर 1975

निदेश सं० सि० आर० 62/3808/74-75 यतः मुझे
आर० क्रिष्णमूर्ति आयकर अधिनियम 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 340 प्लाट सं० 'एफ' का एक भाग (प्लाट नं०-1) डिविजन नं० 24 है, जो बैतरायनपुरा, जी० ई० सी० फैक्ट्री के सामने मैसूर रोड, बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवन्गुडी बैंगलूर दस्तावेज नं० 5124/74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-2-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से द्वाई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, ठिगाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री एम०ए० वेनकटेश एस/ओ० एम० अनन्तरामम्मा नं० ४-९ केनगेरी फैक्ट्री बिल्डिंग, केनगेरी पोस्ट, बैंगलूर सैट तालुक (अन्तरक)

2. श्री पटेल मल्लया एस/ ओ० केमपा मल्लया बैलू गांव, तावरकेरे होटली, माराडी तालुक बैंगलूर जिला (अन्तरिती)

4. श्री चमपालाल एस/ ओ० मनगिलाल ८९, बिन्नी मिल रोड, बैंगलूर-५३।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रद्यो हस्ताक्षरी जातना है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संट मुनिसिपल न० ३४०, प्लाट न० १८ का एक भाग (प्लाट ए-१) डिविजन न० २४, बैतरायनपुरा, (जी० ई० सी० फैक्ट्री के सामने) मैसूर, बैंगलूर।

क्षेत्रफल ३५' + २६४' + २८०'

————— = ९५२० वर्ग फीट
2

सीमा

पू०: प्लाट (ए)

प: एम० ए० वेनकटेश का बचा भाग

उ: केमपापुरा, बौनडरी

द: मैसूर रोड

आर० क्रिष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

तारीख: ३-९-७५

मोहर:—

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 4-9-75

निदेश सं० सि० आर० 62/3811/74-75 यतः मुझे आर०
क्रिणामूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 65/31 (आधा भाग) III क्रास रोड, न्यू क्लासिपालयम के ओट, बैंगलूर-2 (डिविजन-39) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय बसवनगुडि, बैंगलूर दस्तावेज नं० 5175/74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-2-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाठ्य गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-व के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री के० आर० वेनकटरत्नम एस/ओ०के० एस० रनगम्या सेटी, 67 VII मैन रोड, IX ब्लाक, जयनगर, बैंगलूर-11
(अन्तरक)

2. प्रकाश रोडलैन्स (प्राइवेट) लिमिटेड 8/9, क्लासिपालयम न्यू एक्सटेनशन बैंगलोर-2 द्वारा म्यानेजिन्सग हाईरेक्टर ओम प्रकाश नारन्न
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संट नं० 65/31 का आधा भाग, III क्रास रोड, न्यू क्लासिपालयम के श्री (डिविजन नं० 39) बैंगलोर-2

क्षेत्रफल 40'×80' 3200 वर्ग फीट

सीमा

पू० : सैट नं० 66

प : सैट नं० 64

उ : सैट नं० 44

द : क्रास रोड

दस्तावेज नं० 5175/74-75 ता० 25-2-75

आर० क्रिणामूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज बैंगलूर

तारीख :—4-9-75

मोहर :—

प्रस्तुत आईटी०एन०एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 4-9-75

निदेश सं० सि० आर० 62/3812/74-75 यतः मुझे
आर० क्रिष्णामूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- हू० से अधिक है और
और जिसकी सं० 65/31 का आधा भाग, III आस न्यू, कलासि-
पाल्यम है, जो ले औट, (डिविशन नं० 39), बैंगलूर-2 में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय बसनगुडि, बैंगलूर दस्तावेज
नं० 5176/74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 25-2-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री के० वी० किशोर एस/ओ के० आर० बेनकटरतनम
67, VII मैन रोड, IV ब्लाक, जयनगर, बैंगलूर-11 (अन्तकर)

2. प्रकाश रोड लैन्स (प्रा०) लिमिटेड 8/9, कलासिपालयम
न्यू एक्सटेनशन, बैंगलूर-2 द्वारा प्रबन्ध निर्देशक ओम प्रकाश
नारानग (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हू०।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45
दिन की अवधि तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभासित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सैट नं० 65/31 का आधा भाग, III आस रोड, न्यू कलासि-
पालयम ले औट (डिविशन नं० 39) बैंगलूर-2।

क्षेत्रफल $40' \times 80' = 3200$ वर्ग फीट

सीमा :—

पूः सैट नं० 66

प : सैट नं० 64

उ : सैट नं० 55

द : आस रोड

दस्तावेज नं० 5176/74-75 ता० 25-2-75

आर० क्रिष्णामूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज बैंगलूर

तारीख :— 4-9-75

मोहर :—

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलोर दिनांक 6 सितम्बर 1975

निवेश सं० सि० भार० 62/3813/74-75— यतः मुझे
भार० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है। और जिसकी सं० 12 है, जो यादवगिरि एक्सटेनशन, मैसूर में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मैसूर (दस्तावेज नं० 3953/74-75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-2-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. श्रीमती केमपमा पत्नी श्री के० भीमय्या ठेकेदार, एन० आर० मोहल्ला, मैसूर
(अन्तरक)
2. श्री एच० एस० सिद्धपा सेट्टी मण्डी मोहल्ला, मैसूर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में या-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 12, यादवगिरी एक्सटेनशन मैसूर

23'

ध्रुवफल 85' + —— × 54' = 2916 वर्ग फीट

2

पूर्व : विवेकानन्दा रोड

पश्चिम : दूसरों की सम्पत्ति

उत्तर : दूसरों की सम्पत्ति

दक्षिण : कास रोड

दस्तावेज नं० 3953/74-75 ता० 17-2-75

श्रीमती कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलोर

तारीख :— 6-9-75

मोहर :—

प्रूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलोर
बंगलोर, दिनांक 10 सितम्बर, 1975

निदेश सं० सी०आर०-62/3800/74-75—यतः मुझे
आर० कृष्णमूर्ति,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 7 और 7/1 है, जो I क्रास, कैम्पगोड एक्स-
टेंशन में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
गांधी नगर, बंगलोर (दस्तावेज नं० 4873/74-75) में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, 7-2-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे
अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए

यतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथाति:—

1. श्री एस० अशोक कुमार अवस्थक द्वारा श्री० नट-
वरलाल (संरक्षक) नं० 8, लेडी कर्जन रोड सिविल
स्टेशन, बंगलोर-1

2. (1) हरजीवनदास एम० शाह (2) बीरेन्द्र एच०
शाह (3) किरत एच० शाह (4) अजित एच० शाह
(5) भारत एच० शाह 7/1, I क्रास के० जी० एक्सटेंशन
बंगलोर सिटी।
(अन्तरिती)

3. (1) प्रकाश ड्रैस मैन्यूफैक्चरिंग कम्पनी (2) गोविन्द-
स्वामी (3) एच० एम० शाह (4) नन्दा मुवीस
(वह व्यक्ति जिसके अधिमोग में सम्पत्ति
है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 7 और 7/1, I क्रास, कैम्पगोडा एक्सटेंशन, बंगलोर
सिटी।

धनात्र 27'9"×77'=2136.75 वर्ग फीट

इमारत 18 वर्ग प्रति दो मन्जिला

सीमा :—

पूर्व : नं० 486, I क्रास, के० जी० एक्सटेंशन।

पश्चिम : I क्रास, कैम्पगोडा एक्सटेंशन

उत्तर : 5'-2" की लेन

दक्षिण : नं० 8, कैम्पगोडा एक्सटेंशन रोड, I क्रास।

दस्तावेज नं० 4873/74-75 दिनांक 7-2-75।

आर० कृष्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बंगलोर।

तारीख : 10-9-1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एम० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख 10 सितम्बर, 1975

निदेश सं० सी०आर०-62/4010/74ब75—यतः मुझे,
आर० कृष्णमूर्ति,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिसकी सं० 68/2 है, जो 1 मैन रोड, शेशाद्रिपुरम, बंगलूर-20 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गान्धीनगर, बंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 19-2-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पच्छह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती कुसुम श्रीनिवास जन्म, नं० 3, राजभवन रोड, बंगलूर-1 (अन्तरक)

2. श्रीमती 1.) बी० के० ललिता (2) बी० के० ऊषा (3) बी० के० गीता (4) एस० के० वेंकटेश (5) (5) बी० के० गायत्री, 13, कृष्ण ब्लाक मैन रोड, शेशाद्रिपुरम, बंगलूर 20। (अन्तर्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करसा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कौई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टाकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खाली जगह नं० 68/2, I मैन रोड, शेशाद्रिपुरम, बंगलूर-20।

क्षेत्रफल : 150' 47 $\frac{1}{2}$ ' + 40

————— 6562 वर्ग फीट

2

दस्तावेज नं० 5028/74-75 ता० 19-2-1975।

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 10 सितम्बर, 1975।

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलौर

बैंगलौर, तारीख 16 सितम्बर 1975

निदेश सं० सी०आर०-62/3797/74-75—यतः मुझ,
आर० कृष्णमूर्ति

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और और जिसकी सं० 8/2 और प्लाट नं० 4 है, जो व्यालस रोड बैंगलौर-1 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गान्धी नगर, बैंगलौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-2-75 (दस्तावेज नं० 4836/74-75) को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः प्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पी० डी० सुरेन्द्र सुपुत्र पी० एस० देवदास द्वारा पी०ए० होलडर पी० एस० देवदास, नं० 1, आर० वी० कुमार पार्क बेस्ट बैंगलौर-20 (अन्तरक)

2. (1) पी० डी० रवीन्द्र सुपुत्र पी० एस० देवदास 275-डी, 37 क्रास, VIII ब्लाक, जयनगर, बैंगलौर-11 (2) पी० डी० शेलेन्ड्र सुपुत्र पी० एस० देवदास नं० 1, आर० वी० ले आउट, कुमार पार्क बेस्ट, बैंगलौर-20 (अन्तरिती)

3. एसिस्टेंट मिलिट्री एस्टेट माफीसर, कब्बन रोड, बैंगलौर-1 (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैतस्तात्त्वी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 8/2 और प्लाट नं० 4, व्यालस रोड, बैंगलौर-1।

प्लाट का क्षेत्रफल :—31'-2½"+29' 2½" 57'+58'

2 2

= 3450 वर्ग फीट।

नं० 8/2 की सीमा

उ० : प्लाट नं० 5-ए

द० : प्लाट नं० 8/3 लथानडिन्गा, इत्यादि

पू० : कामन ग्राउण्ड व्यासेज

प० : कामन ग्राउण्ड रेशर स्टोर केस, प्लाट नं० 8/3 प्लाट नं० 4

पं : कानटर रोड

पू० : कामन ग्राउण्ड

उ० : प्लाट नं० 3

द० : प्लाट नं० 5।

दस्तावेज नं० 4836/74-75 तारीख 5-2-1975।

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलौर

तारीख : 16-9-75।

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख 17 सितम्बर, 1975

निवेश सं० ए०सी०व्य०-२३-८-५४४ (२२७)/ए८०/७५-७६

—यतः मुझे जै० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० सर्वे नं० 126, एफ०पी० नं० 247, सब प्लाट नं० 2, म्य० सेन्सस नं० 984/2 टी०पी० स्कीम नं० 6 है, जो पालडी, अहमदाबाद में स्थित है (और इसे उपावद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है;

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रातः अब उक्त अधिनियम, की, धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात्—

1. श्री भरत कुमार कान्तीलाल शाह, अभिलाशा फ्लैट्स के सामने, जैन मर्चेंट्स सोसायटी के पीछे एलिस-ब्रिज, अहमदाबाद। (अन्तरक)

2. श्री धनसुखभाई कान्तीलाल शाह, पुष्पनाथ सोसायटी म्यूजियम के सामने, पालडी, अहमदाबाद। (3) श्री जीतेन्द्र भाई

12- 276G/1/75

कान्तीलाल शाह, अभिलाशा फ्लैट्स के सामने, जैन मर्चेंट्स सोसायटी के पीछे, एलिस ब्रिज, अहमदाबाद (4) महेशभाई कान्तीलाल शाह, सौराष्ट्र सोसायटी, एलिस-ब्रिज, अहमदाबाद (5) इन्द्रबनभाई कान्तीलाल शाह, सौराष्ट्र सोसायटी, एलिस-ब्रिज, अहमदाबाद (6) श्री भुकुल भाई कान्तीलाल शाह, सौराष्ट्र सोसायटी, एलिस-ब्रिज, अहमदाबाद। (अन्तरक)

2. (1) श्री बालभाई भगवानदास पटेल, चौपीरोग अस्पताल के सामने, बेरामपुरा, अहमदाबाद। (2) अमरुत-भाई बंशरामभाई डेसाई, हवा भुवन, दयूब-वेल स्टेशन के सामने, बेरामपुरा, अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताभारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

दप्टरीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दो मंजिले वाली सम्पत्ति जो 825 वर्ग गज भूमि पर स्थित है और जिसका सर्वे नं० 126, एफ०पी० नं० नं० 247, सब प्लाट नं० 2, म्य० सेन्सस नं० 984/2, है और टी०पी० स्कीम नं० 6 है और पालडी, अहमदाबाद में स्थित है।

जै० कथूरिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 17-9-1975

नोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 सिसम्बर 1975

निर्देश सं० ए०सी०क्य०-२३-I-५६८(२२)/१६-६/७५-

७६—यतः मुझे, जे० कथूरिया, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 15, है, जो रामकृष्ण नगर, मुख्य स्वामी विवेकानन्द रोड, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ती अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से उसके दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के, वीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर के दायित्व में करी भरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती लीलाबाई रामचन्द्र भाटिया, गंगा विहार, सरदार नगर, राजकोट। (अन्तरक)

2. (1) श्री चंदूलाल शांतिलाल महेतो, (2) श्री दलीचंद शांतिलाल महेतो, 'प्लाट नं० 15, रामकृष्ण नगर, मुख्य स्वामी विवेकानन्द रोड, राजकोट। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दो मंजिल वाली अचल सम्पत्ति जो 173-3-0 वर्ग गज भूमि पर स्थित है और जो प्लाट नं० 15, रामकृष्ण नगर, मुख्य स्वामी विवेकानन्द रोड पर, राजकोट में स्थित है और सीमाएं निम्नलिखित हैं :—

पूर्व: धूसरे की सम्पत्ति

पश्चिम: मुख्य स्वामी विवेकानन्द रोड,

उत्तर: प्लाट नं० 14,

दक्षिण: प्लाट नं० 15 का भाग।

जे० कथूरिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 17-९-1975

मोहर:

प्र० आई० टी० एल० एस० —————

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 2 सितम्बर 1975

निवेश सं० डी० एल० आई०/20/74-75/—यतः मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खाली प्लाट न० 31-सी० जो कि डी० एल० एफ० इंडस्ट्रीयल इस्टेट न० 1 फरीदाबाद मथुरा रोड पर स्थित है (और इससे उपावस्था अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मुख्य अधिकारी मै० डी० एल० एफ० सिमिटेड, 40-एफ० कनाट प्लेस, नई दिल्ली-110001 (अन्तरक)
2. श्रीमती सरोज गुप्ता, पत्नी श्री सुरेन्द्र गुप्ता, 5225, शोरा कोठी, पहाड़गंज, नई दिल्ली-55 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्स्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिकारी के पास लिखित में लिए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खाली प्लाट न० 31-सी जोकि डी० एल० एफ० इंडस्ट्रीयल इस्टेट न० 1, मथुरा रोड, फरीदाबाद में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकर विलेख न० 147, फरवरी 1975 में सब-रजिस्ट्रार दिल्ली के कार्यालय में लिखा है।

विवेक प्रकाश मिनोचा
सक्षम प्राधिकारी
तारीख : 2-9-75 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मोहर :

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

प्र० श्री आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 12 सितम्बर 1975

निदेश सं० सी० एच० डी० 19/75-76/—यतः मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० एस० सी० ओ० न० 66-67 है तथा जो सैक्टर 17-बी० चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहें था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उधपद्धारा (1)-के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सर्वथी

- (i) जय प्रकाश पुत्र जानकी दास
- (ii) सीता राम पुत्र बाबा राम
- (iii) रघुबीर चन्द्र पुत्र बाबू राम
उन के मुख्यत्वारं ओम
श्री केशो राम पुत्र श्री लोडिन्दा राम द्वारा
- (iv) मिस चन्द्रल कुमारी पुत्री केशो राम
निवासी मकान न० 17, सैक्टर 19-ए,
चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. सर्व श्री (i) अजीत सिंह अरोड़ा पुत्र श्री बी०

एल० अरोड़ा, मकान न० 38 पदापुकुर

रोड़ा, कलकत्ता-20।

(i) हरदीप सिंह पुत्र मान सिंह

(ii) श्रीमती सुहेन्द्र कौर पुत्री डा० लाभ सिंह

(iv) श्रीमती पवित्र कौर पुत्री ईश्वर सिंह

(v) संगत सिंह पुत्र सुरजीत सिंह

(vi) जसमिन्द्र सिंह, नावालग पुत्र मान सिंह

(vii) कुलीन्द्र सिंह नावालग पुत्र मान सिंह

(viii) परमजीत सिंह नावालग पुत्र मान सिंह

(ix) हरपाल सिंह नावालग पुत्र संगत सिंह

(x) सत पाल सिंह नावालग पुत्र संगत सिंह
अजीत सिंह अरोड़ा, 38 पड़ा पुकुर रोड, कलकत्ता। (अन्तरिती)

3. दी० एजेंट

सिन्हाकेट बैंक

सैक्टर-17,

चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति,

जिसके अधि-

भोग में सम्पत्ति

हैं)।

4. मै०हरियाणा स्टेट माईनर इरीगेशन (वह व्यक्ति जिसके (ट्यूबवैल) कारपोरेशन लिमिटेड, वारे में अधोहस्ताधरी एस० सी० ओ० न० 66-67, जानता है कि वह सैक्टर 17-बी०, सम्पत्ति में हितवृद्धि चण्डीगढ़।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस० सी० ओ० न० 66-67, सैक्टर 17-बी०, चण्डीगढ़।

विवेक प्रकाश मिनोचा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख : 12-9-1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बम्बई

दिनांक 11 सितम्बर, 1975

निर्देश सं० अ० ई० 5246/9/74-75—अतः मुझे जै० एस० मेहरा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 5 बम्बई, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० न० 39 हि० न० (5) है, जो गोवडी-बोरला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-2-75 को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः—

1. श्री (1) अमरनाथ डब्ल्यू० पाटील

(2) विजया ए० पाटील

(3) नवीन ए० पाटील,

(4) कामीनी ए० पाटील

(5) हेमांगी ए० पाटील,

(6) सुचेता ए० पाटील

(अन्तरक)

2. मेसर्स वैभव बिलडर्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई उपनगर जिले में रजिस्ट्रेशन उस जिले के ग्राम गोबन्डी-बोरला बम्बई में वर्तमान और व्यवस्थित तमाम भूभाग अथवा भूभाग का वह भाग, जिसकी पैमाइश 800 वर्ग गज अर्थात् 660.88 वर्ग मीटर या इसके समकक्ष है तथा जिसकी सर्वेक्षण सं० 39, विलेख सं० 5-ए है तथा जिसकी सीमायें इस प्रकार घिरी हुई हैं :—

उत्तर में या उत्तर दिशा में भूप्लाट सर्वेक्षण सं० 39 विलेख सं० 1 (पार्ट) है,

दक्षिण में या दक्षिण दिशा में 60/चोटी समक्ष है,

पूर्व में या पूर्व दिशा में सर्वेक्षण सं० 39 हिस्सा सं० 5 (पार्ट) है और

पश्चिम में या पश्चिम दिशा में सर्वेक्षण सं० 39 हिस्सा सं० 1 (पार्ट) है।

ज० एम० मेहरा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 5, बम्बई

तारीख : 11-9-1975

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज 5, बम्बई

बम्बई, तारीख 11 सितम्बर 1975

निर्देश सं० आई० 5/247/10/74-75—यतः मुझे, जे०
 एम० मेहरा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज
 5, बम्बई।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
 इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
 की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
 यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
 उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
 और जिसकी सं० है, जो गोवन्दी-बोरला में स्थित है (ओर
 (ओर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण
 अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-2-1975
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
 दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
 यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
 उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
 प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
 अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
 अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
 अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
 चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्तः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री (1) यशवन्त डब्ल्यू० पाटील (अन्तरक)
- (2) मानेक य० पाटील
- (3) विंडग य० पाटील
- (4) मीता य० पाटील
- (5) पराग य० पाटील

- 2. मैसर्स थैम्ब बिल्डर्स (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
 दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई उपनगर जिले में रजिस्ट्रेशन उप जिले के ग्राम गोवन्दी
 बोरला बम्बई में वर्तमान और अवस्थित तमाम भूखण्ड अथवा
 भूभाग अथवा भूस्थल का वह भाग, जिसकी पैमाइश 800 वर्ग
 गज अर्थात् 668.88 वर्ग मीटर या उसके समकक्ष है तथा
 जिसकी सीमाएं इस प्रकार विरी हुई हैं:—उत्तर में या उत्तर दिशा
 में प्लाट सर्वेक्षण सं० 39 हिस्सा सं० 1 (पार्ट) है, दक्षिण में
 या दक्षिणी दिशा में 60/चौड़ी सड़क है, पूर्व में या पूर्व दिशा में
 सर्वेक्षण सं० 39 सर्वेक्षण सं० 1 (पार्ट) है। इस सम्पत्ति की सी० एस० संख्या नहीं है।

जे० एम० मेहरा
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज 5, बम्बई

तारीख : 11-9-1975

मोहर :

प्र० रुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-5, बम्बई।

बम्बई, तारीख 11 सितम्बर 1975

निर्देश सं० श्री० 5/248/74-75/11—प्रतः मुझे ज० एम० मेहरा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-5 बम्बई, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी स० है, जो गोवन्डी-बोरला में स्थित है (ओर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकॉर्ट अधिकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-2-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित

की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री (1) श्री नागेश डब्ल्यू० पाटील (अन्तरक)
(2) प्रमिला एन० पाटील
(3) नौतिन एन० पाटील
(4) काशन एन० पाटील
(5) नोलेश एन० पाटील
2. श्री मैसर्स वैभव बिल्डर्स (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप हो, तो कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आधेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वार्योकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, ओ उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई उपनगर जिले के बम्बई रजिस्ट्रेशन उपजिले के ग्राम गोवन्डा बोरला ग्राम में वर्तमान व अवस्थित वह तमाम भूखण्ड अर्थवा भूभाग या भूस्थल का एक भाग जिसको पैमाइश 800 वर्गगज अर्थत् 688.88 वर्गमीटर या उसके समकक्ष है तथा जिसकी सीमायें इस प्रकार घिरी हुई हैं :—

उत्तर में या उत्तर दिशा में भू-प्लाट सर्वेक्षण स० 39 और हिस्सा स० 7 पार्ट, पूर्व से या पूर्व दिशा में सर्वेक्षण स० 20 हिस्सा स० 5 ए० पार्ट और पश्चिम में या पश्चिम दिशा में सर्वेक्षण स० 39 हिस्सा स० 1 पार्ट।

ज० एम० मेहरा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 11-9-75

अर्जन रेंज-5, बम्बई

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-5, बम्बई

बम्बई, तारीख 11 सितम्बर 1975

निर्देश स० ए० 245/5/8/74-75—ग्रतः मुझे जे० ए० मेहरा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और जिसकी स० सी० सर्व० न० 1596 (अंग) है, जो चैम्बूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
15-2-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पञ्चव्युत्पन्न प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- | | |
|---------------------------------|------------|
| 1. श्री श्रीडीगे रंगप्पा शेणायर | (अन्तरक) |
| 2. श्री (1) जेठालाल देवशी | |
| (2) रत्नलाल देवशी | |
| (3) हीरजी देवशी | (अन्तरिती) |

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ, शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिताबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ दूषा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई उपनगर जिले में चैम्बूर में स्थित उप विभाजित प्लाट का वह तमाम भूखण्ड अथवा भूभाग अथवा भूस्थल जिसकी पैमाणा 979. 5 वर्ग गज, 818. 99 वर्ग मीटर के बराबर है या उसके समकक्ष है। रजिस्ट्रेशन उप जिले और जिला बम्बई नगर और बम्बई उपनगर में बम्बई उपनगर योजना सं० 3 रोड सं० 5 का प्लाट सं० 283 का भाग है जिसका सर्वेक्षण सं० 1596 (पार्ट) है तथा जिसकी सीमाएं इस प्रकार हैं :—उत्तर में या उत्तर की ओर नाला है, पूर्व में या पूर्व की ओर प्लाट सं० 283 का भाग है, दक्षिण में या दक्षिण की ओर निजी रास्ता है जो कि प्लाट 8 के लिए प्लाट सं० 283 का दूसरा भाग है तथा जो विक्रेता द्वारा रखा गया है तथा पश्चिम में या पश्चिम की ओर चैम्बूर बम्बई की पांचवीं सड़क है।

जे० ए० मेहरा,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
तारीख : 11-9-1975 अर्जन रेज-5, बम्बई
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंट टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, तारीख 28 अगस्त 1975

निदेश सं० 30 सी०/अर्जन—अतः मुझे विश्वम्भर नाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उद्दिश बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी संख्या 510/135 है तथा जो न्यू हैदराबाद, लखनऊ
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में
रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम, 1908 (18097 1908 का 16)
के अधीन, तारीख 26-8-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिकल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रत्यरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रत्यरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और
(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रस्तुति को अस्तियों, को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रत्यरिती
द्वारा प्रकट मर्ही किया गया या या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए
के प्रत्यरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
13—276 GI/75

1. श्री शीवेन्द्र नाथ सिंह (अन्तरक)
2. श्री प्रदीप कुमार व अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

न्यू हैदराबाद लखनऊ स्थिति, मकान नं० 510/135 जिसकी
माप 2000 वर्ग फीट है।

विश्वम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 28-8-75
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, सखनऊ

सखनऊ, तारीख 27 अगस्त 1975

निदेश नं० 18-सी०/अर्जन—अतः मूल्य विशम्भर नाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है),
की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी संख्या 160 है तथा जो बाईका बाग इलाहाबाद में
स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
14-३-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरङ्ग (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
विभिन्न में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरके के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या क्षम्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अविक्षयों, अर्थात् :—

1. श्री रूपकिशोर श्रीवास्तवा

(अन्तरक)

2. श्रीमती अनन्दायती देवी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के
अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकें।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक किला मकान नं० 160 जिसका रकमा 450 रुप्य गज है। जोकि बाई का बाग इलाहाबाद में स्थित है।

विशम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, सखनऊ

तारीख : 27-8-75

मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री अब्दुल मालूद

(अन्तरक)

2. श्री हकीम व अन्य

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा,
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, तारीख 27 अगस्त 1975

निदेश सं 15-एच०/अर्जन—अतः मुक्त विश्वास नाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी संख्या.....है तथा जो म० बेरिहवा तह०
नौगढ़, बस्ती में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नौगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 17-3-75 को

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्थ्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्त-
रकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, ‘आयकर अधिनियम’, 1961 (1961 का 43) के
अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य
प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम
1922 (1922 का 11) या ‘उक्त अधिनियम’,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब ‘उक्त अधिनियम’, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, ‘उक्त अधिनियम’, की धारा 269-घ की उपधारा
के (1) अधोन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ‘उक्त
अधिनियम’, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि का आधा भाग जो 30 बीघा, 2 बिस्ता 9 बिस्ता सी
है जोकि मौआ बेरिहवा पो० देवरुआ तहसील नौगढ़ जिला
बस्ती में स्थित है।

विश्वास नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 27-8-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती डॉ बूपती अम्माल
तिरुनेलवेली

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती ऊम्मुसालमाल अम्माल,
तुकुकुडी-1

(प्रत्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज 1, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन
लिए कार्यवाहिया करता है।

मद्रास, तारीख 16 सितम्बर 1975

निवेदा सं० XIX/1(1)/1/75-76—यतः, मुझे,

जी० रामनातन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, पहले विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 753, सूतमल्ली गांव, तिरुनेलवेली है, जो में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुनेलवेली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-6-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे पहले विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

उक्त सम्पत्ति के अंजन के संबंध में कोई भी आवेदन:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अन्तर्राज्यीय के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, और उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तिरुनेलवेली जिला, सूतमल्ली गांव एस० सं० 753 में 4.76 एकरखेतीकी भूमि।

जी० रामनातन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 1, मद्रास

भ्रत: प्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 16-9-1975

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, मद्रास
मद्रास, तारीख 16 सितम्बर 1975

निदेश सं० XIX/1(1)/2/75-76— यतः, मुझे,
जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जितको सं० 752, सूतमल्ली गांव, तिश्नेलवेली में और पूर्ण रुप से वर्णित है (और हासे उत्तराबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के कार्यालय, तिश्नेलवेली में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से बम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और हासे कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बाच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती डो० बूपती श्रम्भाल 12, कनकराय महुकु स्ट्रीट, तिश्नेलवेली।

(2) श्री ए० शाहूल हमीद, 109, चिन्हकडे स्ट्रीट, सुतुकुडी।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किस व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्तकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तिश्नेलवेली जिला, सूतमल्ली गांव एस० सं० 752 में 4.85 एकर खेती की भूमि।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, 1, मद्रास

तारीख : 16-9-1975

मोहर :

प्रृष्ठा आई० टी० एन० एस०—

1. श्री याम सुनदर पांडे व अन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, सारीख 29 अगस्त 1975

निवेश सं० 65-आर०/अर्जन—अतः मुझे बिश्वम्भर नाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा
गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी संख्या एस० 21/114-C-1 है तथा जो नील काटेज
मु० मलयहिया वाराणसी में स्थित है (जो इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16
के अधीन, सारीख 7 मार्च, 1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
वृद्धमान प्रतिफल से, ऐसे वृद्धमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने म सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

2. श्री राम चन्द्र सिंह व अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

ल्पव्यक्तिरूपः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० एस. 21/114-C-1 जिसका रकमा
2380 वर्ग फिट है। जोकि नील काटेज मु० मलयहिया जिला
वाराणसी में स्थित है।

बिश्वम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 29-8-75

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एम० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ:

लखनऊ, तारीख 26 अगस्त 1975

निदेश सं० 66-आर०/अर्जन—अतः मुझे विशम्भर नाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-प के
अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से
अधिक है।

मीरजिस्की संघर्ष मकान नं० 16 है तथा जो पुराना लास्कर
लाइन में स्थित है (और इसे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 14 मार्च, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,
1922, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए,

परत : अब उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प
की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथति :—

1. श्री जबर सिंह (अन्तरक)

2. श्री राम शंकर पांडे (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्पंचांशी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदाता किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० 16 जिसका रकमा लगभग 1100
रुपौ फिट है। जो कि पुराना लास्कर लाइन इलाहाबाद में स्थित
है।

विशम्भर नाथ
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 26-8-1975

मोहर :

प्रूप ग्राही टी० एन० एस० —————

(1) श्री नरेन्द्र कुमार शर्मा व अन्य (अन्तरक)

प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-वे (1) के प्रधीन सूचना

(2) श्री बेजन सिंह व अन्य (अन्तर्की)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ
लखनऊ, दिनांक 26 अगस्त 75

निवेश सं० 46 थी/अर्जन—अतः मुझे विश्वास नाथ
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-वे के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस ता उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी 22/28, सी 22) 28ए, और सी 22/28 थी
है तथा जो मु० कबीर चांह वाराणसी में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 31/3/75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से प्रधिक है और प्रतिफल (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की भावत, उक्त
प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-वे के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-वे की उपधारा
(1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथातः—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी
आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्धी व्यक्तियों पर
सूचना की लामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

जुज हिस्सा मकान न० सी 22/28 और
सी 22/28 थी, जिसका कुल रकवा 5030 वर्ग फिट है। जो की
मु० कबीर चौराह शहर वाराणसी में स्थित है।

विश्वास नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 26-8-75

मोहर :

प्रख्युप आई० टी० एन० एस०————

(1) श्री मोहन लाल व अन्य

(अन्तरक)

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री धीर नाथ सिंह

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 6 सितम्बर 1975

निदेश नं० 19 सी/अर्जन—ग्रतः मुझे विश्वभर नाथ, ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० है तथा जो ग्राम लाला पुर निं० वाराणसी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10-3-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा याग्या गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख)ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रन्तसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

14—276GI/75

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषा :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्त्वावधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति हारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता वृष्टिक भूमि जिसका रकबा 0.33 डिं० है। जो कि ग्राम लाला पुर जिला वाराणसी में स्थित है।

विश्वभर नाथ
सक्षम अधिकारी
सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 6-9-75

मोहर :

प्र० रूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री आनन्द पाल चोपड़ा व अन्य (अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मैसर्स गिरराज धरन रस्तोपी एण्ड सन्स (प्रा०)
लि० (अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ
लखनऊ, दिनांक 28 अगस्त 1975

निदेश सं० 22-जी/अर्जन—अतः मुझे विश्वास नाथ प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 124, 127, है तथा जो मन्त्रपुर जि० शाहजहांपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिलहट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17/3/75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के रीच ऐसे प्रत्यरूप के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि मय कोलड स्टोरेज बिल्डिंग के जो कि मन्त्रपुर तह० तिलहट, जि० शाहजहांपुर में स्थित है।

विश्वास नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 28-8-75

मोहर :

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०---

(1) श्री बाबू हन्द्रा प्रकाश व अन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती शान्ति देवी

(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ
लखनऊ, दिनांक 4 सितम्बर 1975

निदेश सं० 77 एस०/अर्जन—अतः मुझे विश्वास नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो धनोरा मन्डी हसनपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 24-3-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत ‘उक्त अधिनियम’ के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या ‘उक्त अधिनियम’ या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मद्द ‘उक्त अधिनियम’ की धारा 269-घ के प्रमुखरण में, मैं, ‘उक्त अधिनियम’ की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अश्वति:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अषोहस्ताकारी के पास लिखित भैं किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ‘उक्त अधिनियम’ के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान का 1/2 भाग जो कि हसनपुर, धनोरा मन्डी, जिला मुरादाबाद में स्थित है।

विश्वास नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख 4-9-75

मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस०——

(1) श्री श्री बाबू सुधीर कुमार व अन्य (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री परम सिंह

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 4 सितम्बर 1975

निदेश सं० 39-पी/अर्जन—अतः मुझे विश्वासम् भर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० है तथा जो धनीरा मन्डी हसनपुर में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुगादावाद में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 24-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ गोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मफान का 1/2 भाग जो कि हसन पुर धनीरा मन्डी जिका मुगादावाद में स्थित है।

विश्वासम् भर नाथ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 4-9-1975

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री विश्वन दास व अन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री टेक चन्द व अन्य

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 26 सितम्बर 1975

निदेश नं० 11--टी०/अर्जन—अतः मुझे विश्वन्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं०—है तथा जो मु० अयोध्यागंज कस्बा उन्नियानी जि० बदायूँ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्: —

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

प्रष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता तीन मंजिला इमारत (कंबल टाकीज) का 215 वां भाग जिसका रकवा 1571 वर्ग गज है तथा जो मु० अयोध्या गंज कस्बा उन्नियानी जिला बदायूँ में स्थित है।

विश्वन्भर नाथ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज लखनऊ

तारीख: 26-9-75

मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, तारीख 26-8-75

निदेश सं० 7-ओ/अर्जन—ग्रतः मुझे विश्वास नाथ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० है तथा जो मो० अयोध्या गंज कस्बा
उन्नियानी बदायूँ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16 के अधीन, दिनांक 3-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ह्रै किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

ग्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रन्तुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विश्वन दास व श्रन्य

(अन्तरक)

(2) श्री ओम प्रकाश

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृष्टाभारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ।—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक किता तीन मञ्जिला इमारत (केवल टाकीज) का 1/5
भाग जिसका रकबा 1571 वर्ग गज है। जो कि मो० अयोध्या
गंज कस्बा उन्नियानी जि० बदायूँ में स्थित है।

विश्वास नाथ
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 26-8-75

मोहर:

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

भूवैज्ञानिक परीक्षा, 1976

नई दिल्ली, दिनांक 11 अक्टूबर 1975

सं० एफ० 5/2/74-ई०-I (बी०) भारत के राजपत्र दिनांक 11 अक्टूबर, 1975 में इस्पात और खान मंत्रालय द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार नीचे पैरा 2 में उल्लिखित वर्गों के पदों पर भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बन्दरबंध, कलकत्ता, कटक, विल्ली, दीसपुर, (गोहाटी), हंद्राबाद, अयपुर, मद्रास, नागपुर, पटियाला, पटना, श्रीनगर तथा लिंबेन्द्रम में 15 जून, 1976 से एक सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी।

आयोग यदि चाहे तो, परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा उसके प्रारंभ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश प्राप्त उम्मीदवारों को परीक्षा की समय सारणी तथा स्थान अवश्य स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा (विंशेष उपाध्य II का पैरा 10)।

2. इस परीक्षा के परिणामों के आधार पर जिन सेवा वर्गों के लिए भर्ती की जानी है तथा विभिन्न सेवाओं में रिक्तियों की निकटतम संख्याएं नीचे दी जाती हैं :—

वर्ग I:- (भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण, इस्पात और खान मंत्रालय के पद)।

(ii) भू-वैज्ञानिक (कनिष्ठ), क्लास I 52

(इसमें अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित 15 रिक्तियां तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित 8 रिक्तियां सम्मिलित हैं)

(iii) सहायक भू-वैज्ञानिक, क्लास II 16

(इसमें अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित 4 रिक्तियां तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित 3 रिक्तियां सम्मिलित हैं)

वर्ग-II: (केन्द्रीय भूजल बोर्ड, कृषि और सिंचाई मंत्रालय के पद) **

कनिष्ठ जल भू-विज्ञानी, क्लास I 28

**इनमें से अधिकतर रिक्तियां अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के लिए आरक्षित हैं।

उपर्युक्त संख्याओं में परिवर्तन किया जा सकता है।

प्रारंभ में नियुक्तियां अस्थायी आधार पर की जाएंगी। स्थायी रिक्तियां उपलब्ध होने पर उम्मीदवार अपने क्रमानुसार स्थायी रूप से नियुक्त किए जाने के पात्र होंगे।

3. जो उम्मीदवार वर्ग-II के पदों के लिए उबत परीक्षा में अर्हता प्राप्त कर लेते हैं, उन्हें केन्द्रीय भू-जल बोर्ड, (कृषि और सिंचाई

मंत्रालय) में सहायक जल भू-विज्ञानी, क्लास-II के पदों पर नियुक्त करने के लिए भी विचार किया जा सकता है बशर्ते कि रिक्तियों की उपलब्धता की सूचना आयोग को समय पर दे दी जाए।

4. उम्मीदवार उपर्युक्त पैरा 2 तथा 3 में उल्लिखित सभीया किसी एक पद पर नियुक्ति के लिए परीक्षा में प्रवेश हेतु आवेदन कर सकता है। उसे केवल उसी पद/उन्हीं पदों के लिए उम्मीदवार माना जाएगा जिसके/जिनके लिए वह आवेदन करेगा। एक बार आवेदन-पत्र भेजे जाने के बाद सामान्यतः किसी प्रकार के परिवर्तन की अनुमति नहीं दी जाएगी।

यदि कोई उम्मीदवार एक से अधिक वर्ग के पदों के उम्मीदवार की हैसियत से प्रवेश पाना चाहता हो तो भी उसे एक ही आवेदन-पत्र भेजने की आवश्यकता है। उपाध्य II में उल्लिखित शुल्क भी उसे केवल एक बार देना होगा, उस प्रत्येक पद के लिए अलग-अलग नहीं जिसके लिए वह आवेदन कर रहा है।

ध्यान दें :—उम्मीदवारों से प्रेक्षा की जाती है कि वे आवेदन पत्रों में उन पदों का स्पष्टतया उल्लेख करें जिनके बरीयता क्रम में वे विचार किए जाने के इच्छुक हों।

5. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से संबंध पूर्ण विवरण दो रूपये देकर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को मनीश्वार्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीश्वार्डर कूपन पर उम्मीदवार का नाम और पता तथा परीक्षा का नाम बड़े अक्षरों में लिखा होना चाहिए। मनीश्वार्डर के स्थान पर पोस्टल आर्डर या चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन-प्रपत्र आयोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। दो रूपये की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

नोट :—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र भूवैज्ञानिक परीक्षा, 1976 के लिए निर्धारित भुगतान प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। भूवैज्ञानिक परीक्षा, 1976 के लिए निर्धारित आवेदन-प्रपत्रों से इतर प्रपत्रों पर भरे हुए आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

6. भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पास 9 दिसम्बर, 1975 (9 दिसम्बर, 1975 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में तथा अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह और साथसाथ में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 22 दिसम्बर, 1975) तक या उससे पूर्व अवश्य पहुंच जाना चाहिए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

7. उक्त परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को उपाध्य-I में निर्धारित परीक्षा शुल्क का भुगतान उसमें निर्दिष्ट रीति से अवश्य करें।

जिस आवेदन-पत्रों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एकदम अंत्योकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होता जो उपाधिन-I के पैरा 2 के अंतर्गत निर्धारित शुल्क में छूट चाहते हैं।

8. उम्मीदवार द्वारा अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद उम्मीदवारी वापस लेने से संबंध उसके किसी भी अनुरोध को किसी भी परिस्थिति में अस्वीकार नहीं किया जाएगा।

एम० एस० प्रभी,

उप- सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

उपाधिन- I

1. इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को शुल्क के रूप में रु 48.00 (अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु 12.00) के रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल श्राईर, अथवा स्टेट बैंक आफ़ इण्डिया में देय बैंक ड्राफ़ट द्वारा भुगतान अवश्य करें।

आयोग उन उम्मीदवारों के मामलों को छोड़कर जो आवेदन-पत्र भेजते समय विदेशों में रह रहे हों, अन्य विधि से किए गए भुगतान को स्वीकार नहीं करेगा। ऐसे उम्मीदवार निर्धारित शुल्क को संबंध भारतीय मिशनों में जमा कर सकते हैं।

2. आयोग, यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964, को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से प्रदर्जन कर भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है, या वह बर्मा से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, या वह श्रीलंका से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 नवम्बर, 1964, को या उसके बाद भारत आया है श्रीर निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

3. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु जिसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो तो उसे रु 30.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के मामले में रु 8.00) की राशि वापस कर दी जाएगी। किन्तु यदि नियम 7 के नीचे नोट-J की शर्तों के अनुसार परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार का आवेदन-पत्र यह सूचना प्राप्त होने पर अस्वीकार कर दिया जाता है कि वह अर्हक परीक्षा में असफल रहा है अथवा वह उपर्युक्त नोट के उपबन्धों की अपेक्षाओं का अन्यथा पालन नहीं कर सके तो वह शुल्क वापसी का हक्कदार नहीं होगा।

उपर्युक्त व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए अरक्षित रखा जा सकेगा।

उपाधिन- II

उम्मीदवारों को अनुदेश

1. इस नोटिस के पैरा 5 में उल्लिखित रीति के अनुसार इस परीक्षा से संबंध नोटिस, नियमावली, आवेदन-प्रपत्र तथा अन्य विवरण संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं।

उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-प्रपत्र भरने से पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र भी हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती है।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहाँ वह परीक्षा देने का इकूल हो, अंतिम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से संबंध निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती है।

2. (i) उम्मीदवार को आवेदन-प्रपत्र तथा पावती कार्ड अपने हाथ से ही भरने चाहिए। शृंखला या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

(ii) भरा हुआ आवेदन-पत्र तथा पावती कार्ड सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को भेजा जाना चाहिए ताकि वह उनके पास नोटिस में निर्धारित अंतिम तारीख तक अवश्य पहुंच जाए।

नोटिस में निर्धारित तारीख के बाद आयोग को प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

आयोग, यदि चाहे तो, विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह तथा लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवार से इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 9 दिसम्बर, 1975 से पहले की किसी तारीख से विदेश में या अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह तथा लक्षद्वीप में रह रहा था।

जो व्यक्ति पहले ही सरकारी नौकरी में स्थायी या अस्थायी हैंसियत से अथवा आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर निर्माण प्रभारित कर्मचारियों की हैसियत से कार्य कर रहे हैं उन्हें अपने आवेदन-पत्र संबंध विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष की मार्फत ही भेजने चाहिए जो आवेदन-प्रपत्र के अन्त में दिए गए पृष्ठांकन को भर कर उन्हें आयोग को भेज देगा। ऐसे उम्मीदवारों को अपने ही हित में अपने आवेदन-पत्र की अग्रिम प्रतियां सीधे आयोग को भेज देनी चाहिए। यदि इनके साथ निर्धारित शुल्क प्राप्त होता है तो इन पर अंतिम रूप से विचार कर लिया जाएगा किन्तु मूल आवेदन-पत्र सामान्यतः अंतिम तारीख के बाद पन्द्रह दिन के अन्दर आयोग के पास पहुंच जाना चाहिए। किन्तु सरकारी सेवा में पहले से ही लगा कोई व्यक्ति यदि निर्धारित शुल्क के साथ अपने आवेदन-पत्र की अग्रिम प्रति नहीं भेजता है या उसके द्वारा भेजी गई अग्रिम प्रति आयोग के कार्यालय में अंतिम तारीख को या उससे पहले प्राप्त नहीं होती है तो विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष के माध्यम से उसके द्वारा प्रस्तुत किए गए उस आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा जो आयोग के कार्यालय में अंतिम तारीख के बाद प्राप्त होता है।

गैर-सरकारी नीकरी में लगे या सरकारी स्वामित्व वाले श्रीद्योगिक उच्चमों या इस प्रकार के अन्य संगठनों में काम करने वाले दूसरे सभी उम्मीदवारों के आवेदन-पत्र सीधे लिए जा सकते हैं। यदि कोई ऐसा उम्मीदवार अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता की मार्फत भेजता है और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचता है तो उस पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को अंतिम तारीख से पहले प्रस्तुत किया गया हो।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रमाण-पत्र अवश्य भेजने चाहिए:—

- (i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर अथवा बैंक ड्राफ्ट (वेखिए उपांध 1)।
- (ii) आयु के प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें. मी० × 7 सें. मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियाँ।
- (v) जहां लागू हो वहां अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का होने के बावें समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि। (वेखिए नीचे पैरा 4)।
- (vi) जहां लागू हो वहां शुल्क में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (वेखिए नीचे पैरा 5)।

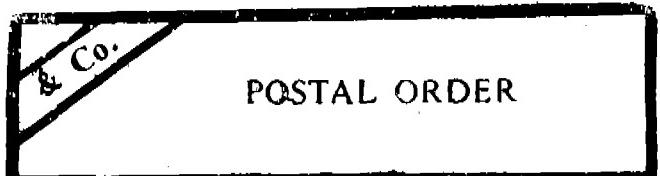
नोट:—उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्रों के साथ उपर्युक्त भव (ii), (iii), (v), तथा (vi) पर उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतिलिपियाँ ही प्रस्तुत करती हैं जो सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा अभिप्राणित हों अथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमाणित हों। जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणामों के आधार पर व्यक्तिस्त्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाने के तुरन्त बाब उपर्युक्त प्रमाण-पत्रों की मूल प्रतियाँ प्रस्तुत करनी होंगी। परिणामों के तब्दील, 1976 के महीने में घोषित किए जाने की संभावना है।

में घोषित किए जाने की संभावना है। उम्मीदवारों को इन प्रमाण-पत्रों को तयार रखा चाहिए और लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाने के तुरन्त बाब आयोग को भेज देना चाहिए। जो उम्मीदवार अरेक्षित मूल प्रमाण-पत्र मांगे जाने पर उस समय नहीं भेजेंगे उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और आगे विचार के लिए उन उम्मीदवारों का कोई बाबा नहीं होगा।

मद (i) से (iv) तक उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे विए गए हैं और मद (v) तथा (vi) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण पैरा 4 तथा 5 में दिए गए हैं।

(i) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल

प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः इस प्रकार रेखांकित किया जाए:—



तथा इस प्रकार भरा जाए : “Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.”

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरुद्धित या कटे फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्टमास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मोहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को अवश्य ध्यान रखना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर न तो रेखांकित किए गए हों और न ही सचिव, संघ लोक-सेवा आयोग को नई दिल्ली के जनरल डाकघर पर देय किए गए हों, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

(ख) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट

बैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक की किसी भी शाखा से प्राप्त किए जाएं और सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक आफ इंडिया, पार्लियमेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली में देय बनाए जाएं तथा विधिवत् रेखांकित हों।

किसी अन्य बैंक में देय बैंक ड्राफ्ट किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरुद्धित या कटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

नोट:—जो उम्मीदवार आवेदन-पत्र भेजते समय विदेश में रह रहे हों, वे निर्धारित शुल्क की राशि (रु० 48.00 के बराबर और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु० 12.00 के बराबर) यथास्थिति उस देश में स्थित भारत के उच्च आयुक्त, राजद्रूत या प्रतिनिधि के कायालिय में जमा करवाएं और उनसे कहा जाए कि वे उस राशि को लेखा शीर्ष “051 Public Service Commission Examination Fees” में जमा कर दें। उम्मीदवार उस कायालिय से रसीद लेकर आवेदन-पत्र के साथ भेजें।

(ii) आयु का प्रमाण-पत्र:—आयोग सामान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या विश्वविद्यालय के समूचित प्राधिकारी द्वारा संग्रहित विश्वविद्यालय

के मैट्रिक पास छात्रों के रजिस्टर के उद्धरण में दर्ज की गई हो। जिस उम्मीदवार ने उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि या समकक्ष प्रमाण-पत्र प्रस्तुत कर सकता है।

अनुदेशों के इस भाग में आए मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित हैं।

कभी कभी मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्षों पर वर्षों और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों की मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अस्तिरिक्त उस संस्था के हैडमस्टर/प्रिसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहाँ से उसने मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के वाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदेशों में निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन पत्र अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में लिखी जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में दी गई जन्म की तारीख से भिन्न हो और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

नोट 1:—जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो, उसे केवल आयु से संबद्ध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

नोट 2:—उम्मीदवारों को अपारं रखने चाहिए कि उनके हारा किसी परीक्षा भूमि प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक और लिखे भेजने और आयोग हारा उसके स्वीकृत हो जाने के बावजूद किसी अगली परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।

(iii) शैक्षिक वैदेयता का प्रमाण-पत्र:—उम्मीदवार को एक ऐसे प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि अवश्य भेजनी चाहिए जिससे इस वात का प्रमाण मिल सके कि नियम ३ में निर्धारित वैदेयता में सेकोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी (प्रधान/प्रशिक्षित/संस्था द्वारा किसी अन्य परीक्षा निकाल) को होना चाहिए जिसमें उसे योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्र या डिप्लोमा की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण अवश्य बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता से संबद्ध अपने दावे के प्रमाण में किसी अन्य प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए। आयोग इस साथ पर उसकी गुणवत्ता के आगे पर विचार करेगा, किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं होगा।

नोट:—यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हक वर्ग में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है। यदि ऐसे उम्मीदवार अन्य वर्ग में प्रवार्तन करते हों तो उन्हें परीक्षा में बैठने विया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अंतिम भानी जाएगी और यदि वे अर्हक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हालत में 30 सितम्बर, 1976 से पहले प्रस्तुत नहीं करते तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है।

(iv) फोटो की दो प्रतियां:—उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लांबांग 5 सें. मी० × 7 सें. मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र पर विपक्ष देनी चाहिए और दूसरी प्रति आवेदन-पत्र के साथ अच्छी तरह नत्थी कर देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्पाही से हस्ताक्षर करने चाहिए।

ध्यान दें:—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ ऊपर पैरा ३ (ii), ३ (iii), और ३ (iv) में उल्लिखित प्रमाण-पत्र आदि में से कोई एक संलग्न न होगा और उसे म भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया गया होगा तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं सुनी जाएगी। यदि कोई प्रमाण-पत्र आदि आवेदन-पत्र के साथ न भेजे गए हों तो उन्हें आवेदन-पत्र भेजने के बाद शीघ्र ही भेज देना चाहिए और वे [ऊपर पैरा ३ (iii) के नोट १ में उल्लिखित स्थिति को छोड़कर] हर हालत में आवेदन-पत्र प्राप्त करने के लिए निर्धारित अंतिम तारीख से एक महीने के भीतर आयोग के कार्यालय में पहुंच जाने चाहिए। यदि ऐसा न किया गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

4. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिसे के, जिसमें उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आम तौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उप-मण्डल अधिकारी या किसी अन्य ऐसे अधिकारी से जैसा कि नीचे उल्लेख किया गया है, जिसे संबद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए गए फ़ार्म में प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहाँ उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से आम तौर पर रहता है।

भारत सरकार के अधीन पद्धतें पर नियमित के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों हारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फ़ार्म।

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी*

सुपुत्र/सुपुत्री* श्री

जो गांव/कस्बा* ————— जिला/
मंडल* ————— राज्य/
संघ राज्य क्षेत्र* ————— के/की* निवासी हैं,
जाति/जन जाति* के/
की* हैं जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित
जन जाति* के रूप में मान्यता दी गई है :—

संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जन जातियां) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जातियां), (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951, संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश 1951 (अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां सूची (आस्थोधन) आदेश, 1956, अन्वर्ष पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम 1970 और उत्तरी पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 द्वारा मध्यसंभीषित)।
संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1956*।

संविधान (अंडमान और निकोबार-नीपसमूह) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1959*।

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962*।

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1962*।

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964*।

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967*।

संविधान (गोआ, दमन और दियू) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1968*।

संविधान (गोआ, दमन और दियू) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1968*।

संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1970*।

2. श्री*श्रीमती/कुमारी*
और/या* उनका परिवार आम तौर से गांव/कस्बा*
जिला/मंडल* ————— में
राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र ————— में
रहते/रहती* हैं।

हस्ताक्षर —————

*पदनाम —————

(कार्यालय की मोहर)

स्थान —————
तारीख

राज्य

संघ राज्य* क्षेत्र

*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट दें

नोट :—यहां 'आमतौर से रहते/रहती है' का अर्थ वही होगा जो 'डिजिस्ट्रेट इन प्राफ़ दि. फ़ीपुल एक्ट, 1950' की धारा 20 में है।

*अनुसूचित जाति/जन जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम प्रधिकारी।

(i). जिला मैजिस्ट्रेट/प्रतिपक्ष जिला मैजिस्ट्रेट/कलेक्टर

डिप्टी कमिशनर/एडीशनल डिप्टी कमिशनर/डिप्टी कलेक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाईपेडरी मैजिस्ट्रेट/फ़िस्टी मैजिस्ट्रेट/सब डिप्टी जनसामाजिक स्टाईपेडर/एक्टनाल मैजिस्ट्रेट कमिशनर।

†(प्रथम श्रेणी के स्टाईपेडरी मैजिस्ट्रेट से कम ऊहवे का नहीं)।

(ii). नीक प्रेसीडेंसी मैजिस्ट्रेट एडीशनल नीक प्रेसीडेंसी मैजिस्ट्रेट + ..

(iii). रेवेन्यू एक्सपर जिसका ऊहदा तहसीलधार से कम नहीं।

(iv). उस इलाके का सब-डिप्टी जनसामाजिक सरकार और या उसका परिवार आमतौर से रहता हो।

(v). एडमिनिस्ट्रेटर/एडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेवेलपमेंट एक्सपर, लकड़ीप..।

5. (i) नियम 6 (ग) (ii) प्रथा 6 (ग) (iii) के अन्तर्गत निर्धारित ग्राम्य स्थान में छूट का वादा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से विस्थायित अवक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से आया तथा लास्तविक विस्थायित अवक्ति है और 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च 1971 से पूर्व प्रवर्जन कर भारत आया है :—

(1). बंडकारम्ब परियोजना के ड्रांगिट केन्द्रों आवास विभाग लाजमों में स्थान सहायता प्रिविशं एकमांडेट।

(2). उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट, जहां वह हस समय निवास कर रहा है।

(3). संबद्ध जिलों में शरणार्थी पुनर्वास कार्य के प्रभारी प्रतिपक्ष जिला मैजिस्ट्रेट।

(4). अपने ही कार्यालय के अधीन संबद्ध संघ-डिप्टीजन का संघ-डिप्टीजनल एक्सपर।

(5). उप शरणार्थी पुनर्वास आयुक्त, परिवास बंगाल/निवेशक (पुम्हासि) कलकत्ता।

यदि वह उपाधन्ध-1 के पंरा 2 के अन्तर्गत शुल्क से छूट चाहता है तो उसको किसी जिला प्रधिकारी से प्रथा सरकार के किसी राजपत्रि प्रधिकारी से प्रथा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह शुल्क के सकले भी स्थिति में नहीं है।

(ii) नियम 6 (ग) (iv) प्रथा 6 (ग) (v) के अन्तर्गत निर्धारित ग्राम्य में छूट का वादा करने वाले श्रीलंका से प्रस्थायित मूलतः भारतीय अवक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिए गए इस आशय के प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964, को या उसके बाद भारत आया है।

यदि वह उपाबन्ध I के पैरा 2 के अन्तर्गत शुल्क में छूट चाहता है तो उसको किसी ज़िला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकते की स्थिति में नहीं है।

(iii) नियम 6 (ग) (vii) अथवा 6 (ग) (viii) के अन्तर्गत निर्धारित आयु सीमा में छूट चाहने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास, रंगून द्वारा दिए गए पहिचान-प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963, को या उसके बाद भारत आया है, अथवा उसे जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके ज़िला मैंजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से आपा द्वारा वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963, को या उसके बाद भारत आया है।

यदि वह उपाबन्ध I के पैरा 2 के अन्तर्गत शुल्क में छूट चाहता है तो उसको किसी ज़िला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकते की स्थिति में नहीं है।

(iv) नियम 6 (ग) (vii) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य टंजानिया से आए हुए उम्मीदवारों को उस क्षेत्र के ज़िला मैंजिस्ट्रेट से जहां वह इस समय निवास कर रहा है, लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वास्तव में उपर्युक्त देशों से आया है।

(v) नियम 6 (ग) (ix) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले गोवा, दमन और दियु के भूतपूर्व पुर्वगाल शासित क्षेत्रों के उम्मीदवारों, को अपनी मांग की पुष्टि के लिए निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए:—

- (1) सिविल प्रशासन का निदेशक
- (2) कौंसिल होस्ट के प्रशासक
- (3) मामलातदार

(vi) नियम 6 (ग) (x) अथवा 6 (ग) (xi) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवारों को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग द्वारा है, महानिदेशक, पुनर्वासन, रक्षा मंत्रालय, से निम्नलिखित निर्धारित फार्म पर इस आशय का एक प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विवेशी शब्द देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग द्वारा और परिणाम स्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म:—

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट के रैक नं. श्री रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विवेशी शब्द देश के साथ संघर्ष में/*अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर
पद नाम
दिनांक

*जो शब्द लागू न हो उसे कृपया काट दें।

(vii) नियम 6 (ग) (xii) अथवा 6 (ग) (xiii) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले उम्मीदवार को, जो सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक, सीमा सुरक्षा दल, गृह मंत्रालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्र की एक प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक शत्रुता संघर्ष के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म:—

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट के रैक नं. सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए सन् 1971 के भारत-पाक शत्रुता संघर्ष के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर
पद नाम
तारीख

6. यदि किसी व्यक्ति के लिए पालता प्रमाण-पत्र (एलिजिविलिटी सर्टिफिकेट) आवश्यक हो तो उसे अभीष्ट पालता प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए भारत के इस्पात श्रीय खान मंत्रालय अथवा कृषि और सिंचाई मंत्रालय को जैसी भी स्थिति हो, आवेदन करना चाहिए।

7. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई झूठा व्यौरा न दें अथवा किसी सही सूचना को न छिपाएं।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत किए गए किसी लेख अथवा प्रति की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें न उसमें परिवर्तन करें और न कोई फेरबदल करें और न ही फेर बदल किए गए झूठे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या अधिक प्रलेखों या उनकी प्रतियों में कोई अशुद्धि अथवा विसंगति हो तो विसंगति के सम्बन्ध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

8. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-प्रपत्र ही अमुक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-प्रपत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

9. यदि परीक्षा से संबद्ध आवेदन-पत्रों के पहुंच जाने की आविर्ती तारीख से एक महीने के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र की पावती न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिए आयोग से तत्काल संपर्क करना चाहिए।

10. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

11. जिन पुस्तिकाओं में अन्य व्यौरों के साथ-साथ पिछली पांच परीक्षाओं के प्रश्न पत्रों का व्यौरा भी सम्मिलित होता है, उनकी बिक्री कण्ट्रोलर आफ पब्लिकेशंस, सिविल लाइन्स, दिल्ली-110006 के द्वारा की जाती है और उन्हें वहां से मेले आर्डर अधिकार नकद भुगतान द्वारा सीधे प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किताब महल, रिवोली सिनेमा के सामने, एम्पोरिया बिल्डिंग, 'सी' ब्लाक' बाबा खड़ग सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001 (ii) प्रकाशन शाखा का बिक्री काउंटर, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001, और (iii) गवर्नर्मेंट आफ इंडिया बुक डिपो, 8-के० एस० राय रोड, कलकत्ता-1, से भी केवल नकद पैसा बेकर

खरीदा का सकता है। ये पुस्तकाएं विभिन्न मुफ्सिल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती हैं।

12. आवेदन-पत्र से संबद्ध पत्र-व्यवहार:—आवेदन-पत्र से संबद्ध सभी पत्र आवि सचिव, संघ लोक लोक सेवा आयोग, घौसपुर हाउस, शाहजहां रोड, नई दिल्ली-110011 को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा व्यौरा अनिवार्य रूप से दिया जाए:—

1. परीक्षा का नाम
2. परीक्षा का महीना और वर्ष
3. उम्मीदवार का रोल नम्बर, अधिकार जन्म-तिथि, यदि रोल नम्बर, सूचित नहीं किया गया है।
4. उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)।
5. आवेदन-पत्र में दिया गया पत्र-व्यवहार का पता।

ध्यान दें:—जिन पत्रों आवि में यह व्यौरा नहीं होगा, संभवतः उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

13. पते में परिवर्तन:—उम्मीदवार कोइ स बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्र आवि, आवश्यक होने पर, उसको बदले हृए पते पर मिल आया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पंरा 12 में उल्लिखित व्यौरे के साथ, यथा शीघ्र बी जानी चाहिए। आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा पूरा प्रयत्न करता है किन्तु इस विषय में यह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 4th September 1975

No. A 12019/6/74-Admn.II.—In continuation of Union Public Service Commission Notification of even number dated the 12th March, 1975, the Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri B. S. Jain, a permanent Selection Grade Officer of the C.S.S.S. cadre of the Union Public Service Commission and officiating as Section Officer on deputation from the C.S.S.S. cadre in the Commission's office to officiate, on an *ad hoc* basis, as Special Assistant to Chairman, for a further period of six months with effect from 1st September, 1975 or until further orders, whichever is earlier.

Shri B. S. Jain will be on deputation to an ex-cadre post of Special Assistant to the Chairman, Union Public Service Commission and his pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance O.M. No. F.10(24)-E.III/60, dated the 4th May, 1961, as amended from time to time.

P. N. MUKHERJEE,
Under Secretary,
for Chairman,
Union Public Service Commission.

New Delhi-110011, the 5th September 1975

No. A12019/5/74-Admn.II.—In continuation of the Union Public Service Commission's Notification of even number dated 13th June, 1975, the Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri M. S. Chhabra, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the C.S.S. Cadre of the Union Public Service Commission to continue to officiate on an *ad-hoc* basis, as Junior Analyst in the Commission's Office for a further period from 1st September, 1975 to 29th November, 1975 (30th dated the 4th May, 1961, as amended from time to time.

2. Shri Chhabra will continue to be on deputation to an *ex-cadre* post of Junior Analyst and his pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance's O.M. No. F.10(24)-E.III/60, dated the 4th May, 1961, as amended from time to time.

The 6th September 1975

No. A 11013/2/74-Admn. II.—In continuation of the Union Public Service Commission Notifications of even number dated 26th March, 1975 and 17th May, 1975 the Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints the following permanent Section Officers/Assistants of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission to officiate, on an *ad hoc* basis, as Section Officer (Special) in the Commission's

Office for further periods as indicated against each with effect from 1st September 1975 or until further orders:

S. No.	Name	Period	Post held in C.S.S. cadre
1.	Shri V. S. Riat	Six months	Section Officer
2.	Shri B. S. Jagopota	Do.	Do.
3.	Shri J. P. Goel	Do.	Do.
4.	Shri R. N. Khurana	Do.	Do.
5.	Shri S. Srinivasan	Do.	Do.
6.	Shri B. S. Kapur	One month	Do.
7.	Shri B. N. Arora	Do.	Do.
8.	Shri S. K. Arora	Six months	Assistant
9.	Shri H. R. Rishiraj	Do.	Do.
10.	Shri K. L. Katyal	One month	Do.

2. The appointment of the aforesaid officers as Section Officer (Special) will be on deputation and their pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance O. M. No. F. 10 (24)-E. III/60 dated the 4th May 1961 as amended from time to time.

P. N. MUKHERJEE,
Under Secretary
for Secretary.

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION.

New Delhi-110011, the 9th September 1975

No. A.12025 (ii)/2/74 -Admn.III.—Consequent on his re-allocation to the Union Public Service Commission *vide* Cabinet Secretariat (Department of Personnel and Administrative Reforms) O.M. No. 5/40/75-CS(I) dated 29th May, 1975 the President is pleased to appoint Shri O. P. Gumber, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the same cadre with effect from the 11th August, 1975 until further orders.

P. N. MUKHERJEE,
Under Secretary,
(Incharge of Administration)
Union Public Service Commission.

New Delhi-110011, the 2nd September 1975

No. A.32013/1/75-Admn.I.—Shri T. N. Channa, a permanent officer of the Section Officer's Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, appointed to officiate in Grade-I of the Service and Under Secretary, Union Public Service Commission *vide* this office Notification No. A.32013/1/75-Admn.I dated the 11th August, 1975 relinquished charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of 21st August, 1975.

2. On his reversion, Shri T. N. Channa resumed charge of the office of Section Officer, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of 21st August 1975.

The 11th September 1975

No. A.32013/1/75-Admn.I.—Shri R. R. Ahir, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service

Commission, appointed to officiate in Grade I of the service, *vide* this office Notification No. A.32013/1/75-Admn.I dated 30th June, 1975 relinquished charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 29th August, 1975.

2. On his reversion, Shri R. R. Ahir, resumed charge of the office of Section Officer, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 29th August, 1975.

P. N. MUKHERJEE,
Under Secretary,
Union Public Service Commission.

CABINET SECRETARIAT
(DEPARTMENT OF PERSONNEL AND
ADMINISTRATIVE REFORMS)
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 11th September 1975

No. M-19/65-AD.V.—The Director, CBI and Inspector General of Police, SPE is hereby appoints Shri H. C. Patro, Crime Assistant CBI as officiating Office Supdt. for the period from 11th June, 1975 (A.N.) to 28th July, 1975 (E.N.).

G. L. AGARWAL,
Administrative Officer(E)
Central Bureau of Investigation.

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 9th September 1975

No. 2/21/75-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri Brahm Dutt, a permanent Assistant of the Central Vigilance Commission, as Section Officer in the Commission, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 8th September, 1975, until further orders.

B. V. DIGHE,
Under Secretary,
for Central Vigilance Commissioner.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 11th September 1975

No. P/S (74)-Ad. I.—The President is pleased to appoint the following officers of the Uttar Pradesh Civil Service (Executive Branch) as Deputy Directors of Census Operations, Uttar Pradesh in a temporary capacity, with effect from the dates as shown against them, until further orders:

S. No.	Name of officer	Date of appointment	Head-quarter
1.	Shri Dinesh Prakash ... Saxena,	28-8-75 (FN)	Lucknow
2.	Shri Sarabjit Singh	2-9-1975 (FN)	Lucknow

No. P/S(69)-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Hirday Kumar Sinha an officer of the Bihar Civil Service as Deputy Director of Census Operations, Bihar in a

temporary capacity with effect from the forenoon of 19th August, 1975 until further orders.

2. The headquarters of Shri Sinha will be at Patna.

BADRI NATH,
Deputy Registrar General, India &
ex-officio Deputy Secretary.

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANTS GENERAL,
ANDHRA PRADESH-I

Hyderabad-500004, the 2nd September 1975

No. E.B.I./8-312/74-76/208.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote pro forma Shri S. Raman-II a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 30th December, 1974 FN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

No. E.B.I./8-312/74-76/210.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote pro forma Shri J. Chandrasekharan a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 15th December, 1973 FN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

R. CHANDRASEKARAN,
Sr. Deputy Accountant General (Admn)
for Deputy Accountant General

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT DEFENCE
SERVICES

New Delhi-110001, the 11th September 1975

No. 3217/A-Admin/130/75.—Shri K. B. Ramachandran, a substantive member of the SAS of the Audit Department, Defence Services, on deputation to Andaman and Nicobar Administration has been allowed "Proforma Promotion" as Audit Officer in the Department with effect from 24th March, 1975, until further orders.

Smt. GIRIJA ESWARAN,
Sr. Dy. Director of Audit, D.S.

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR,
SOUTHERN RAILWAY

Madras-600003, the 11th September 1975.

No. A.64/C/XII/12109.—The name of Shri S. Rama-nathan, Audit Officer, Southern Railway, Madras has been removed from the rolls with effect from 29th August, 1975 consequent on his demise on 28th August, 1975.

K. P. JOSEPH,
Chief Auditor.

SHRAM MANTRALAYA
SHRAM BUREAU
Simla-171004, the 11th October 1975

No. 23/3/75-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base : 1960=100 decreased by three points to reach 321 (Three hundred and twenty one) during the month of August, 1975. Converted to base :

1949=100 the Index for the month of August, 1975 works out to 390 (Three hundred and ninety).

A. S. BHARDWAJ
Joint Director

COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION

Dhanbad, the 10th September 1975

No. Admn. 12(13)/G/75.—On his appointment as Physical Training instructor under the Coal Mines Labour Welfare Organisation on *ad-hoc* basis, Shri B. M. Tapaswi, assumed charge of the post on the forenoon of the 6th August, 1975.

R. P. SINHA,
Coal Mines Welfare Commissioner
Dhanbad.

MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-400020, the 4th September 1975

No. CER/3/75.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 22 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CER/3/69, dated the 19th September, 1969, namely :—

In the said Notification :—

(1) After the words 'of art silk' appearing in item (a) of clause (2) to Paragraph I, the words "except the marking required to be made in clause (5) to Paragraph IV below" shall be added.

(2) In paragraph III, clause (2) shall be deleted.

(3) In paragraph IV after clause (4) the following shall be added, namely :—

"(5) The words "BLENDED FABRIC" on cloth manufactured partly from cotton and partly from art silk or partly from cotton and partly from wool.

Further that the manufacturer shall stamp the exact percentage of each of the different types of fibres used in the cloth, *after* the words "BLENDED FABRIC" as illustrated below :

"BLENDED FABRIC—60% cotton 40% polyester"

Provided that where the percentage of any fibre is less than two per cent of the total fibre content in the cloth the percentage of such fibre need not be stamped.

Note—The example given above is only for the purpose of illustration. Manufacturers shall stamp the actual percentage of cotton content or art silk or wool content as the case may be in the blended fabrics, expressed as percentage to the total fibre content, by weight; of both warp and weft in the cloth put together. In case where art silk is used as one of the components its generic name for example nylon, polyester, acrylic, viscose etc., as the case may be, shall be stamped as indicated in the illustration above."

K. P. KAPOOR,
Textile Commissioner
[No. CLBI/4/12B/75 Vol. IV]

MINISTRY OF STEEL & MINES
(DEPARTMENT OF STEEL)
IRON & STEEL CONTROL

Calcutta-700020, the 4th September 1975

No. EI-13(75)/71.—On completion of his period of deputation as Accounts Officer in the office of the Iron and Steel Controller, Calcutta Shri S. C. Bhattacharjee has been granted Earned Leave for 120 days with effect from August 1, 1975.

2. On the expiry of his leave, the services of Shri S. C. Bhattacharjee shall stand placed at the disposal of his parent Department viz. Director of Audit & Accounts, Posts and Telegraphs, Stores, workshops and Telegraph Check, Calcutta.

A. C. CHATTERJEE,
Deputy Director (Administration)

(DEPARTMENT OF MINES)
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700013, the 8th September 1975

No. 5948/B-2031(SA)/19A(Vol.II).—Shri Md. Sajahan Ali, Artist, Geological Survey of India, retired from Government service on superannuation with effect from the 31st May, 1975 (afternoon).

No. 5953/B/2222(RC)/19A.—Shri Ram Chandra, Senior Technical Assistant (Geology), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Geologist in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in a temporary capacity, with effect from the forenoon of the 19th May, 1975, until further orders.

V. K. S. VARADAN,
Director General

ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

New Delhi, the September 1975

CORRIGENDUM

No. 1/5/73-ANT.—The word "Mid" may please be added before the words "Eastern Circle, Patna, Bihar" at Serial No. 1 of the Notification No. 1/5/73-ANT, dated 2nd August, 1975.

N. R. BANERJEE,
Director (ANTIQUITES)
for Director General

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 10th September 1975

No. 4 (28) /75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Kamakshy Ramamoorthy as Programme Executive, All India Radio, New Delhi in a temporary capacity with effect from the 7th August, 1975 and until further orders.

No. 6 (109) /63-SI.—Shri V. Y. Lohakare, *ad-hoc* programme Executive, All India Radio, Nagpur, relinquished charge of his post on the forenoon of 1st July, 1975 on his reversion to the non-Gazetted post of Transmission Executive at the same Station.

SHANTI LAL,
Deputy Director of Administration,
for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 5th September 1975

No. 16-39/74-SI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri A. S. Bhattacharjee Audit Officer, Division Audit Office, N. F. Railways as Accounts Officer in the Medical Stores Depots, Gauhati with effect from the forenoon of 11th August 1975, until further orders.

The 10th September 1975

No. F. 18-12/74-SI.—The President is pleased to appoint Shri Manugat Ram Sharma, Assistant Depot Manager, as Depot Manager, on *ad-hoc* basis, in the Medical Store Depot, Karnal, with effect from the forenoon of 21st August, 1975 and until further orders.

SANGAT SINGH,
Dy. Director Administration (Stores)

New Delhi, the 10th September 1975

No. 11-3/74-Admn.I(Vol.II).—The President is pleased to appoint Shri G. Panchapakesan, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Sectt. Service to officiate in Grade I of the C.S.S. for a period of forty one days with effect from the afternoon of 2nd August, 1975 to the 12th September, 1975 vice Shri K. Venugopal proceeded on leave.

2. The President is also pleased to appoint Shri G. Panchapakesan as Deputy Director (Administration) in this Directorate for the above period.

The 11th September 1975

No. 10-5/74-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri A. K. Dhar in a substantive capacity to the permanent post of Senior Analyst at the Central Food Laboratory, Calcutta, with effect from the 6th November, 1972.

S. P. JINDAL,
Dy. Director Administration (O&M)

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION
(DEPARTMENT OF AGRICULTURE)

DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi-1, the 10th September 1975

No. F.2(7)/70-Estt.(I).—Shri Bharat Singh, Superintendent (Grade II) of the Directorate of Extension is promoted to officiate as Superintendent (Grade I), Class-II (Gazetted) (Ministerial) in the scale of Rs. 700—30—760—35—900, in the Directorate of Extension, Ministry of Agriculture & Irrigation (Department of Agriculture), purely on *ad hoc* basis, with immediate effect up to 29th February, 1976 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

N. K. DUTTA,
Director of Administration.

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION
HEAD OFFICE

Faridabad, the 12th September 1975

No. F. 4-6(40)/75-A.I.—On the basis of the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri C. Radhakrishnan has been appointed as Marketing Officer (Group II) on officiating basis in the Directorate of Marketing & Inspection at Madras with effect from 23rd June, 1975 (F.N.) until further orders.

N. K. MURALIDHARA RAO,
Agricultural Marketing Adviser.

**OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF
CIVIL AVIATION**

New Delhi, the 9th September 1975

No. A32013/2/74EA.—The President is pleased to appoint Shri S. Venkaswamy, Director of Equipment at Headquarters, in a substantive capacity in the post of Deputy Director of Equipment in the Civil Aviation Department, with effect from the 20th June, 1973.

No. A-12034/4/75EA.—Shri M. S. R. Rao, Senior Aerodrome Officer, Madras Airport, Madras retired from Government Service on the 31st August, 1975 A.N. on attaining the age of superannuation.

M. L. HANNA,
Assistant Director of Administration

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Nagpur-440 001, the 26th July 1975

No. 6/75—Consequent upon their appointment as Offg. Administrative Officer/Examiner of Central Excise Accounts, Class II, the following Office Superintendents of Central Excise of this Collectorate assumed charge as Administrative Officer/Examiner of Central Excise Accounts, Class II as indicated below :—

S. No.	Name of Officer	Place of Posting	Date of assumption of charge
S/Shri			
1.	K. V. Motiani	Examiner of Central Excise Accounts, Internal Audit, Hqr. Office, Nagpur.	31-5-75 (A.N.)
2.	Jethagir Ganeshgir	Administrative Officer, Central Excise Division, Gwalior.	9-6-75 (F.N.)
3.	W. L. Manurkar	Examiner of Central Excise Accounts, Internal Audit, Hqrs. Office, Nagpur.	7-7-75 (F.N.)
4.	R. K. Sant	Administrative Officer, Central Excise Division, Bhopal.	5-7-75 (F.N.)
5.	D. A. Bapat	Administrative Officer, Central Excise Division, Office, Ratlam.	10-7-75 (F.N.)

No. 7/75—Consequent upon their appointment as Offg. Superintendents of Central Excise, Class II, the following Inspectors of Central Excise (S.G.) of this Collectorate assumed charge as Superintendent of Central Excise, Class II as indicated below :—

S.No.	Name of Officer	Place of Posting	Date of assumption of charge
S/Shri			
1.	M. B. Pagey	Superintendent (Prev.) C. Ex., Divisional Office, Amravati.	26-5-75 (F.N.)
2.	R. B. Peche	M.O.R. III, Gondia	1-7-75 (F.N.)

3. D. K. Vedi	Superintendent (Prev.) C. Ex. Divisional Office, Ratlam.	28-6-75 (F.N.)
4. S. R. Onmalwar	Superintendent (Tech.) C. Ex., Divisional Office, Ratlam.	2-7-75 (F.N.)
5. B. R. Kaney	M. O. R. II, Sagar.	5-7-75 (F.N.)
6. B.C. Rai	Supdt., (I. G.), C. Ex. Raipur.	1-7-75 (F.N.)
7. J. N. Awasthi	Superintendent (I.G.) C. Ex., Amraoti.	1-7-75 (F.N.)
8. S. K. Tiwari	Superintendent (Tech.) Central Excise, Division II, Nagpur.	1-7-75 (F.N.)

R. N. SHUKLA,
Collector,
Central Excise, M. P. & Vidarbha, Nagpur

Allahabad, the 23rd August 1975

No. 98/1975.—Shri Bans Bahadur Lal Verma, an officiating Office Superintendent posted in the Central Excise Collectorate Hdqrs. Office, Allahabad and appointed to officiate as Administrative Officer of Central Excise, until further orders, in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, *vide* this Office Establishment Order No. 102/1975, dated 19th April, 1975 issued under Endorsement C. No. II(3)30-Et/75, dated 19th April, 1975, as partially modified *vide* this Office Establishment Order No. 201/1975, dated 25th July 1975, issued under endorsement C. No. II(3)117-E/75/27374-92, dated 26th July, 1975, took over charge of the Office of the Administrative Officer of Central Excise, Varanasi in the Central Excise Integrated Divisional Office, Varanasi, on 1st August, 1975 (forenoon), relieving Shri H. C. S. Ahluwalia, Superintendent, Class II of the additional charge.

No. 99/1975.—Shri R. W. Sheetal, officiating Inspector (S.G.) of Central Excise, posted in the Central Excise Collectorate Hdqrs. Office, Allahabad, appointed to officiate as Superintendent, Central Excise, Class II, until further orders, in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, *vide* this Office Establishment Order No. 212/1975, dated 30th July, 1975, issued under Endorsement C. No. II(3)2-Et/75/28088, dated 31st July, 1975, assumed charge of the office of the Superintendent, Central Excise, Class II, in the Central Excise Collectorate Hdqrs. Office, Allahabad on 1st August, 1975 (forenoon).

No. 100/1975.—Shri Ram Suchit Shukla, confirmed Inspector (S.G.) of Central Excise, posted in the Central Excise Integrated Divisional Office, Varanasi and appointed to officiate as Superintendent, Central Excise, Class II, until further orders, in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, *vide* this Office Establishment Order No. 212/1975 dated 30th July, 1975—issued under Endorsement C. No. II(3)2-Et/75/28088, dated 31st July, 1975, assumed charge of the office of the Superintendent, Central Excise, Class II, in the Central Excise Collectorate Hdqrs. Office, Allahabad, on 16th August, 1975 (afternoon).

The 29th August 1975

No. 102/1975.—Shri Chandra Prakash Sharma, confirmed Inspector (S.G.) of Central Excise, posted at Dehradun in the Central Excise Integrated Divisional Office, Saharanpur, and appointed to officiate as Superintendent,

Central Excise, Class II until further orders in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, *vide* this Office Establishment Order No. 212/1975, dated 30th July, 1975, issued under Endorsement C. No. II(3)2-Et/75/28088, dated 31st July, 1975, took over charge of the Office of the Superintendent, Central Excise, Class II at Sambhal in the Central Excise Integrated Divisional Office, Moradabad, on 19th August, 1975 (forenoon), relieving Shri Shahzadey Khan, Superintendent, Class II of the additional charge.

H. B. DASS,
Collector
Central Excise, Allahabad.

Chandigarh, the 4th August 1975

ESTABLISHMENT

No. 58.—Shri K. L. Bajai, Inspector (SG) of Central Excise Collectorate, Chandigarh is appointed until further orders, to officiate as Superintendent of Central Excise Class II in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—EB—880—40—1000—EB—40—1200, Shri K. L. Bajaj took over the charge of the post of Superintendent of Central Excise, Patiala in the forenoon of the 16th June 1975.

No. 59.—Shri J. L. Batra, Inspector (SG) of Central Excise Collectorate, Chandigarh is appointed until further orders to officiate as Superintendent of Central Excise, 880—40—1000—EB—40—1200, Shri Batra took over the charge of the post of Superintendent of Central Excise, Panipat in the afternoon of 28th May, 1975.

No. 60.—Shri R. L. Kapania, Inspector (SG) of Central Excise Collectorate, Chandigarh is appointed until further orders, to officiate as Superintendent Central Excise, Cl. II in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—EB—880—40—1000—EB—40—1200. Shri Kapania took over the charge of the post of Superintendent Central Excise, Class II Bhatinda in the forenoon of 12th June, 1975.

No. 61.—Shri S. N. Khanna, Inspector (SG) of Central Excise Collectorate Chandigarh is appointed until further orders, to officiate as Superintendent Central Excise, Class II in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—EB—880—40—1000—EB—40—1200. Sh. Khanna took over the charge of the post of Supdt. Central Excise, Class II Ambala in the forenoon of 2nd April 1975.

No. 62.—Shri M. S. Bhardwaj, Office Superintendent of Central Excise Collectorate, New Delhi is appointed until further orders to officiate as Administrative Officer, Central Excise, Class II in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—EB—880—40—1000—EB—40—1200. Sh. Bhardwaj took over the charge of the post of Administrative Officer, Central Excise, Class II Patiala in the forenoon of 24th June 1975.

No. 63.—Shri Kirpal Singh, Inspector (SG) of Central Excise Collectorate, Chandigarh is appointed until further orders to officiate as Superintendent Central Excise, Class II in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—EB—880—40—1000—EB—40—1200, Shri Singh took over the charge of the post of Superintendent Central Excise, Class II Jullundur in the forenoon of 16th June, 1975.

No. 64.—Shri Partap Singh, Inspector (SG) of Central Excise Collectorate, Chandigarh is appointed until further orders to officiate as Superintendent Central Excise, Cl. II in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—EB—880—40—1000—EB—40—1200. Shri Singh took over the charge of the post of Superintendent, Central Excise, Class II Moga in the forenoon of 21st May, 1975.

B. K. SETH,
Collector,
Central Excise Collectorate,

OFFICE OF THE ENGINEER-IN-CHIEF
CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 12th September 1975

No. 27-E/M(66)/75-ECII.—Shri P. S. Methon, Executive Engineer, Capital Project Division No. II, Itanagar, Arunachal Pradesh expired on 24th August, 1975.

P. S. PARWANI,
Dy. Director of Admn.
for Engineer-in-Chief.

CENTRAL RAILWAY

V. T.- Bombay, the 6th August 1975

No HPB/220/G/I/AC.—Miss S. D. Prasad, Junior Accounts Officer who was appointed as Probationer in the Indian Rly. Accounts Service *vide* Min. of Railways (Railway Board)'s Notification No. 70E (GR) /1/10/3 dated 18th May 1971 is confirmed as Junior Accounts Officer with effect from 6-7-1972.

B. D. MEHRA,
General Manager

SOUTH EASTERN RAILWAY

Calcutta-700043, the 25th July, 1975

No. P/G/14/300C.—Shri D. L. N. Chenulu is confirmed as Assistant Controller of Stores (Class II) with effect from 16th September, 1972 in the Stores Department.

V. RAMANATHAN,
General Manager

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s.

Kamadhenu Drinks and Distilleries Ltd.

Madras-600006, the 8th September 1975

No. DN/6781/560/37/75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560(3) of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Kamadhenu drinks and distilleries Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Aasturn Rolling Mills Private Limited*

Madras-600006, the 8th September 1975

No. DN/591/560(3)/75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 (3) of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date herof the name of Aasturn Rolling Mills Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Padma Vardhan and Company Private Limited*

Madras-600006, the 8th September 1975

No. DN/5670/560(3)/75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 (3) of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Padma Vardhan and Company Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Sri Venkateswara Pulp and Board Mills Private Limited
Madras-60006, the 8th September 1975*

No. DN/6173/560 (3)/75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 (3) of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Sri Venkateswara Pulp and Board Mills Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

S. SRINIVASAN
Assistant Registrar of Companies
Tamil Nadu

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Betai Agricultural Farm Private Limited.*

Calcutta, the 11th September 1975

No. 22141/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name the Betai Agricultural Farm Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Giks Private Limited.*

Calcutta, the 11th September 1975

No. 25084/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Giks Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Chotanagpur Agricultural & Farming Co. Private Limited*

Calcutta, the 11th September 1975

No. 25276/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Chotanagpur Agricultural & Farming Company Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Uco Woods Crafts Private Limited*

Calcutta, the 11th September 1975

No. 28541/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Uco Woods Crafts Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
D. Mondal Collieries Private Limited.*

Calcutta, the 11th September 1975

No. 26643/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the D. Mondal Collieries Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

S. C. NATH
Registrar of Companies
West Bengal

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Perinad Industrial Bank Limited*

Ernakulam, the 11th September 1975

No. 863/Liq/560(4)/8650/75.—Whereas M/s. Perinad Industrial Bank Limited (In liquidation) having its registered Office at Perinad, Quilon is being wound up;

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that the affairs of the Company have been completely wound up and that Statement of Accounts (returns) required to be made by the liquidator have not been made for a period of six consecutive months;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (4) of Section 560 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), notice is hereby given that at the expiration of three months from the date of this notice the name of Perinad Industrial Bank Limited (In liquidation) will, unless cause is shown to the contrary, be struck off the register and the Company will be dissolved.

P. S. ANWAR
Registrar of Companies
Kerala State

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME

Hyderabad, the 26th August, 1975
INCOME-TAX

No. 404 C. R. No. 2/75 (N)—In exercise of the powers conferred by sub-section 2 of Section 117 of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) the Commissioner of Income-tax, Andhra Pradesh-I, Hyderabad has appointed the following Income-tax Inspector to officiate as Income-tax Officer, Class-II in the time scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date mentioned against his name and until further orders.

S.No.	Name of the Promotee	Place of posting	Date of joining
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	Sri K. Lakshminarayana	ITO (H. Qrs.) (SIB), Office of the Commissioner of Income-tax, Hyderabad.	25-6-75

2. He should note :—

- (i) that his promotion is purely provisional;
- (ii) that he will be liable for reversion if, after a review of the vacancies, it is found that his promotion/appointment is in excess of the vacancies available.
- (iii) that he will be on probation for a period of two years in terms of Notification No. 63/F. No. 22/27/59/ Ad. VI dated 20-11-1963 from the Government of India Ministry of Finance (Department of Revenue), New Delhi. The period of probation may, if found necessary be extended beyond the above period. He would also be liable for reversion if his performance during the said period is not found to be satisfactory.

He has been posted as Income-tax Officer with effect from the date and in the office noted against his name.

K. RAMA RAO,
Commissioner of Income-tax,
Andhra Pradesh-I, Hyderabad.

Hyderabad, the 26th August, 1975

INCOME-TAX

No. 405 C. R. No. 2/75 (N)—In exercise of the powers conferred by sub-section 2 of Section 117 of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) the Commissioner of Income-tax, Andhra Pradesh-II, Hyderabad has appointed the following Income-

tax Inspectors to officiate as Income-tax Officers Class-II in the time scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the dates mentioned against their names and until further orders.

Sl. No.	Name of the promotee	Place of posting	Date of joining
S/Shri			
1.	K. Radhakrishna Murthy	Income-tax Officer, N. Ward, Circle-I, Hyderabad.	26-2-75
2.	P. Singa Rao	Income-tax Officer, B-Ward, Machilipatnam.	28-4-75
3.	P. S. S. Ramachandran	Income-tax Officer, J-Ward, Circle-I, Hyderabad.	10-7-75
4.	N. Jayakar	Income-tax Officer, C-Ward, Circle-I, Kakinada.	19-8-75

2. They should note :

- (i) that their promotion is purely provisional;
- (ii) that they will be liable for reversion if, after a review of the vacancies, it is found that their promotions/appointments are in excess of the vacancies available.
- (iii) that they will be on probation for a period of two years in terms of Notification No. 63/F. No. 22/27/59/Ad. VI dated 20-11-1963 from the Government of India Ministry of Finance (Department of Revenue), New Delhi.

The period of probation may, if found necessary, be extended beyond the above period. They would also be liable for reversion if their performance during the said period is not found to be satisfactory.

They have been posted as Income-tax Officers with effect from the dates and in the offices noted against their names.

K. RAMA RAO,
Commissioner of Income-tax,
Andhra Pradesh-II, Hyderabad.

Hyderabad, the 26th August, 1975

INCOME-TAX

No. 406 C. R. No. 2/75 (N)—In exercise of the powers conferred by sub-section 2 of section 117 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Commissioner of Income-tax, Andhra Pradesh-III, Hyderabad has appointed the following Income-tax Inspectors to officiate as Income-tax Officers Class-II in the time scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-

EB-40-1200 with effect from the dates mentioned against their names and until further orders.

Sl. No.	Name of the promoted	Place of posting	Date of joining
(1)	(2)	(3)	(4)
S/Shri			
1.	D. Venkata Sastry	Income-tax Officer, B-Ward, Mahaboobnagar.	19-6-75
2.	K. Krishna Rao	Income-tax Officer, B-Ward, Chittoor.	25-6-75
3.	V. V. Ramana Rao	Income-tax Officer, OSD, Office of the IAC, Nellore.	15-7-75

2. They should note :

- (i) that their promotion is purely provisional;
- (ii) that they will be liable for reversion if, after a review of the vacancies, it is found that their promotions/appointments are in excess of the vacancies available;
- (iii) that they will be on probation for a period of two years in terms of Notification No. 63/F. No. 22/27/59/Ad. VI dated 20-11-1963 from the Government of India, Ministry of Finance, (Department of Revenue), New Delhi. The period of probation may, if found necessary be extended beyond the above period. They would also be liable for reversion if their performance during the said period is not found to be satisfactory.

They have been posted as Income-tax Officers with effect from the dates and in the offices noted against their names.

K. RAMA RAO,
Commissioner of Income-tax,
Andhra Pradesh-III, Hyderabad.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-

II, MADRAS

Madras-600006, the 3rd September 1975

CORRIGENDUM

No. F. No. 1445/74-75.—The names of the transferees relating to File No. 1445/74-75 published on Saturday, August 2, 1975 in Part III Section I of the Gazette of India at page No 6510 may be read as follows :

1. Sajeev Trust;
2. Vinod Trust;
3. Vinod, Sajeev & Vineeta Trust;
4. Vineetha Trust; and
5. Mrs. Sicy. Thimothy

No. 62, Kerawalla Building, 14th Road, Khar, Bombay.

G. V. JHABAKH
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II Madras

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

- (1) (1) C. Seshagirirao S/o C. B. Jagannadhrara, Kakinda.
 (2) C. B. Jagannadhrara S/o C. Seshagirirao.
 (3) C. N. Ramakrishnarao S/o Seshagirirao, Kakinda.

(Transferor)

- (2) (1) Shri Nallam Subbarao S/o Narayana Rao, Kakinda.
 (2) Shri Nallam Venkanna S/o Narayana Rao Kakinda.
 (3) Shri Nallam Venkata Reddy, Kakinda.
 (4) Shri Nallam Seeramakrishnamurthy, Gollaprolu.
 (5) Shri Nallam Govindarao, Gollaprolu.
 (6) Shri Balla Ramarao, S/ Chinna Venkanna, Gollaprolu.

(Transferee)

Kakinada, the 16th September 1975

Ref. No. Acq. File No. 234 J. No. EG 549/75.—Whereas,
 I, B. V. SUBBARAO,
 being the Competent Authority under section 269B
 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act') have reason to
 believe that the immovable property, having a fair market
 value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No. 1-14/1-13, situated at Vallabhai Street, Kakinada,
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
 1908) in the office of the Registering Officer
 at Kakinada on 31-1-1975
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated
 in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 831 registered before the S.R.O. Kakinada.

B. V. SUBBARAO,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
 Acquisition Range, Kakinada.

Date : 16-9-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) (1) Sri Konala Atchutaramireddy and
(2) Sri Konala Pondurangareddy, Visakhapatnam.
(Transferor)
- (2) (1) Shri Vegulla Krishnarao S/ Ramarao,
(2) Shri Vegulla Sreeramachandramurthy, Rama-
chandrapuram, E.G. Dt.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 16th September 1975

Ref. No. Acq. File No. 233 J. No. EG. 554/RCP/74-75.—
Whereas, I, B. V. SUBBARAO,
being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 16-6-2 & 3 situated at Addalavari Street, Ramachandrapuram
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Ramachandrapuram on 31-1-1975,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule property as per document No. 208 of the Sub-Registrar, Ramachandrapuram.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 16-9-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Chavali Yenadi, S/o Yelamanda, Mallavarappadu Post, Ongole Taluk.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chavali Ramulu, S/o Ayyavaru, Bus Owner,
Near Bustand, Ongole.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 16th September 1975

Ref. No. Acq. File No. 235 J. No. Ong/2/75-76.—Whereas, I, B. V. SUBBARAO, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agl. lands of 6-67 cents situated in Mallavarappadu village panchayat, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ongole on 25-4-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 437 of S.R.O., Ongole.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-9-1975.

Seal :

FORM ITNS

- (1) (1) Shri Pentakota Radha Krishna.
 (2) Shri Pentakota Badari Visalashudu.
 (3) Shri Pentakota Satyavathi.

(Transferor)

- (2) M/s Continental Construction (P) Ltd., Visakhapatnam.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 16th September 1975

Ref. No. Acq. File No. 237 J. No. VSP 217 to 220/75-76.
—Whereas, I, B. V. SUBBARAO,

being the competent Authority under section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Block No. 39 situated at Waltair Ward Near Rama-Krishna Beach, Visakhapatnam,
(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on 28-2-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document Nos. 568, 569, 648 and 649 of the Sub-Registrar, Visakhapatnam.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 16-9-1975

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Chitturi Veera Venkata Bapi Raju, Kakinada.
 2. Shri Chitturi Veerabhadra Swamy, Kakinada.
 3. Shri Chitturi Laxmi Kanta Rao, Kakinada.
 (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1), OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
 ACQUISITION RANGE,
 KAKINADA

Kakinada, the 16th September 1975

Ref. No. Acq.File No. 238.J. No. EG. 605/75-76.—Whereas, I, B. V. Subbarao, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 33-1-3, situated at 17th Ward, Main Road, Kakinada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 28-2-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of the section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17—276GI/75

- (2) Shri Chitturi Kukkuteswararao, Kakinada.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as document Nos. 1443, 1444 and 1445 of the Sub-Registrar, Kakinada.

B. V. SUBBARAO,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Kakinada

Date : 16-9-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 16th September 1975

Ref. No. Acq.File.No. 236 J. No. VSP/221.—Whereas, I, B. V. Subbarao, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 31-31-12 situated at Saibaba Street Dabagardens, Visakhapatnam-4, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on 28-2-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of the section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Pilla Ramarao,
Principal, B.V.K. Junior College,
Dabagardens, Visakhapatnam-4.

(Transferor)

(2) D. V. Ramanamurthy,
Head of the Department of Physics,
Mrs. A.V.N. College,
Visakhapatnam.

(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 591 of the S.R.O., Visakhapatnam.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 16-9-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3rd FLOOR,
NEW DELHI.

New Delhi, the 20th September 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/871/75-76/3719.—Whereas, I, C. V. Gupte

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Plot No. 2-H-12 Block 2 situated at Northern City Extension, Roop Nagar, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 8-5-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Megh Raj s/o Shri Mathura Dass r/o Gurjwala Town, G.T. Road, Opp. Model Town, Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Arhant Kumar Jain s/o Shri Amolak Chand Jain r/o 4216 Sadar Bazar, Deputy Ganj, Delhi.
(Transferee)

(3) Shri Adhishwar Kumar Jain, Shri Ram Dwar Singh and Shri M. K. Jain 2/12 Roop Nagar, Delhi.
(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A 2½ storied building constructed on a plot of land measuring about 288.11 sq. yds. situated at Plot No. H-12, Block 2 Northern city Extension, Roop Nagar, Delhi and bounded as under :—

East : Road 80'
West : Road 15'
North : Property No. 2/11.
South : Road 30'

C. V. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Delhi/New Delhi

Date : 20-9-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Arvind Kumar s/o Shri Ravi Parkash r/o E-25, Kamla Nagar, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
NEW DELHI

New Delhi, the 20th September 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/874/75-76/3719.—Whereas, I, C. V. Gupte, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 share of E-25 situated at Kamla Nagar, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 30-4-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

- (2) Shri Om Parkash, s/o Shri Sant Lal, r/o 25-E, Kamla Nagar, Delhi.
 (Transferee)

- (3) 1. S/Shri Bhikhu Ram, 2. Jindu Ram Bhatia, 3. Devender Kumar Jain, 4. Ravi Kumar Jain, 5. Shyam Sunder Goel, 6. Sardari Lal, 7. Makhan Lal Kishan Chand, 8. Kishan Chand, and 9. Dr. Gopalji Shrivastava all r/o 25-E, Kamla Nagar, Delhi.
 [Person(s) in occupation of the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of a 3½ storeyed building constructed on a plot of land measuring 189 sq. yds. situated at E-25, Kamla Nagar, Delhi.

C. V. GUPTE,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of the 'Said Act', to the following persons namely:—

Date : 20-9-1975

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR
NEW DELHI

New Delhi, the 20th September 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/872/75-76/3719.—Whereas, I, C. V. Gupte, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-52 (first floor) situated at Kamla Nagar, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 26-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ranjit Singh s/o S. Rattan Singh r/o 3 crescent Road, Singapore, through his duly constituted General power of Attorney S. Dayal Singh s/o S. Rattan Singh r/o H. No. 6751 Plot No. 52-E, Kamla Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Nand Lal s/o Shri Pahlaj Mal Gangwani, r/o 129, Main Bazar, Subzi Mandi, Delhi.

(Transferee)

(3) Shri Jaman Dass Tota Ram E-52, Kamla Nagar, Delhi.

[Person(s) in occupation of the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First floor of property No. E-52, Kamla Nagar, Delhi constructed on a plot of land measuring 254.6 sq. yds. comprising of two rooms, one store, two mezzanines floor, one kitchen, one bath one W.C. with all fitting and fixtures.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range II, Delhi/New Delhi.

Date : 20-9-1975

Seal :

FORM ITNS —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAFA ALI ROAD, 3RD FLOOR
NEW DELHI

New Delhi, the 20th September 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/873/75-76/3719.—Whereas, I, C. V. Gupte, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. E-52, (Ground floor) situated at Kamla Nagar, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 21-4-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Ranjit Singh s/o Shri Rattan Singh r/o 3 Crescent Road, Singapore, through his duly constituted General Power of Attorney S. Dayal Singh s/o Shri Rattan Singh r/o House no. 6751, Plot No. E-52, Kamla Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Paras Ram s/o Shri Pahlaj Mal Gangwani, r/o 129, Main Bazar, Subzi Mandi, Delhi.

(Transferee)

(3) Shri Jhaman Dass Tota Ram 52-E, Kamla Nagar, Delhi.

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor of property No. E-52 built on a plot of land measuring 254.6 sq. yds situated at Kamla Nagar, Delhi comprising of one drawing-cum-dining room, two bed room, one basement one kitchen, one both, one latrine, one garage and open courtyard alongwith all fixtures and fittings.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Delhi/New Delhi.

Date : 20-9-1975

Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR
NEW DELHI

New Delhi, the 19th September 1975

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/Jan-II/601(32)/74-75.—
Whereas, I, C. V. Gupte,
being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. E-328, situated at Greater Kailash-I, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 27th Jan 1975,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) 1. Smt. Nand Rani w/o Shri Din Dayal, 2. Rajni d/o Shri Din Dayal and 3. Shri Ashok, s/o Shri Din Dayal Kaicker, r/o C-155, Greater Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Shanta Devi w/o Shri Lachhman Dass, 2. Shri Rajinder Kumar and 3. Shri Ravi Kumar s/o Shri Lachhman Dass r/o C-124, Daya Nand Colony, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferee)

(3) Shri E.W. Lapersonne, Tenant of Ground Floor property No. E-328, Greater Kailash-I, New Delhi.
(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land measuring 208 Sq. yds bearing No. E-328, situated in Greater Kailash-I, New Delhi together with a 2½ storeyed House constructed thereon along with the electric, water, flush fittings, and with the other wooden and steel fittings and fixtures and the said house is bounded as under :—

North : House No. E-330.

South : House No. E-326.

East : Road.

West : Service Road

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Delhi/New Delhi.

Date : 19-9-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Vijoy Kumar Gerota Rathaur, 123, Chittaranjan Avenue, Calcutta.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Ramendra Nath Das, 156, C.I.T. Rd., Flat No. 3, Calcutta-10, & (2) Biswanath Nandi, 23, Shyamaprasad Mukherjee Rd., Calcutta-25.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
CALCUTTA

Calcutta, the 16th September 1975

Ref. No. Ac-27/R-II/Cal/75-76.—Whereas, I, R. V. Lalmaia, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 77, situated in Diamond Harbour Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering office at Sub-Registrar of Assurances, Calcutta on 20-1-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 bigha 3 cottahs along with "Pushpasree Cinema House" (partly 3 storeyed & partly 4 storeyed) being premises No. 77, Diamond Harbour Rd., 'Mouza Purba Barisha, P.S. Behala, Calcutta-8.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

R. V. LALMAIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date: 16-9-1975.

Seal:

FORM ITNS

(1) Shri V.E. CT. Chidambaram Chettiar, S/o Shri Vairavan Chettiar, Viswanathapuram, Ramachandrapuram, Panangudivattam, Pudukkottai Distt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri S. P. Ramanathan, s/o Shri Subramanian Chettiar, Royavaram, Sengeraivattam, Thirumayam Taluk, Pudukkottai Distt.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 18th September 1975

Ref. No. F. 3293/75-76.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TS 5483 & 5484, situated at First Street, Marthandapuram, Pudukkottai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR-I, Pudukkottai (Doc. No. 7/75) on 2-1-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land admeasuring 8880 Sq. ft. (with building) situated at First Street, Marthandapuram, Pudukkottai and bearing T.S. Nos. 5483 and 5484.

G. V. JHABAKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6,

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons namely :—

18—276 GI/75

Date : 18-9-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 18th September 1975

Ref. No. F.2381/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15/24A, situated at Raghupathy Layout, Coimbatore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram (Doc. No. 169/75) on 27-1-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri K. V. Ramakrishnan, S/o Shri K. V. Venkatasappa, "Jaya Ganesh", 6, Raghupathi Lay Out, Coimbatore-11.

(Transferor)

(2) Smt. S. Jothilakshmi, W/o Shri G. Sundararajan, No. 19, Ramalinganagar First Lay out, Coimbatore-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 12.60 cents (with building) situated at Door No. 15/24A, Raghupathy Lay out, Coimbatore (T.S. No. 12/162/71 & Asst. No. 22162; S.C. No. 25890).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 18-9-1975

Seal ;

FORM ITNS

(1) Shri Abdul Salam S/o Shri Nasuruddin R/o Kallu-garhi, Post, R.S. Dasna Majra & Pargana-Dasna, Teh. Ghaziabad, Distt. Meerut.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 5th September 1975

Ref. No. 182/Acq/GBD/74-75/1337.—Whereas, I, F. J. Bahadur, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ghaziabad on 3-1-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Ashok Grah Nirman Samiti Ltd. Ghaziabad Through Secretary, Sri Dharampal S/o Seth Rameshwar Das, R/o 30, Faiz Bazar, Dariaganj, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land measuring six Bighas five Biswa and sixteen Biswansi and half portion of Kachcha House situated at Vill. Dasna, Pargana-Dasna, Teh. Ghaziabad Distt. Meerut transferred for an apparent consideration of Rs. 49,000/-.

F. J. BAHDUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 5-9-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Gurcharan Lal S/o Shri Bhure Lal R/o 128/284, Block 'K', Kidwai Nagar, Kanpur.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 5th September 1975

Ref. No. 260/Acq/Kanpur/74-75/1338.—Whereas, I, F. J. Bahadur, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 20-1-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property House No. 133/M/107, Block 'M', Scheme No. 2, Kidwai Nagar, Kanpur transferred for an apparent consideration of Rs. 70,000/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 5-9-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 5th September 1975

Ref. No. 258/Acq/Knp/74-75/1339.—Whereas, I, F. J. Bahadur, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 4-1-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Devi Prasad S/o Baldeo Sahai R/o 30/9, Maheshwari Mohal, Kanpur. 2. Sri Krishan Gopal S/o Devi Prasad R/o 28/241, Generalganj, Kanpur self and guardian of his son and representative of his brothers Ramgopal & Shivgopal.

(Transferor)

(2) 1. Shri Shyam Sunder, 2. Sri Krishan Gopal, and 3. Sri Jagdish Narain Gupta S/o Badlu Prasad, R/o Ghatampur, Distt. Kanpur.

(Transferee)

(3) Labour Welfare Centre, Juhi, Kanpur.
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable house property No. 127/178, Juhi, Kanpur transferred for an apparent consideration of Rs. 70,000/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 5-9-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 5th September 1975

(1) Shri Banarsi Lal Obrai, S/o Sri Raghunath Rai Obrai R/o 51/4, Block No. 6, Govind Nagar, Kanpur.

(2) 1. Shrimati Satish Kumari Dhawan W/o Sri Kuldeep Chandra Dhawan, and 2. Smt. Ram Saran Dhawan, widow Sri Ram Saran Dhawan, R/o 126/46, Block 'U', Govind Nagar, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. 268/Acq./Knp/74-75./1340.—Whereas, I, F. J. Bahadur, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Kanpur on 29-1-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act to the following person, namely :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property No. 126/46, Block 'U', Govindnagar, Kanpur transferred for an apparent consideration of Rs. 41,000/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 5-9-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ujagar Singh Barar S/o Late Shri Jhanda Singh Barar, R/o Hardwar Road Civil, Dehradun.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th September 1975

Ref. No. 185/Acq/D.DUN/74-75/1341.—Whereas, I, F. J. Bahadur, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 25-1-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

(2) Shrimati Prem Srivastava W/o Dr. R. P. Srivastava R/o 45, Lohar Bagh, Sitapur. Present Address : 57, Race Course, Dehradun.

(Transferee)

(3) Shri Rajinder Kumar A.D.M. (E) Dehra Dun.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of pucca main house No. 7, Hardwar Road, Civil, Dehradun transferred for an apparent consideration of Rs. 40,000/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 4-9-1975

Seal ;

FORM ITNS

(1) Shrimati Rukmani Devi W/o Late Shri Manohar Lal Jaain R/o I, Ajit Pd, Marg, Dehradun.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th September 1975

Ref. No. 187/Acq/D.Dun/74-75/1342.—Whereas, I, F. J. Bahadur, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehra Dun on 29-1-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) 1. Shrimati Reshma Rani Jain W/o Shri Vinod Jain alias V. J. Binney and 2. Sri Vinod Jain alias Shri V. J. Binney S/o Shri Dhanpat Rai Jain, both R/o 22-A, Old Survey Road, Dehradun.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period express later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of multi storeyed shops, Balakhana, residential houses etc. with rights of essements, land appurtenant in property No. 17, Falta Lines, and Multi storeyed property bearing Municipal No. 2, Nardev Shastri Marg, Dehradun transferred for an apparent consideration of Rs. 42,000/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 4-9-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) 1. Shri Nihal Singh, and 2. Sri Dalip Singh S/o Sri Roshan Lal R/o Darjipara, Nai-ki-mandi, Agra.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Shri Prem Singh (Adult) and 2. Sri Maharaj Singh, 3 Om Prakash, 4. Preetam Singh, and 5 Rajesh, (minors) All S/o Sri Ram Dayal through Guardian Smt. Bhuri Devi, mother R/o Teela Gaisingh, Hing-ki-mandi, Agra.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Kanpur, the 4th September 1975

Ref. No. 179/Acq/AGRA/74-75/1343.—Whereas, I, F. J. Bahadur, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 24-1-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property No. 31/282, known as Roshan Bhawan, situated at Collectorate Road, Agra transferred for an apparent consideration of Rs. 40,000/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
19—276GI/75

Date : 4-9-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) S. Attra Singh S/o S. Vatan Singh Ramraj, Teh. Jansath, Distt. Muzaffarnagar, Present Address : Ghaziabad, Teh. Khas, Distt. Meerut.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Seth Kishan Das S/o Shri Uttam Chand R/o 44/3, Mansrowar, Civil Lines, Meerut.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 18th September 1975

Ref. No. 157/Acq/MRT/74-75/1344.—Whereas, I, F. J. Bahadur, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 31-1-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of three storeyed building No. 213, Hal 44/3, Mansrowar, Civil Lines, Meerut transferred for an apparent consideration of Rs. 1,00,000/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Acquisition Range Kanpur.

Date : 18-9-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Chandravadan Ramanlal Patel, Kochrab, Ellisbridge, Ahmedabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 4th September 1975

Ref. No. Acq. 23-I-654(221)/I-1/75-76.—Whereas, I J. Kathuria, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sur. No. 116 & 157, F.P. No. 286/1-B, Sub-Plot No. 4 of TPS No. 20, situated at Kochrab, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ahmedabad, on 10-1-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(2) For & on behalf of Mantrana Co-op. Housing Society Ltd., Behind L. D. Engineering College, Gulbai Tekra, Ahmedabad.

Chairman : Shri Anandprakash Krishnachandra Bhargav, C-15, Bina Flats, Sardar Patel Nagar Road, Ellisbridge, Ahmedabad.

Secretary : Shri Rajendranath Gaurinath Sehgal, 37, Arpan Society, Xaviers School Road, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 400 sq. yards bearing Survey No. 116 and 157, F.P. No. 286/1-B, Sub-Plot No. 4 of T.P.S. No. 20, situated at Kochrab, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated : 4-9-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Rameshchandra Davalbhai Patel,
Kochrab, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 4th September 1975

No. Ref. No. Acq. 23-I-655(222)/I-1/75-76.—Whereas, I, J. Kathuria, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sur. No. 116 & 157, F.P. No. 286/I-B, ¼ share of S.P. No. 5 & 6 TPS-20, situated at Kochrab, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 10-1-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(2) For & on behalf of Mantrana Co-op.
Housing Society Ltd., Behind L. D. Engineering College, Gulbai Tekra, Ahmedabad.
Chairman : Shri Anandprakash Krishnachandra Bhargav, C-15, Bina Flats, Sardar Patel Nagar Road, Ellisbridge, Ahmedabad.
Secretary : Shri Rajendranath Gaurinath Sehgal, 37, Arpan Society, Xaviers School Road, Navrangpura, Ahmedabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 400 sq. yards bearing Survey No. 116 and 157, F.P. No. 286/I-B, Sub-Plot (¼ share) No. 5 & 6 of T.P.S. No. 20, situated at Kochrab, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Dated : 4-9-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009.(1) Smt. Savitaben Ramanlal Patel,
Kochrab, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) For & on behalf of Mantrana Co-op.
Housing Society Ltd., Behind L. D. Engineering Col-
lege, Gulbai Tekra, Ahmedabad.Chairman : Shri Anandprakash Krishnachandra
Bhargav, C-15, Bina Flats, Sardar Patel Nagar Road,
Ellisbridge, Ahmedabad.Secretary : Shri Rajendranath Gaurinath Sehgal, 37,
arpal Society, Xaviers School Road, Navrangpura,
Ahmedabad.

(Transferee)

Ahmedabad-380009, the 4th September 1975

No. Ref. No. Acq. 23-I-656(223)/1-1/75-76.—Whereas, I,
J. Kathuria,

being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. Sur. No. 116 and 157, F.P. No. 286/1-B, Sub-Plot No. 2
of T.P.S. No. 20 situated at Kochrab, Ahmedabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-
tering officer at

Ahmedabad on 8-1-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the Said Act,
in respect of any income arising from the
transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 400 sq. yards bearing
Survey No. 116 and 157, F.P. No. 286/1-B, Sub-Plot No. 2
of T.P.S. No. 20, situated at Kochrab, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated : 4-9-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Jayer & Co. 12B, Netaji Subhas Road, Cal-1.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA.

Calcutta, the 15th September 1975

Ref. No. 280/Acq.R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 1A on 1st floor, situated at 1D, Mandeville Gardens, Cal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sealdah, 24-Pgs, on 6-1-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Kalyani Sen, 1D, Mandeville Gardens, Calcutta-19.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires, later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined to Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1A on 1st floor with all other common rights and facilities annexed to the flat together with 13/207th share in all the piece and parcel on land at premises No. 1D, Mandeville Gardens, Calcutta as per deed No. 19 of 1975 registered before the Sub-Registrar, Sealdah, 24-Pargans.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

L. K. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date : 15-9-1975.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons namely :—

FORM ITNS

(1) M/s. Jayer & Co. 12B, Netaji Subhas Rd., Cal.
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Sreelata Khastgir 1D, Mandeville Gardens, Cal-
cutta-19.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA.

Calcutta, the 15th September 1975

Ref. No. 281/Acq.R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 2A on 2nd floor, situated at 1D, Mandeville Gardens, Cal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Sealdah, 24-Pgs. on 6-1-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any person other interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2A on 2nd floor with all other common rights and facilities annexed to the flat together with 13/207th share in all the piece and parcel of land at premises No. 1D, Mandeville Gardens, Calcutta as per deed No. 20 of 1957 registered before the Sub-Registrar, Sealdah, 24-Parganas.

L. K. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date : 15-9-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Jayer & Co. 12B, Netaji Subhas Rd., Cal.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Manashi Bose, 1D, Mandeville Gardens, Cal-
cutta-19.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th September 1975

Ref. No. 282/Acq.R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 3A on 3rd floor, situated at 1D, Mandeville Gardens, Cal. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sealdah, 24-Pgs. on 6-1-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3A on 3rd floor with all other common rights and facilities annexed to the flat together with 13/207th share in all the piece and parcel of land at premises No. 1D, Mandeville Gardens, Calcutta as per deed No. 21 of 1975 registered before the Sub-Registrar, Sealdah, 24-Parganas.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-III, Calcutta

Date : 15-9-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Jayer & Co. 12B, Netaji Subhas Rd., Cal.
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Dr. Atindra Nath Shee 1D, Mandeville Gardens,
Calcutta-19.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA.

Calcutta, the 15th September 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette of a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

Ref. No. 283/Acq.R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 4A on 4th floor, situated at 1D, Mandeville Gardens, Cal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sealdah, 24-Pgs. on 6-1-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act,' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 4A on 4th floor with all other common rights and facilities annexed to the flat together with 13/207th share in all the piece and parcel of land at premises No. 1D, Mandeville Gardens, Calcutta as per deed No. 22 of 1975 registered before the Sub-Registrar, Sealdah, 24-Parganas.

L. K. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

21—276GI/75

Date : 15-9-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Jayer & Co. 12B, Netaji Subhas Rd., Calcutta,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pramila Patra, 1D, Mandeville Gardens, Calcutta-19.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA.

Calcutta, the 15th September 1975

Ref. No. 284/Acq.R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 5A on 5th floor situated at 1D, Mandeville Gardens, Cal. situated at G. T. Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Sealdah, 24-Pgs., on 6-1-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5A, on 5th floor with all other common rights and facilities annexed to the flat together with 13/207th share in all the piece and parcel of land at premises No. 1D, Mandeville Gardens, Calcutta as per deed No. 23 of 1975 registered before the Sub-Registrar, Sealdah, 24-Parganas.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-III, Calcutta

Date : 15-9-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Jayer & Co., 12B, Netaji Subhas Road, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohini Roy, 1D, Mandeville Gardens, Calcutta-19.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th September 1975

Ref. No. 285/Acq.R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 6A on 6th floor, situated at 1D, Mandeville Gardens, Cal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sealdah, 24-Pgs., on 6-1-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6A on 6th floor with all other common rights and facilities annexed to the flat together with 13/207th share in all the piece and parcel of land at premises No. 1D, Mandeville Gardens, Calcutta as per deed No. 24 of 1975 registered before the Sub-Registrar, Sealdah, 24-Parganas.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range-III, Calcutta

Date : 15-9-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Jayer & Co. 12B, Netaji Subhas Road, Calcutta.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. N. Sen, 1D, Mandeville Gardens, Calcutta.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Calcutta, the 15th September 1975

Ref. No. 286/Acq.R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 7A on 7th floor, situated at 1D, Mandeville Gardens, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sealdah, 24-Pgs., on 6-1-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Flat No. 7A on 7th floor with all other common rights and facilities annexed to the flat together with 13/207th share in all the piece and parcel of land at premises No. 1D, Mandeville Gardens, Calcutta as per deed No. 25 of 1975 registered before the Sub-Registrar, Sealdah, 24-Pargans.

L. K. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under-sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 15-9-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Jayer & Co. 12B, Netaji Subhas Road, Calcutta.
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Sachindra Ch. Chakraborty & Smt. Gita Chakraborty 1D, Mandeville Gardens, Calcutta-19.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA.

Calcutta, the 15th September 1975

Ref. No. 287/Acq. R.II/74-75/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 2B on 2nd floor, situated at 1D, Mandeville Gardens, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sealdah, 24-Pgs., on 6-1-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act,' to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2B on 2nd floor with all other common rights and facilities annexed to the flat together with 10/207th share in all the piece and parcel of land at premises No. 1D, Mandeville Gardens, Calcutta as per deed No. 26 of 1975 registered before the Sub-Registrar, Sealdah, 24-Parganas.

L. K. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date : 15-9-1975.

Seal :

FORM ITNS —————

(1) M/s. Jayer & Co., 12B Netaji Subhas Road,
Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Namita Bhattacharyya 1D, Mandeville Gardens, Calcutta-19.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA.

Calcutta, the 15th September 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 288/Acq.R-III/74-75/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 5B on 5th floor, situated at 1D, Mandeville Gardens, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sealdah, 24-Pgs. on 6-1-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Flat No. 5B on 5th floor with all other common rights and facilities annexed to the flat together with 10/207th share in all piece and parcel of land at premises No. 1D, Mandeville Gardens, Calcutta as per deed No. 27 of 1975 registered before the Sub-Registrar, Sealdah, 24-Parganas.

L. K. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 15-9-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Jayer & Co. 12B, Netaji Subhas Road, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA.

Calcutta, the 15th September 1975

Ref. No. 289/Acq.R-III/74-75/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 6B on 6th floor, situated at 1D, Mandeville Gardens, Cal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sealdah, 24-Pgs., on 6-1-75,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shrimati Santana Bhattacharyya 1D Mandeville Gardens, Calcutta-19.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6B on 6th floor with all other common rights & facilities annexed to the flat together with 10/207th share in all piece and parcel of land at premises No. 1D, Mandeville Gardens, Calcutta as per deed No. 28 of 1975 registered before the Sub-Registrar, Sealdah, 24-Parganas.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date : 15-9-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Jayer & Co., 12B, Netaji Subhas Road, Calcutta.
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shrimati Subha Sarkar 1D, Mandeville Gardens, Calcutta-19.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA.

Calcutta, the 15th September 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 290/Acq.R-III/75-76/Cal.Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 3B on 3rd floor, situated at 1D, Mandeville Gardens, Cal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sealdah, 24- Pgs., on 6-1-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3B on 3rd floor with all other common rights and facilities annexed to the flat together with 10-207th share in all piece and parcel of land at Premises No. 1D, Mandeville Gardens, Calcutta as per deed No. 29 of 1975 registered before the Sub-Registrar, Sealdah, 24-Paraganas.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 15-9-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Jayer & Co. 12B, Netaji Subhas Road, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA.

Calcutta, the 15th September 1975

Ref. No. 291/Acq.R-III/75-76/Cal. Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 7B on 7th floor, situated at 1D, Mandeville Gardens, Cal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sealdah, 24-Parganas on 6-1-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

20—276GI/75

(2) Shri Anghsu Prokash Bhattacharjee, 1D, Mandeville Gardens, Calcutta-19.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7B, on 7th floor with all other rights and facilities annexed to the flat together with 10/207 share in all the piece and parcel of land at premises No. 1D, Mandeville Gardens, Calcutta as per deed No. 30 of 1975 registered before the Sub-Registrar, Sealdah, 24-Parganas.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date : 15-9-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Jayer & Co. 12, Netaji Subhas Road, Calcutta.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th September 1975

Ref. No. 292/Acq.R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 4B on 4th floor, situated at 1D, Mandeville, Gardens, Cal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sealdah, 24-Pgs., on 6-1-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

- (2) (i) Sunil Chandra Chatterjee, (ii) Achala Chatterjee 1D, Mandeville Gardens, Calcutta-19.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4B on 4th floor with all other rights and facilities annexed to the flat together with 10/207 share in all the piece and parcel of land at premises No. 1D, Mandeville Gardens, Calcutta as per deed No. 31 of 1975 registered before the Sub-Registrar, Sealdah, 24 Parganas.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date : 15-9-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Associated Builders and Real Estate Agents, represented by partners Smt. Pushpalata W/O Ratanlal, aged 31 years C/O Tota ram Sagarlal & sons, Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th September 1975

Ref. No. R.A.C.119/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A 2 No. 3 second floor Poonam Apartments Chirag Ali Lane situated at Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on 31-1-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(2) Dr. V. P. Chandrasekhar son of V. P. Parama Sivam, aged 32 years residing at 2-1-74/A Nallakunta, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1.8904% share or portion in the piece and parcel of land bearing Municipal Nos. 5-8-512 to 517 C, situate at Chirag Ali Lane, Hyderabad together with the entire proprietary rights in all that the premises bearing Flat No. A.2 No. 3 second Floor measuring 120 sq. yards or 1085 sq. ft. in the said buildings known as "Poonam Apartments".

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 17-9-1975.

Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 22nd September 1975

Ref. No. RAC. No. 124/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 23,000/- and bearing No. 23-6-17 situated at Shali Banda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 19-1-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Raja Prem Gopal Saincher, Flat No. 23, Madher Kunj at Sardar Patel Road, Secunderabad.
2. Raja Ratan Gopal Saincher, R/o Khas Bagh, Shahali Banda, Hyd.

(Transferor)

(2) Smt. Surajbhan Bhagwati Bai, Nursing & Maternity Home Trust, 2. Sri Madan Mohan S/o Deen Dayal, and Ganesh Pershad & others, R/o 21-7-134 at Mama Tanibake Devadi, Gulzar House, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Ground Floor of the house and land bearing M. No. 23-6-17 at Shahali Banda, Hyderabad. Known as "Shad Mansion". Area : 1628 Sq. Yds.

East : Road to Bela Chandulal.

West : Building No. 23-6-17/12

North : Open land;

South : Public Road.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 22-9-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri P. Bala Narasimha Rao, R/o Ashoknagar,
Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. P. Rajamma, W/o P. Venkatiah, 15-3-97 at
Gouliguda, Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 22nd September 1975

Ref. No. RAC. No. 122/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 258/1 & 260 situated at Gaddiannaram, Villg. Saroongar, Panchayat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad East on 27-1-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property. In Gaddiannaram Village in Saroongar Panchayat Hyderabad East, Tq. Hyderabad, Dist.

Agricultural land in S. No. 258/1 and 260 admeasuring 6785 Sq. Yds.

East : P & T Colony.

South : House and land of P. Venkatiah,

North : Land P. Balaram.

West : Vendor's land.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 22-9-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri P. Bala Narasimha Rao, H. No. 1-10-6 at Ashoknagar, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Sri P. Venkatiah, H. No. 15-3-97 at Gouliguda, Hyderabad.
(Transferee)

(3) M/s. Ajanta Feed Syndicate, Hyderabad.
(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 22nd September 1975

Ref. No. RAC. No. 121/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6-25 situated at Saroona Nagar Grampanchayat Gaddianaram, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Hyderabad on 16-1-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : In Gaddiannaram village, in Saroona Nagar, Panchayat, Hyderabad East. Taq. Hyderabad. Distt.

Agricultural land in S. No. 258/1 and 260 admeasuring 5121 Sq. Yds. with a little house in Saroona Nagar, Panchayat No. 6-23.

East : Neighbours house and P & T Colony.

South : Road.

West : Neighbour's property.

North : Vendor's land.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 22-9-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri P. Bala Narasimha Rao, H. No. 1-10-6 at Ashoknagar, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri P. Balaram, H. No. 15-3-97 at Gouliguda, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 22nd September 1975

Ref. No. RAC. No. 120/75-76.—Whereas, I, **K. S. Venkataraman**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 258/1 & 260 situated at Gaddiannaram, Villg. Saroornagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 23-1-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Gaddiannaram Village in Saroornagar, Panchayat Hyderabad East, Tq. Hyd. Dist.

Agricultural land in S. No. 258/1 and 260 admeasuring 7292 Sq. Yds.

East : P & T Colony.

South : Vendors land.

West : Neighbours property.

North : Hakeem Sathiah's land.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 22-9-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri P. Bala Narasimha Rao, at Ashoknagar, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri P. Anand, R/o 15-3-97 at Gouliguda, Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 22nd September 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. RAC. No. 123/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 258/1 & 260 situated at Gaddiannaram, Villg. Saroornagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 27-1-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property so aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : In Gaddiannaram village in Saroornagar Panchayat, Hyderabad East, Tq. Hyderabad Dist.

Agricultural land in S. No. 258/1 and 260 Admeasuring 5475 Sq. Yds. and bounded as follows :

East : Vendor's land Since sold to Smt. P. Rajamma.

South : House and land belong to Sri P. Venkataiah,

West : Neighbour's property.

North : Land belong to Sri P. Balaram.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 22-9-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) (1) Shri Harchand, (2) Shri Ganpat (3) Shri Harlal
 (4) Shri Lalchand sons of Shri Lunaram Jat R/o
 Moja Dalmani-Jatan, Teh. Suratgarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) (1) Sh. Hari Krishan s/o Basantilal (2) Smt. Devki Devi w/o Om Prakash (3) Smt. Sadavanti w/o Maghiram, (4) Svs. Jaidev and Hemraj R/o Mandi Pillibanga Teh. Suratgarh.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Jaipur, the 9th September 1975

Ref. No. Raj/IAC/Acq/274.—Whereas, I. C. S. Jain, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 9/10 situated at New-mandi, Pillibanga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Suratgarh on 6-2-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 9/10 Sector New Mandi, Pillibanga Tehsil Suratgarh.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

C. S. JAIN
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
 Acquisition Range, Jaipur

Date : 9-9-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Kallashnath Bhargava, Karta of the H.U.F. Consisting of himself, his wife and his son, 4, Vivekanand Marg, Jaipur
(Transferor)
- (2) Shri Ashok Kumar s/o Shri Ram Narain Mahajan O/side Mala Khera Gate, Alwar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

- (3) Public Health Engineering Department, Rajasthan
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Jaipur, the 9th September 1975

Ref. No. Raj/IAC/Acq/275.—Whereas, I, C. S. Jain, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 15 situated at Manu Marg, Alwar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alwar on 7-3-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Portion of Property situated on 15, Manu Marg, Alwar.

C. S. JAIN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 9-9-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Hari Shanker.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jagdish Swaroop & Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 2nd September 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 26J/Acquisition.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop situated at Moh. Madwar Ganj Ujhian Town Distt. Badaun

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Badaun on 26-2-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

double storeyed shop situated at Moh. Madwar, Ujhian Town Distt. Badaun.

BISHAMBHAR NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 2-9-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Yusuf Ali Khan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sadiq Ahamad and Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 19th August 1975

Ref. No. 76-S/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Khasra No. 65 situated at Village Ali Nagar Jagir Distt. Rampur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Teh. Swar Rampur on 3-2-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

A agricultural land measuring 4 Acres 33 Dc. situated at Village Ali Nagar Jagir Distt. Rampur.

BISHAMBHAR NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 19-8-1975
Seal :

FORM ITNS —————

(1) Shri Yusuf Ali Khan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohd. Ahmed & others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 19th August 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the underground—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 60-M/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Khasra No. 65 situated at Vill. Ali Nagar Jagir Ram Pur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ram Pur on 6-12-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

An agricultural Land measuring 4.33 acres is situated at vill. Ali Nagar Jagir Distt. Ram Pur

BISHAMBHAR NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 19-8-75

Seal :

FORM ITMS

(1) Shri. Priti Lata Sen & others.

(Transferor)

NOTICE U/S 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT,
1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Uma Devi Jhunjhunwala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 23rd August 1975

Ref No. 15-U/7/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D 48/193 situated at Misri Pokhra, Varanasi and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 7-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house No. D 48/193 situated at Misri Pokhra Distt. Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range,
Lucknow

Date : 23-8-1975

Seal.

FORM ITNS

(1) Shri Purna Chandra Joshi.

(Transferor)

NOTICE U/S 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT,
1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Krishna Chandra.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 19th August 1975

Ref. No. K-39/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. — situated at Civil Lines, Rampur Bagh, Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on 3-2-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd portion of a double storied house alongwith two shops situated at Civil Lines, Rampur Bagh, Bareilly.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Lucknow

Date : 19-8-75

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Purna Chandra Joshi.

(Transferor)

NOTICE U/S 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT,
1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Narsingh Kumar Modi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

LUCKNOW

Lucknow, the 19th August 1975

Ref No. N-10/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. — situated at Civil Lines, Rampur Bagh, Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on 3-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall, have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd portion of a double storied house alongwith two shops situated at Civil Lines, Rampur Bagh, Bareilly.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Lucknow

Date : 19-8-75

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Purna Chand Joshi.

(Transferor)

NOTICE U/S 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT,
1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Gita Devi Modi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 19th August 1975

Ref. No. 21-G/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. —— situated at Civil Lines, Rampur Bagh, Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on 3-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or

1/3rd portion of a double storied house alongwith two shops situated at Civil Lines, Rampur Bagh, Bareilly.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range.
Lucknow

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely :—

Date : 19-8-75

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009;**

Ahmedabad-380009, the 26th August 1975

Ref. No. Acq. 23-I-576(214)/16-6/74-75.—Whereas, I J. Kathuria,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Lekh No. 181 situated at 5/6, Millpara, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 13-2-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Metha Doshi & Co., through its partners :—
 1. Shri Shantilal Bhudarlar Mehta,
 2. Shri Pravinchandra Harilal Mehta,
 3. Shri Kantilal Bhaichand Mehta,
 4. Shri Hasmukhlal Fulchand Doshi,
 5. Rasiklal Shantilal Mehta,
 6. Shri Dadhyalal Purshotam Mehta,
 7. Shri Fulchand Hansraj Doshi,
 8. Shri Jayantilal Keshavlal Mehta,
 9. Shri Chandulal Shantilal Mehta,
 10. Shri Navinchandra Keshavlal Mehta,
 11. Shri Mahendra Keshavlal,
 12. Shri Kiritkumar Manilal,
 13. Shri Satishchandra Manilal,
 14. Smt. Rajulben Doshi,
5/6 Mill Para, Rajkot.

(Transferor)

- (2) Devindayal Metal Industries Pvt. Ltd.
20/1, Asafali Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land admeasuring 3042-7 sq. yards, bearing Plot No. A and B and Lekh No. 181, situated at 5/6 Mill Para, Rajkot and as fully described in the sale deed.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date 26-8-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Harshadbhai Chandrakant Raval, Dariapur Patel Co-op. Housing Society Ltd., Usmanpura, Ahmedabad-13.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (1) 1. Shri Ramanlal Purshotamdas Patel,
2. Shri Zaverbhai Purshotamdas Patel,
3. Shri Naginbhai Purshotamdas Patel,
4. Shri Rameshchandra Somabhai Patel,
All residing at Bungalow No. 23, Mahadev Nagar Society, Stadium Road, Ahmedabad-14.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR,
HANDILOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 29th August 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A three-storeyed building standing on land admeasuring 231 sq. yards, bearing Final Plot No. 33 and 34 Sub-Plot No. 12-B, situated in T.P.S. No. 15 on Somnath Road, Usmanpura, Ahmedabad.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

J. KATHURIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 4-9-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Nagindas Fatehchand Shah,
Gandhi Road, Pada Pole,
Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jitendra Lalbai Shah,
Pada Pole, Gandhi Road,
Ahmedabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 29th August 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property, with construction, bearing Final Plot No. 860/D, Sub-Plot No. 5, of T.P.S. No. 3, situated at Kochrab, Ahmedabad with total land area of 444 sq. yards.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

J. KATHURIA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date 29-8-1975

Seal.:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 2nd September 1975

Ref. No. Acq. 23-J-530(217)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. Kathuria, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 417, Final Plot No. 320, Sub-Plot No. 15, T.P.S. 22 situated at Vasana, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 14-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) For and on behalf of the firm of M/s. Ajaya Corporation, Partner, Shri Harshkumar Fakirbhai Patel, 10, Krishnakunj, Government Servant Society, Mithakhali, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Deepchhaya Co-operative Housing Society Ltd., Patel Cement Products, Shahpur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 428 sq. yards bearing Survey No. 417, Final Plot No. 320, Sub-Plot No. 15, of T.P.S. No. 22, situated at Vasana, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date 2-9-1975

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 2nd September 1975

Ref. No. Acq. 23-1-531(218)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. Kathuria,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'Said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. S. No. 417, Final Plot No. 320, Sub-Plot No. 12 of T.P.S.
No. 22, situated at Vasana, Ahmedabad
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto) has been transferred
under the Registration Act 1908
(16 of 1908) in the office of Registering Officer at
Ahmedabad on 14-2-1975
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act',
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of 269C of the 'said Act,' I
hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore-
said property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the 'said Act,' to the following per-
sons, namely :—

(1) For & on behalf of the firm of
M/s. M. H. Corporation,
5, Chandan Park, Naranpura, Ahmedabad.
Partner—
Shri Arvindbhai Ishwarlal Shah,
Navdeep Apartment,
Opp: New Telephone Exchange,
Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Deepchhaya Co-op. Housing Society Ltd.,
Patel Cement Products,
Shanpur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 526 sq. yards bearing
Final Plot No. 320, Sub-Plot No. 12, Survey No. 417, of
T.P.S. No. 22, situated at Vasana, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date 2-9-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 20th August 1975

Ref. No. P.R. No. 235/Acq. 23-446/17-3/74-75.—Whereas I, P. N. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sur. No. 455 Hissa 1 & 2 Paiki N.A. land 10016 S. Mts. situated at Modasa-Malpur Road, Modasa, Dist. Sabarkantha (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Modasa on 20-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(1) Gandhi Natverlal Mohanlal,
Gandhi Vrajbhari Mohanlal
C/o. Gandhi & Co. 72, Narrow Street, Fort,
Bombay-1.

(Transferor)

(2) Shri Vaisanaver Coop. Housing Society Ltd.,
Modasa through its President/Chairman Mukund-
Kumar V. Doshi,
Secretary: Biharilal Ramanlal Gandhi, Modasa.
(Transferee)

(3) Nil

(4) Shri Parmanand Punamchand Doshi, 40, Kalyan Nagar Society, Modasa as confirming party.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing S. No. 455 Hissa 1 and 2 Paiki and admeasuring 10016 Sq. meters, situated on Modasa-Malpur Road, Modasa, Dist. Sabarkantha as fully described in sale deed registered under No. 215 on 20-2-1975 by the registering Officer, Modasa.

P. N. MITTAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 20th August, 1975,

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 4th September 1975

Ref. No. P.R. No. 248 Acq. 23-409/19-8/74-75.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sur. No. 213, Paiki, open land 20681 S. Yds. situated at Village Udhna, Taluka Chorasi, Dist. Surat (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 21-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons namely :—

- (1) 1. Smt. Vijayaben widow of Shri Shantilal Manibhai Desai,
 - 2. Smt. Jaymati Gopalji Desai,
 - 3. Smt. Hasumati Gunvantbhai Desai both as daughters of Shri Kantilal Manibhai Desai, Udhna, Surat.
- (Transferor)

- (2) Shri Ramkrishna Industrial Cooperative Services Society, Surat, through its President Gunvantrai Meghalal Desai, Secretary Ashwin Wadilal Dhokar and Committee member Shri Anilkumar J. Shroff.
- (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing Sur. No. 213 paiki and ad-measuring 20691 Sq. yds. situated at Village Udhna Taluka Choryasi, Dist. Surat as fully described in sale deed registered under No. 453 of February, 1975 by the registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 4-9-1975.

Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.**

Ahmedabad-380008, the 4th September 1975

Ref. No. P.R. No. 249 Acq. 23-461/197/75-76.—Whereas, I. P. N. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ward No. 2, Nondh No. 1934/B/4 paiki land 200 Sq. yd. situated at Kshetrapal Road, Majura Gate, Surat (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 27-2-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act,' to the following persons namely :—

24—276GI/75

(1) 1. Shri Pranjivandas Chhotubhai self and as guardian of minors Chetan & Arun.

2. Smt. Viruben Pranjivandas, Kshetrapal Road, Majura Gate, Surat,

(Transferor)

(2) M/s. Bhartiya Organisers through its partners;
1. Smt. Sudhaben Rameshchandra Desai;
2. Smt. Geetaben Thakorbhui Nayak, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing Nondh No. 1934/B/4 in Ward No. 2, admeasuring 200 sq. yds. situated on Kshetrapal Road, Majura Gate, Surat as fully described in registered sale deed No. 911 of February, 1975 of Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date 4th September, 1975

Seal :

FORM ITNS

(2) Shrimati Nirmala devi Jain w/o Shri Raj Kumar Jain, R/o 5 New Grain Mandi, Kota.
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR.

Jalpur, the 10th September 1975

Ref No. Raj/IAC(ACQ)/276.—Whereas, I, C. S. Jain, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion H. No. 30A, situated at Guanpura, Kota, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kota on 12-2-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Yamuna Devi Pathak, R/o Nazafgarh, New Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House No. 30A, Vallab Nagar Extension, Guanpura, Kota as described in conveyance deed dated 10th Jan. 1975 registered in Book No. I Volume No. 282, serial number 163 on 12-2-1975 by sub-registrar, Kota.

C. S. JAIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 10-9-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ramanlal Davalbhai Patel, Kochrab, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009.

(2) For & on behalf of Mantrana Co-op. Housing Society Ltd., Behing L. D. Engineering College, Gulbai Tekra, Ahmedabad.

Chairman : Shri Anandprakash Krishnachandra Bhargav, C-15, Bina Flats, Sardar Patel Nagar Road, Ellisbridge, Ahmedabad.

Secretary : Shri Rajendranath Gaurinath Sehgal, 37, Arpan Society, Xaviers School Road, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 400 sq. yards bearing Survey No. 116 and 157, F.P. No. 286/1/B, Sub-Plot No. 1 of T.P.S. No. 20, situated at Kochrab, Ahmedabad.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

J. KATHURIA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-9-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Harshakumar Ramanlal Patel, Kochrab, Ellisbridge, Ahmedabad.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 4th September 1975

Ref. No. Acq. 23-I-528(225)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. Kathuria, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sur. No. 116 & 157, F.P. No. 286/I/B, Sub-Plot No. 3 of TPS No. 20, situated at Kochrab, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad, on 15-2-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) For & on behalf of Mantrana Co-op. Housing Society Ltd., Behind L.D. Engineering College, Gulbai Tekra, Ahmedabad.

Chairman : Shri Anandprakash Krishnachandra Bhargav, C-15 Bina Flats, Sardar Patel Nagar Road, Ellisbridge, Ahmedabad.

Secretary : Shri Rajendranath Gaurinath Sehgal, 37, Arpan Society, Xaviers School Road, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(a) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 400 sq. yards bearing Survey No. 116 and 157, F.P. No. 286/I/B, Sub-Plot No. 3 of T.P.S. No. 20, situated at Kochrab, Ahmedabad.

J. KATHURIA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 4-9-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jayaben Bhailalbhai Patel, Kochrab, Ellisbridge,
Ahmedabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009.**

Ahmedabad-380009, the 4th September 1975

Ref. No. Acq. 23-I-529(226)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. Kathuria, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Sur. No. 116 & 157, F.P. No. 286/1/B, 1/2 of Sub-Plot T.P.S. No. 20,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad, on 15-2-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(2) For & on behalf of Mantrana Co-op. Housing Society Ltd., Behind L. D. Engineering College, Gulbai Tekra, Ahmedabad.

Chairman : Shri Anandprakash Krishnachandra Bhargav, C-15, Bina Flats, Sardar Patel Nagar Road, Ellisbridge, Ahmedabad.

Secretary : Shri Rajendranath Gaurinath Sehgal, 37, Arpan Society, Xaxiers School Road, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 400 sq. yards bearing Survey No. 116 & 157, F.P. No. 286/1/B, 1/2 of Sub-Plot No. 5 & 6 of T.P.S. No. 20, situated at Kochrab, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 4-9-1975.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 17th September 1975

Ref. No. RAC. No. 118/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 82 and S. No. 463 & 464 at Chintapally, situated at Venkatadripally, (and more fully described in the schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Miryalguda, on 3-1-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

(1) Danavath, Janya S/o Lachya, 2. Danavath-Lakya, S/o —do— 3. Danavath Yeshya, S/o Lachya, 4. Danavath Ratya, S/o Seethram, 5. Danavath Mangath, S/o Rupla, 6. Davath Sakru, S/o Redya. All these are residing at Venkatadri Palem, Thungapadu Post. Miryalguda-Tq. Nalgonda-Dist.

(Transferor)

(2) 1. Parimi-Vcevabhadra Rao, S/o Venkataraju, 2. Tadakamalla Radhakrishna Rao, S/o Sesagiri Rao, 3. Konduru Durgiah, S/o Venkatadri. 4. Malgireddy Narsimhareddy, S/o Malla Reddy, All are residing at Miryalguda, Post Nalgonda Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : A.C. O.11 in Survey No. 82 situated at Venkatadri palem. AC. 2.19 in S. No. 463 situated at Chintapally, AC. 2.30 in S. No. 464 situated at Chintappally.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-9-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri B. N. Badrinath, S/o late Narayananmurthy Rao,
902, Vidyaranyapuram, Mysore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 6th September 1975

Ref. C.R. No. 62/3730/74-75/Acq. / (B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Building and site No. 198, situated at Bannimantap Extension, Mandi Mohalla (opposite Satyanarayana Oil Mills, Mysore), Mysore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Head Quarters Sub-Registrar, Mysore, Document No. 3897/74-75, on 12-2-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) M/s Raja Soap Factory, A Registered partnership firm, represented by one of the partners, Sri K. Akbar Basha, Bannimantap Extension, Mysore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 3897/74-75 dated 12-2-1975)
Building and site No. 198, situated at Bannimantap Extension, Mandi Mohalla, (Opposite : Satyanarayana Oil Mills, Mysore) Mysore-7.

Site area : $90' \times 120' = 10,800$ sq. ft.

Boundaries :

East by site No. 199
West by site No. 197
North by site No. 190
South by road measuring E.—W : 90'
N—S : 120'

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 6-9-1975.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27.**

Bangalore-27, the 6th September 1975

Ref. No. C.R. No. 62/3765/74-75/Acq./B.—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Western portion of vacant residential site No. 3/4, situated at Berlie Street Cross, Langford Town, Bangalore-25, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore-11, Document No. 3835/74-75, on 10-2-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri K. R. Krishnamurthy, S/o Shri K. Ramaiah, 2. Kumaran Satyadeep K. Ramaiah (minor) S/o Shri K. R. Krishnamurthy, represented by his father and natural guardian, Shri K. R. Krishnamurthy, 3/1, Berlie Street Cross, Langford Town, Bangalore-25, (Transferor)

(2) Smt. Shahnaz Begum, Wife of Shri Omer Khayum, No. 27, Alfred Street, Bangalore-25. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 3835/74-75 dated 10-2-1975). Western portion of vacant residential site No. 3/4, Berlie Street Cross, Langford Town, Bangalore-25.
Site area :—

E to W : 40'
N to S(i) : 114'-3" on the Eastern side.
(ii) : 115'-0" on the Western side.

$$114'-3" + 115'-0" \\ 40 \times \frac{114'-3" + 115'-0"}{2} = 4585 \text{sq. ft.}$$

Boundaries :—

North by Vacant land & Police quarters,
South by Berlie Street Cross.
East by Portion of the same site sold to Shri K. Rehman.
West by site No. 3/3, Berlie Street Cross.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bangalore,

Date : 6-9-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 4th September 1975

Ref. No. C.R. No. 62/3766/74-75/Acq./B.—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Eastern portion of vacant residential site No. 3/4, situated at Berlie Street Cross, Langford Town, Bangalore-25, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (46 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore-11, Document No. 3836/74-75, on 10-2-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

25—276 GI/75

(1) 1. Shri K. R. Krishna Murthy, S/o K. Ramaiah, 2, Kumara Satyadeep K. Ramaiah (Minor), represented by his father and natural guardian, Shri K. R. Krishna Murthy, No. 3/1, Berlie Street Cross, Langford Town, Bangalore-25.

(Transferor)

(2) Shri K. Rahman (Mushtaque), Son of late Abdul Gafoor, Timber Merchant, No. 26, New Bamboo Bazar, Bangalore-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 3836/74-75 dated 10-2-1975).

Eastern portion of vacant residential site No. 3/4, Berlie Street Cross, Langford Town, Bangalore-25,

Site area :—

East to West

North of South (i) 113'-6" on the Eastern side.
(ii) 114'-3" on the Western side.

$$40 \times \frac{113' - 6" + 114' - 3"}{2} = 4555 \text{ sq. ft.}$$

Boundaries :—

East : By Cross Road.

West : Portion of the same property sold to Smt. Shahana Begum.

North : Vacant site of Police Quarters and site of Chandre Gouda.

South : Berlie Street Cross.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 4-9-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 5th September 1975

Ref. C.R. No. 62/3784/74-75/Acq./B.—Whereas, I, Krishnamoorthy, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. The property bearing dry land measuring A-G/1-36 comprised in Old Survey No. 197/4, New No. 431, situated at Kempapura Agrahara Village, Hasaba Hobli, Bangalore North Taluk, Bangalore Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Srirampuram, Bangalore, Document No. 3870/74-75, on 7-2-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Muniappa alias Munirangalab, S/o Rangaiah, 2, Rangaiah, S/o, Muniappa alias Munirangalab 3, Chikrangaiah, S/o Shri Muniappa alias Munirangaiah, 4. Hanumarangaiah, S/o Shri Muniappa alias Munirangaiah.

All are residing at Thimmenahalli Village, Magadi Road, Bangalore-560010.

(Transferor)

(2) M/s Amara Jyothi House Building Co-operative Society Ltd., Regd. Office No. 1762, II stage, Rajajinagar, Bangalore-560010.

(Transferee)

Represented by its office bearers :

Shri P. Satyanarayana—Secretary.

Shri K. M. Rangadama Setty—Treasurer.

Shri C. R. Satyanarayana—Director.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 3870 dated 7-2-1975).

The property being dry land measuring one acre and thirty five guntas, comprised in Old Survey No. 197/4, New No. 431, situated at Kempapura Agrahara Village, Kasaba Hobli, Bangalore North Taluk, Bangalore District.

Boundaries :—

East : By the Trust Board land and Trust Board 40' Road

West : By the Trust Board storm water drainage

North : By Trust Board sites

South : By Venkateshwara Griha Nirmana Sahakara Sangha

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bangalore.

Date : 5-9-75,

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27.**

Bangalore-27, the 5th September 1975

Ref. No. C.R. No. 62/3799/74-75/Acq./B.—Whereas, I, Krishnamoorthy, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Commercial building New No. 2 (comprising ground floor and the first floor thereon), Kempegowda Extension Road, I Cross, Bangalore City (Just west to Menaka Talkies), situated at Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Gandhi Nagar, Bangalore Document No. 4872/74-75, on 7-2-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri N. Mahesh Kumar, S/o Shri B. Natverlal, No. 8, Lady Curzon Road, Civil Station, Bangalore.
(Transferor)
- (2) 1. Shri K. S. Viswanathaiah Setty, No. 287, II Block, 11th Cross, Jayanagar, Bangalore-11.

2. Shri K. S. Lakshmi Parthy Setty, S/o Shri K. Suryanarayana Setty, No. 127, R.V. Road, V. V. Puram, Bangalore-4.

3. Shri K. K. Rangaiah, S/o Shri K. S. Krishnaiah Setty, No. 140, II Block, II Main Road, Jayanagar, Bangalore-11.

4. Shri K. Ananda Krishna Gupta, S/o Shri Kurvadi Naranaiah, No. 269, Akkipet, Bangalore-53.
(Transferee)

(3) 1. Sree Prasad Printers.

2. E.S.I. Local Office.

3. Chand Pasha (Furniture shop).

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 4872/74-75 dated 7-2-1975).

Commercial Building New No. 2 (comprising ground floor and the first floor thereon), Kempegowda Extension Road, I Cross, Bangalore City, (Just next to Menaka Talkies).

Site area :

E.W.=26'-5"

N.S.=77'-11"

26'-5" × 77'-11"=2056.56 sq. ft.

The passage 5 feet and 2 inches wide leading to premises bearing Corporation New Nos. 3 and 5 solely and exclusively belongs to the said property bearing New Nos. 3 and 5, Kempegowda Extension Road, I Cross. However, the purchasers herein are permitted to use the said passage for purposes of only ingress and egress to the Schedule property as per plan here to annexed which shall form part of the deed.

The measurements and boundaries are verified by the purchasers herein and accepted as correct and that the Purchasers are not entitled to dispute the correctness of the same at future point of time.

Plinth : Ground floor and 1 floor=16 squares each floor.
Boundaries :

East : By premises bearing Corporation New Nos. 3 (Ground floor) and No. 5 (first floor) Kempegowda Extension Road, I Cross.

West : By Kempegowda Extension Road I Cross.

North : By Menaka Theatre, and on the

South : By passage 5'-2" (five feet and two inches) wide, leading to premises New Nos. 3 and 5, Kempegowda Extension Road, I cross.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 5-9-75.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 3rd September 1975

C. R. No. 62/3808/74-75/Acq./B.—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. The property being a portion of vacant site bearing Municipal No. 340 of part of Plot No. 'F' now separately marked as Plot No. A-1 (Corporation Division No. 24) situated at Bytarayana-pura opposite : G.E.C. Factory on Mysore Road, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Basavanagudi, Bangalore-4, Document No. 5124/74-75, on 21-2-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri M. A. Venkatesh,
S/o M. Anantaramaiah,
No. 8-9, Kengeri Factory Building,
Kengeri, Posts : Bangalore South Tq.,
(Transferor)

(2) Shri Patel Mallaiah,
S/o Kempa Mallaiah,
Belalu village, Thavarekrere Hobli,
Magadi Tq., Bangalore District.
(Transferee)

(3) Nil

(4) Shri Champalal, S/o Mangilal,
Door No. 89, Binny Mill Road, Bangalore-53.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 5124/74-75 dated 21-2-1975)
The property being a portion of vacant site bearing Municipal No. 340 of Part of Plot No. 'F', now separately marked as Plot No. A-1 (Corporation Division No. 24), Bytarayana-pura, Opposite : G.E.C. Factory, on Mysore Road, Bangalore.

Site Area :—

E—W	35 ft.
-----	--------

N—S (ii) 264ft. on the Eastern side.

(ii) 280 ft. on the Western side.

35' × 264' + 280'	2	= 9,520 sq. ft.,
-------------------	---	------------------

Boundaries :—

E : Plot 'A'

W : Remaining portion of Shri M. A. Venkatesh

N : Kempapura Boundary.

S : Mysore Road.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 3-9-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 4th September 1975

C. R. No. 62/3811/74-75/Acq./B—Whereas, I. R. Krishnamoorthy, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Half share in the vacant site bearing No. 65/31, situated at 3rd, Cross Road, New Kalasipalyam Layout (Present Corporation Division No. 39) Bangalore-2, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Basavangudi, Bangalore-4, Document No. 5175/74-75 on 25-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri K. R. Venkataratnam,
S/o late K. S. Rangaiah Setty,
No. 67, 7th Main Road,
4th Block, Jayanagar,
Bangalore-11.

(Transferor)

(2) M/S Prakash Road Lines, (Pvt.) Ltd.,
8/9, Katasipalyam New-Extension,
Bangalore-2,,
(represented by its Managing Director,
Sri Om Prakash Narang).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 5175/74-75 dated 25-2-1975)
Half share in the vacant site bearing No. 65/31, situated at 3rd Cross road, New Kalasipalyam Layout, (Present Corporation Division No. 39), Bangalore-2.

Entire site measuring—

E to W : 40 ft.

N to S : 80 ft.

3,200 sq. ft.

Boundaries—

E : by site No. 66 ft.

W : by site No. 64 ft.

N : by site No. 44 ft. and

S : By cross road.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 4-9-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 4th September 1975

C. R. No. 62/3812/74-75/Acq. / (B)—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Half share in the vacant site bearing No. 65/31, 3rd cross road, New Kalasipalyam layout (Present corporation Division No. 39). Bangalore-2. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore-4 Document No. 5176/74-75. on 25-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri K. V. Kishore S/o Shri K. R. Venkataratnam, No. 67, Main Road, 4th Block, Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferor)

(2) M/s. Prakash Road Lines (P) Ltd., 8/9 Kalasipalyam New Extension, Bangalore-2. Represented by its Managing Director Sri. Omprakash Narang.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 5176/74-75 dated 25-2-1975)

Half share in the vacant site bearing No. 65/31, 3rd Cross, road, New Kalasipalyam Layout, (Present corporation Division No. 39) Bangalore-2.

Entire site measuring:—East to West 40 ft. and North to South 80 ft.

Boundaries :—

E : by site No. 66.

W : by site No. 64.

N : by site No. 44.

S : by cross road.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 4-9-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Kempamma, w/o Sri K. Bheemaiah Contractor, N. R. Mohalla, Mysore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) H. S. Siddappa Setty, Mandi Mohalla, Mysore.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

Bangalore-27

Bangalore-27, 6th September 1975

C.R. No. 62/3813/74-75/Acq./B.—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 12, Yadavagiri extension, Mysore situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Head Quarters, Sub Registrar, Mysore Document No. 3953/74-75 on 17-2-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 3953/74-75 dated 17-2-75).

House No. 12, Yadavagiri extension, Mysore.

85' + 23'
Site area = _____ × 54' = 2916 sq. ft.
2

Bounded on the East. By Vivekananda road.

West. by Private property.

North. by private property.

South. By cross road.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 6-9-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 10th September 1975

C.R. No. 62/3800/74-75/Acq.-(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Commercial building bearing Corporation No. 7 (Ground-floor) and No. 7/1 (First-floor) with all that piece and parcel of land with all the storeyed building standing thereon, 1st Cross, Kempegowda Road Extension, Bangalore City (Next to Menaka Talkies) situated at Bangalore-27, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore Document No. 4873/74-75 on 7-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(1) Shri N. Ashok Kumar (Minor) S/o, Sri Natvarlal, represented by his natural guardian Mr. B. Natvarlal, No. 8, Lady Curzon Road, Civil Station, Bangalore-1.

(Transferor)

(2) S/Shri Harjivandas M. Shah S/o, Maganlal Shah Veerendra H. Shah S/o H. M. Shah, Kiran H. Shah S/o H. M. Shah, Ajit H. Shah S/o H. M. Shah and Bharat H. Shah S/o H. M. Shah, No. 7/1, (Ground-floor) 1st Cross, Kempegowda Extension Road, Bangalore City.

(Transferee)

(3) M/s Prakash Dress Mfg., Co., Sri Govinda Swamy, Sri H. M. Shah M/s Nanda Movies.
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice of the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 4873/74-75 dated 7-2-1975)
All that piece and parcel of land with all the storeyed building standing thereon, bearing Corporation New No. 7 (Ground-floor) and No. 7/1 (First-floor) situate in Kempegowda Extension Road, First Cross, Bangalore City and bounded as follows :—

On the East by: Premises bearing Corporation New Nos. 4 & 6, Kempegowda Extension Road, First Cross, belonging to the vendor herein,

On the West by: Kempegowda Extension Road, 1st Cross,

On the North by: Passage 5 feet 2 inches (five feet—two inches) wide leading to premises bearing New Nos. 4 & 6, and exclusively belonging to the said premises bearing New Nos. 4 & 6, Kempegowda Extension Road, First Cross; and

On the South by: Private property bearing No. 8, Kempegowda Extension Road, First Cross,
and measuring

On the East=27'9" (twenty seven feet nine inches)

On the West=27'9" (twenty seven feet nine inches)

On the North=77 feet (seventy seven feet) and

On the South=77 feet (Seventy seven feet)

Site area = $27'9'' \times 77' = 2136.75$ sq. ft.,

Plinth : 18 squares each in ground-floor and first-floor approximately—to be measured.

R. KRISHNAMOORTHY.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 10-9-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Kusum Srinivas Jannu, No. 3, Rajbhavan road, Bangalore-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27.**

Bangalore-27, the 10th September 1975

C.R. No. 62/4010/74-75/Acq/(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant site bearing Municipal No. 68/2, 1st Main road, Sheshadripuram Bangalore-20, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore Document No. 5028/74-75 on 19-2-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

26-276GI/75

(2) Smt. B. K. Lalitha, Smt. B. K. Usha, Smt. B. K. Geetha, Sri S. K. Venkatesh and Smt. B. K. Gayathri, No. 13, "Krishna Block" 1st Main road, Sheshadripuram, Bangalore-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 5028/74-75 dated 19-2-75)

Vacant site bearing Municipal No. 68/2, 1st Main road, Sheshadripuram, Bangalore-20.

Site area :

East to West : 150'

North to South : (i) 47 $\frac{1}{2}$ ' on the Western side (ii) 40' on the Eastern side.

$$\begin{array}{r} 40' + 47' \\ \hline \end{array} \times 150' = 6562 \text{ sq. ft.}$$

2

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 10-9-1975

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 16th September 1975

C.R. No. 62/3797/74-75/Acq./B.—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8/2, and plot No. 4, Palace Road, Bangalore-1, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore Document No. 4836/74-75 on 5-2-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated is the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri P. D. Surendra, s/o Shri P. S. Devadas, by P.A. holder, P. S. Devadas, No. 1, R. V. Layout, Kumarapark West, Bangalore-20.
(Transferor)

(2) P. D. Ravindra, s/o P. S. Devadas, No. 275-D, 37th Cross, VIII Block, Jayanagar, Bangalore-11 and P. D. Shailendra, s/o P. S. Devadas, No. 1, R. V. Layout, Kumarapark West, Bangalore-20.
(Transferee)

(3) Assistant Military Estate Officer, Cubbon road, Bangalore-1.
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 4836/74-75 dated 5-2-75)
Flat No. 8/2 and plot No. 4 situated on Palace road, Bangalore-1.

Area of the Plot 31' 2 $\frac{1}{2}$ " + 29' 2 $\frac{1}{2}$ " 57' + 58'
x = 3450 sq.ft

2 2

Boundaries for property No. 8/2.

N. Plot No. 5A of P. S. Devadas.

S. Common grounds and stair cases, Flat No. 8/3 landings, passages and sump portico.

E. Common grounds passage, front staircase landing and portico.

W. Common ground rear stair case, flat No. 8/3.

Boundaries for plot No. 4

W. Contour road.

E. Common ground on "A" schedule property.

N. Plot No. 3 in "A" Schedule property.

S. Plot No. 5 in "A" Schedule property.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 16-9-1975

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 17th September 1975

Ref. No. Acq. 23-I-544(227)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 126, F. P. No. 247, Sub-Plot No. 2, Muni. Census No. 984/2 of TPS No. 6 situated at Paladi, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ahmedabad on February, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bharatkumar Kantilal Shah,
Opp : Abhilasha Flats, Behind Jain Merchant Society, Ellisbridge, Ahmedabad.
- (2) Shri Dhansukhbhai Kantilal Shah, Pushpanath Society, Opp : Museum, Paladi, Ahmedabad.
- (3) Shri Jitendrabhai Kantilal Shah, Abhilasha Flats, Behind Jain Merchant Society, Ellisbridge, Ahmedabad.
- (4) Shri Maheshbhai Kantilal Shah, Saurashtra Society, Ellisbridge, Ahmedabad.
- (5) Shri Indravadanbhai Kantilal Shah, Saurashtra Society, Ellisbridge, Ahmedabad.
- (6) Shri Mukulbhai Kantilal Shah, Saurashtra Society, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

- (1) Shri Balubhai Bhagwandas Patel, Opp : Chepirogni Hospital, Baherampura, Ahmedabad.
- (2) Shri Amrutbhai Vasharambhai Desai, Behrampura, Opp : Tubewell Station, Hawabhuwan, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double-storeyed building standing on land admeasuring 825 sq. yards bearing S. No. 126, F. P. No. 247, S. P. No. 2, Municipal Census No. 984/2 of T. P. S. No. 6, situated at Paladi, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 17-9-1975.
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Lilabai Ramchand Bhatia,
Ganga Vihar, Sardar Nagar,
Rajkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

- (2) 1. Shri Chandulal Shantilal Mehta,
2. Shri Dalichand Shantilal Mehta,
Plot No. 15, Ramkrishnanagar,
Main Swami Vivekanand Road,
Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ahmedabad-380009, the 17th September 1975

Ref. No. Acq. 23-1-568(228)/16-6/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 15, situated at Ramkrishnagar on Main Swami Vivekanand Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot in February 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

A double storeyed building standing on land admeasuring 173-3-0 sq. yds. situated at plot No. 15, Ramkrishnanagar, Main Swami Vivekanand Road, Rajkot and bounded as under :—

East : Others Property.
West : Main Swami Vivekanand Road.
North : Plot No. 14
South : Part of Plot No. 15.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 17-9-1975.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) The Principal Officer
M/s. DLF United Limited,
40-F, Connaught Place,
New Delhi-110001

(Transferor)

(2) Mrs. Saroj Gupta, w/o
Shri Surinder Gupta,
5225, Shora Kothi,
Paharganj.
New Delhi-55.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 2nd September 1975

Ref. No. DLI/207/74-75.—Whereas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Vacant plot No. 31-C situated in the DLF Industrial Estate, No. I, Mathura Road, situated at Faridabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in February, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant plot No. 31-C situated in the DLF Industrial Estate No. I, Mathura Road, Faridabad.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 147 of February, 1975 of the Registering Authority, Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-9-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 12th September 1975

Ref. No. CHD/19/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. SCO No. 66-67, Sector 17-B, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sarvshri
 i. Jai Parkash, s/o Janki Dass,
 ii. Sita Ram, s/o Baboo Ram,
 iii. Raghbir Chand, s/o Baboo Ram,
 through their General Attorney
 Shri Kesho Ram, s/o Shri Lorinda Ram,
 iv. Miss Chanchal Kumari, d/o Kesho Ram,
 Residents of H. No. 17, Sector 19-A, Chandigarh.
 (Transferor)

(2) Sarvshri
 i. Ajit Singh Arora, s/o B. L. Arora,
 H. No. 38-Paddapukur Road, Calcutta-20,
 ii. Hardip Singh, s/o Man Singh,
 iii. Smt. Suhinder Kaur, d/o Dr. Labh Singh,
 iv. Smt. Pavittar Kaur, d/o Ishar Singh,
 v. Sangat Singh, s/o Surjit Singh,
 vi. Jasminder Singh, minor s/o Man Singh,
 vii. Kulvinder Singh minor son of Man Singh,
 viii. Paramjit Singh minor son of Man Singh,
 ix. Harpal Singh minor son of Sangat Singh,
 x. Sat Pal Singh minor son of Sangat Singh,
 C/o Ajit Singh Arora, 38-Paddapukur Road,
 Calcutta-20.

(Transferee)

(3) i. The Agent,
 Syndicate Bank,
 Sector 17,
 Chandigarh.
 ii. M/s. Haryana State Minor Irrigation
 (Tubewells) Corporation Ltd.
 SCO No. 66-67, Sector 17-B,
 Chandigarh.
 (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCO No. 66-67, Sector 17-B, Chandigarh.

V. P. MINOCHA,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 12-9-1975.

Seal :

FORM ITNS—

- (1) 1. Shri Amarnath W. Patil,
 2. Vijaya A. Patil,
 3. Navin A. Patil
 4. Kamini A. Patil,
 5. Hemangi A. Patil,
 6. Suchita A. Patil

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Vaibhav Builders.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE-V. AAYAKAR BHAVAN,
 M. KARVE MARG, BOMBAY-400020.

Bombay-400020, the 11th September 1975

Ref. No. AR. V/246/9/74-75.—Whereas, I, J. M. Mehra, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 39 H. No. (5) situated at Gowandi, Borla (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 17-2-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or that Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground bearing S. No. 39 H. No. (5) A part admeasuring 800 sq. yds. i.e., 668.88 sq. metres or thereabout and lying and being at village Govandi-Borla, Bombay in the Registration sub-district of Bombay in the Bombay suburban district and bounded as follows :—On or towards North by plot of land bearing S. No. 39 H. No. 1 (part) on or towards south by 60 feet wide Road on or towards East S. No. 39 H. No. 3 (part) and on or towards West S. No. 39, H. No. 1 (part).

J. M. MEHRA,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of
 Income-tax,
 Acquisition Range-V, Bombay.

Date : 11-9-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-V, AAYAKAR BHAVAN,
M. KARVE MARG, BOMBAY-400020.

Bombay-400020, the 11th September 1975

Ref. No. AR. V/247/10/74-75.—Whereas, I, J. M. Mehra, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 39, H. No. (5) A Part situated at Govandi-Borla (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 17-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

- (1) 1. Yeshwant W. Patil,
2. Manek Y. Patil,
3. Vihang Y. Patil,
4. Mita Y. Patil,
5. Parang Y. Patil,

(Transferor)

- (2) M/s. Vaibhav Builders.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground bearing S. No. 39 H. No. (5) A Part admeasuring 800 sq. yds. i.e. 668.88 sq. metres or thereabouts and lying and being at village Govandi-Borla Bombay in the Registration Sub-District of Bombay in the Bombay Suburban District and bounded as follows :—On or towards North plot bearing S. No. 39 H. No. 1 (part) on or towards South by 60 feet wide road on or towards East S. No. belonging to Mr. Chavan and on or towards West S. No. 39 Hissa No. 5 (part). The property does not bear C. S. number.

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay.

Date : 11-9-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) 1. Shri Nagesh W. Patil,
2. Pramila N. Patil,
3. Nitin N. Patil,
4. Kanchan N. Patil,
5. Nilesh N. Patil

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) M/s. Vaibhab Builders.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-V. AAYAKAR BHAVAN,
M. KARVE MARG, BOMBAY-400020.

Bombay-400020, the 11th September 1975

Ref. No. AR, V/248/11/74-75.—Whereas, I, J. M. Mehra, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 39 H. N. (5) situated at Govandi-Borla (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Bombay on 17-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece or parcel of land or ground bearing S. No. 39 H. No. 5 A part admeasuring 800 sq. yds. i.e., 668.88 sq. metres or there abouts and lying and being at village Govandi-Borla, Bombay in the Registration Sub-District of Bombay in the Bombay Suburban District and bounded as follows :—On or towards the North by Plot of land bearing S. No. 39 and Hissa No. 7 part; on or towards the East by S. No. 20 Hissa No. 5A Part and on or towards the West S. No. 39 Hissa No. 1 part.

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range-V, Bombay.

Date : 11-9-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Adige Rangappa Shenoy,

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) 1. Shri Jethalal Devshi,
2. Shri Ratilal Devsh,
3. Shri Hirji Devshi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V, AAYAKAR BHAVAN,
M. KARVE MARG, BOMBAY-400020.

Bombay-400020 the 11th September 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground situated at Chembur Bombay Suburban District being sub-divided Plot A ad-measuring 979.5 sq. yds, equivalent to 818.99 sq. metres or thereabouts being part of plot No. 283 of Bombay Suburban Scheme No. III Road No. 5 in the Registration Sub District and District Bombay City and Bombay Suburban and bearing City Survey No. 1596 (part) and surrounded as follows : that is to say on or towards the North by Nalla; on or towards the East by portion of Plot No. 283; on or towards the South by private passage provided for plot 8 being other part of Plot No. 283 to be retained by Vendor and on or towards the West by the Fifth Road, Chembur, Bombay.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay.

Date : 11-9-1975,
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Shivendra Nath Singh

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pradip Kumar and others

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 28th August 1975

Ref. No. 38-P/Acquisition.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 510/135 situated at New Hyderabad Near Nishat Ganj, Lucknow
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 26-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house No. 510/135 measuring 2000 sqr. ft., situated at New Hyderabad Near Nishat Ganj, Lucknow.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 28th August, 1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Roop Kishore Srivastava

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Smt. Chandrawati Devi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 27th August 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-
perty may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

A house No. 160 measuring 450 sqr. yards situated at Bai-ka-Bagh, Allahabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now therefore in pursuance of section 269C of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act,' to the following persons, namely :—

Date : 27th August 1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Abdul Mawood

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hakeem and others

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 27th August 1975

Ref. No. 15H/Acquisition.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. — situated at Village Bairihwa, P.O. Deura, Teh. Naugardh, Distt. Basti (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Naugardh on 17-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half of the Agricultural land measuring 30 Bighas 2 Biswas 9 Biswansi situated in village Bairihwa P. Deurua Teh. Naugardh, Distt. Basti.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 27th August 1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. D. Boopathi Ammal,
W/o R. P. Durairaj,
No. 12, Kanakaraya Mudukku St.,
Tirunelveli Town.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Ummusalmal Beevi,
W/o K. M. Abdul Cader,
109, Chinnakadai St.,
Tuticorin-1.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 16th September 1975

Ref. No. F. XIX/1(1)/1/75-76.—Whereas, I, G. Ramanathan, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 753 situated at Suthamalli Village, Tirunelveli Dts., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tirunelveli on 12-6-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 4.76 acres situated at Suthamalli village, Tirunelveli District, bearing Survey No. 753.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-9-1975.

Seal :

FORM ITNS —————

(1) Smt. D. Boopathi Ammal,
W/o R. P. Durairaj,
12, Kanakaraya Mudukku St.,
Tirunelveli.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri A. Sahul Hameed,
S/o K. M. Abdul Cader,
109, Chinnakadai St.,
Tuticorin-1.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 16th September 1975

Ref. No. F. XIX/1(1)/2/75-76.—Whereas, I. G. Ramanathan,
being the competent authority under section
269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe that
the immovable property having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 752 situated at Suthamalli village, Tirunelveli
Dt.,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering officer
at Tirunelveli on 12-6-1975
for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein
as are confined in Chapter XXA of
the said Act,
shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 4.85 acres situated at Suthamalli village, Tirunelveli District bearing Survey No. 752.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-9-1975.
Seal :

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Ram Chander Singh and others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW**

Lucknow, the 29th August 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 65-R/Acquisition.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-21/114-C-1 situated at Neel Cottage Moh. Maldohia Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer on 7-3-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

A house No. S-21/114-C-1 measuring 2380 sqr. fts. situated in Neel Cottage, Moh. Maldahia Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 29-8-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jabar Singh

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ram Shanker Pandey

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 26th August 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 66-R/Acquisition.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 16 situated at Old Laskar Line, Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 14-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

A house No. 16 measuring about 1100 sqr. fts. situated in Old Lasker Line, Allahabad.

BISHAMBHAR, NATH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Narendra Kumar Sharma and others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bechan Singh and others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 28th August 1975

Ref. No. 46-B/Acquisition.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-22/28, C-22/28A, C-22/28B situated at Mohalla Kabir Chauraha Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Varanasi on 3-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house No. C-22/28, C-22/28A and C-22/28B, total measuring 5030 sqr. fts. situated in Mohalla Kabir Chauraha Distt. Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 28-8-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mohan Lal and others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chhabil Nath Singh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 6th September 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A agricultural land measuring 0.33, Decimal situated at Lallapur Distt. Varanasi.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

BISHAMBHAR, NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-9-1975

Seal :

FORM ITNS

(2) M/s. Girraj Dharan Rastogi and Sons (P) Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 28th August 1975

Ref. No. 22-G/Acquisition.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. Khasra No. 124 and 127 situated at Mansur Pur Distt. Shahjahanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tilhar on 17-3-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Anand Pal Chopra and others

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land alongwith cold storage building situated at Mansur Pur Teh. Tilhar Distt. Shahjahanpur.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 28th August 1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Babu Indra Prakash and others.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 4th September 1975

Ref. No. 77-S/Acquisition.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. — situated at Hasanpur Dhanaura Mandi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 24-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Smt. Shanti Devi
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A half portion of house property situated at Hasanpur, Dhanaura Mandi, Distt. Moradabad.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 4-9-1975
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Babu Sudhir Kumar and others.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Param Singh

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW**

Lucknow, the 4th September 1975

Ref. No. 39-P/Acquisition.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. — situated at Dhanaura Mandi Hasanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 24-3-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A half portion of house property situated at Hasanpur, Dhanaura Mandi, Distt. Moradabad.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-9-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Bishan Dass and others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Tek Chand and others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 26th August 1975

Ref. No. 11-T/Acquisition.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. — situated at Ajodhyaganj Kasba Ujhayni Distt. Badaun (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Badaun on 3-3-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2/5 Portion of a three storied building measuring 1571 sqr. yards known as Kewal Talkies situated at Ajodhyaganj Kasba Ujhayni Distt. Badaun.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 26-8-1975

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Bishan Dass and others

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Om Prakash

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 26th August 1975

Ref. No. 7-O/Acquisition.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.— situated at Moh. Ajodhyaganj Kasba Ujhiani Distt. Badaun

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Badaun on 3-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

15/ portion of a three storeyed building measuring 1571 sqr. yards known as "Kewal Talkies" situated at Ajodhyaganj Kasba Ujhiani Distt. Badaun.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-8-1975

Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

GEOLOGISTS' EXAMINATION, 1976

New Delhi, the 11th October, 1975

No. F. 5/2/74-E.I.(B).—A combined competitive examination for recruitment to the categories of posts mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission at ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, JAIPUR, MADRAS, NAGPUR, PATIALA, PATNA, SRINAGAR and TRIVANDRUM commencing on 15th June, 1976 in accordance with the Rules published by the Ministry of Steel and Mines in the Gazette of India, dated 11th October, 1975.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure II, para 10).

2. The categories of posts to which recruitment is to be made on the results of this examination and the approximate number of vacancies in the various posts are given below:—

Category I : (Posts in the Geological Survey of India, Ministry of Steel & Mines).

(i) Geologist (Junior),
Class I—52

(Includes 15 vacancies reserved for Scheduled Castes and 8 vacancies for Scheduled Tribes candidates).

(ii) Assistant Geologist,
Class II—16

(Includes 4 vacancies reserved for Scheduled Castes and 3 vacancies for Scheduled Tribes candidates).

Category II : (Posts in the Central Ground Water Board, Ministry of Agriculture & Irrigation).

Junior Hydrogeologist,
Class I 28**

**A substantial number of these vacancies are reserved for Scheduled Castes and Scheduled Tribes.

The above numbers are liable to alteration.

Appointments will be made on a temporary basis in the first instance. The candidates will be eligible for permanent appointment in their turn as and when permanent vacancies become available.

3. Candidates who qualify in the examination for posts in Category II may also be considered for appointment to the posts of Assistant Hydrogeologist, Class II, in the Central Ground Water Board subject to availability of vacancies being intimated to the Commission in time.

4. A candidate may apply for admission to the examination in respect of all or any of the posts mentioned in paras 2 and 3 above. He will be considered only for the post(s) he applies for. Once an application has been made, no change will ordinarily be allowed.

If a candidate wishes to be admitted for more than one category of posts he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in Annexure I once only and will not be required to pay separate fee for each post for which he applies.

N.B.—Candidates are required to specify clearly in their applications the posts for which they wish to be considered in the order of preference.

5. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed forms of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted by Money Order to the Secretary, Union Public Service

Commission, Dholpur House, New Delhi-110011. The name of the candidate with his address and the name of the examination should be written in block capitals on the Money Order coupon. Postal Orders or cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders. The forms can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.

NOTE.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE GEOLOGISTS' EXAMINATION, 1976. APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE GEOLOGISTS' EXAMINATION, 1976 WILL NOT BE ENTERTAINED.

6. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on or before the 9th December, 1975 (22nd December, 1975 in the case of candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 9th December, 1975), accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

7. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form the fee prescribed in Annexure I in the manner indicated therein.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PRAGRAPH 2 OF ANNEXURE I.

8. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

M. S. PURTHI Dy. Secy.
Union Public Service Commission.

ANNEXURE I

1. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 48.00 (Rs. 12.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) by means of CROSSED Indian Postal Orders, or Bank Draft drawn on the State Bank of India, New Delhi.

The Commission will not accept payment made otherwise except in the case of candidates residing abroad at the time of submitting their applications, who may deposit the amount of prescribed fee in the Indian Missions concerned.

2. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March, 1971 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 and is not in a position to pay the prescribed fee.

3. A refund of Rs. 30.00 (Rs. 8.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If however, the application of a candidate seeking admission to the examination in terms of Note J below rule 7 is rejected on receipt of information that he has failed in the qualifying examination or will otherwise be unable to comply with the requirements of the provision of the aforesaid Note, he will not be entitled to a refund of fee.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained except as provided above, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

ANNEXURE II

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. A copy each of the Notice, the Rules, the Application Form and other papers relating to the examination is obtainable from the office of the Union Public Service Commission in the manner indicated in para 5 of the Notice. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

2. (i) The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. An application which is incomplete or is wrongly filled in is liable to be rejected.

(ii) The completed application form, and the acknowledgement card should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011), so as to reach him by the last date prescribed in the Notice.

No application received by the Commission after the date prescribed in the Notice will be considered.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman and Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 9th December, 1975.

Persons already in Government Service, whether in a permanent or temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily-rated employees, must submit their applications through the Head of their Department or Office concerned who will complete the endorsement at the end of the application form and forward them to the Commission. Such candidates should, in their own interest, submit advance copies of their applications direct to the Commission. These, if accompanied by the prescribed fee, will be considered provisionally, but the original application should ordinarily reach the Commission within a fortnight after the closing date. If a person already in Government Service does not submit an advance copy of his application along-with the prescribed fee, or if the advance copy submitted by him is not received in the Commission's office on or before the closing date, the application submitted by him through the Head of his Department or Office, if received in the Commission's office after the closing date will not be considered.

Applications from all other candidates, whether in private employment or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations can be entertained direct. If such a candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

3. A candidate must send the following documents with his application :—

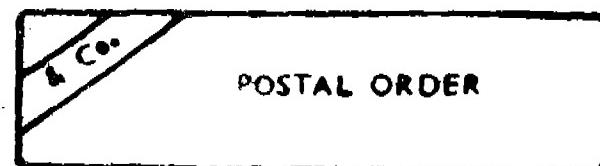
- (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee. (See Annexure I).
- (ii) Attested/certified copy of Certificate of Age.
- (iii) Attested/certified copy of Certificate of Educational qualification.
- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx.) photograph of the candidate.
- (v) Attested/certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable (see para 4 below).
- (vi) Attested/certified copy of certificate in support of claim for age concession/fee remission, where applicable (See para 5 below).

NOTE.—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN ITEMS (ii), (iii), (v) AND (vi) ABOVE ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE RESULTS ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF NOVEMBER, 1976. CANDIDATES SHOULD KEEP THESE CERTIFICATES IN READINESS AND SUBMIT THEM TO THE COMMISSION SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINALS, AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (v) and (vi) are given in paras 4 and 5 :—

(i) (a) *CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee*—

Each Postal Order should invariably be crossed as shown below.



and completed as follows :—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) *CROSSED Bank Draft for the prescribed fee*.

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Parliament Street, New Delhi, and should be duly crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank drafts will also not be accepted.

NOTE.—Candidates residing abroad at the time of submitting their applications may deposit the amount of the prescribed fee (the equivalent of Rs. 48.00, Rs. 12.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative, as the case may be, in that country who should be asked to credit the amount to the account head "051. Public Service Commission—Examination Fees." The candidates should forward the receipt from the office with the application.

(ii) *Certificate of Age*.—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate, or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which

extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the High Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

NOTE 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries relating to age.

NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) *Certificate of Educational Qualification.*—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 7. The Certificate submitted must be issued by the authority (*i.e.*, University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualification. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

NOTE.—A candidate who has appeared at an examination, the passing of which would render him eligible to appear at this examination, but has not been informed of the result, may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but their admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible, and in any case not later than 30th September, 1976.

(iv) *Two copies of Photograph.*—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. x 7 cm. approximately) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy should be firmly attached with the application form. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(iii), 3(iv) and 3(iv) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the Commission's office (except as provided for in Note under paragraph 3(iii) above) within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise, the application is liable to be rejected.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other Officer, as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate; if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari*..... son/daughter* of of village/town*..... in District/Division*..... of the State/Union Territory* of belongs to the Caste/Tribe* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe* under the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order 1951; the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951, as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956; the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971.*

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order 1959*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964.

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*

2. Shri/Shrimati/Kumari*..... and/or* his/her* family ordinarily reside(s) in village*/town of District* Division of the State*/Union Territory of

Signature.....
**Designation.....
(with seal of office)

Place..... State*/Union Territory

Date.....

*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

Officers competent to issue Castes/Tribes certificates.

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

(ii) Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate.

(iii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iv) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

(v) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(vi) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

5. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan claiming age concession under Rule 6(c)(ii) or 6(c)(iii) should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan and had migrated to India on or after 1st January, 1964, but before 25th March, 1971:—

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;
- (2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being, be resident;
- (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
- (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge.
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(ii) A repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 6(c)(iv) or 6(c)(v) should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce an attested/certified copy of a certificate from District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(iii) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 6(c)(vii) or 6(c)(viii) should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon, to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or a copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a bona fide repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(iv) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania claiming age concession under Rule 6(c)(vi) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being be resident, to show that he is a bona fide migrant from the countries mentioned above.

(v) A candidate from the former Portuguese territories of Goa, Daman and Diu claiming age concession under Rule 6(c)(ix) should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities in support of his claim:—

1. Director of Civil Administration.

2. Administrators of the Concelhos.

3. Mamlatdars.

(vi) A candidate disabled while in the Defence Services, claiming age concession under Rule 6(c)(x) or 6(c)(xi) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General Recruitment, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. Shri of Unit was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with a foreign country/in a disturbed area* and was released as a result of such disability.

Signature

Designation

Date

*Strike out whichever is not applicable.

(vii) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under Rule 6(c)(xii) or 6(c)(xiii) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Border Security Forces, Ministry of Home Affairs, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations, during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. Shri of Unit was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature

Designation

Date

6. A person in whose case a certificate of eligibility is required should apply to the Government of India, Ministry of Steel and Mines or to the Ministry of Agriculture and Irrigation as the case may be, for issue of the required certificate of eligibility in his favour.

7. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

8. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not ipso facto make the receiver eligible for admission to the examination.

9. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date for receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

10. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be

communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

11. Copies of pamphlets containing rules and question papers of the five preceding examinations are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110006 and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) The Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) State Counter of the Publication Branch, Udyog Bhawan, New Delhi-110001, and (iii) the Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India publications at various mofussil towns.

12. *Communications regarding applications.*—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOUPUR HOUSE, SHAHJAHAN ROAD, NEW DELHI-110001 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS :—

- (1) NAME OF EXAMINATION.
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE, IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—COMMUNICATIONS NOT GIVING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

13. *Change of address.*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 12 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES, THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

